जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 38 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 9 दिसम्बर, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

क़ोटा से गुजर रही राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में गुरुवार को करौली महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष शरदो गुर्जर को शामिल होने का मौका मिला। शरदो गुर्जर राजस्थान के पारंपरिक गुर्जर परिधान लहंगा-लूगड़ी पहनकर यात्रा में शामिल हुईं। यात्रा के दौरान शरदो गुर्जर ने राहुल गांधी और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा की।

गुजरात में शर्मनाक हार के बाद प्रभारी रघु शर्मा ने इस्तीफा दिया

पर प्रमुख पर्यवेक्षक गहलोत की क्या प्रतिक्रिया हैः न इस्तीफा दिया और न इस्तीफा देने का प्रस्ताव दिया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। इस बार खाता 1-1 से बराबर है। कांग्रेस ने एक लम्बे समय बाद भाजपा से हिमाचल प्रदेश छीन लिया है। यहां कांग्रेस को 40 और भाजपा को 25 सीटें मिली हैं।

और गुजरात में भाजपा की सुनामी चली। उसने वहां 158 सीटों पर एकतरफा जीत दर्ज की तथा कांग्रेस का प्रदर्शन इतना खराब रहा कि वह केवल 17 सीटें ही जीत सकीं। यह भाजपा के साथ कांग्रेस का सबसे बुरा प्रदर्शन था जिसने वर्ष 1985 का उसी का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

गुजरात में कांग्रेस की हार की जिम्मेदारी लेते हुए वहां के ए.आई.सी.सी. प्रभारी महासचिव रघु शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्याग पत्र पार्टी अध्यक्ष खड़गे को भेजा और पत्र की एक कॉपी के.सी. वेणुगोपाल को भी भेजी गई।

लेकिन मजेदार बात यह है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, जो गुजरात में पार्टी के मुख्य पर्यवेक्षक थे और चुनाव का प्रबंधन कर रहे थे, ने ना तो अब तक इस्तीफा दिया है और ना ही ऐसी पेशकश की है।

दूसरी ओर सचिन पायलट हिमाचल प्रदेश के पर्यवेक्षक थे और उन्होंने वहां पार्टी के लिए गहन प्रचार किया था। गहलोत और सचिन पायलट के प्रदर्शन का विरोधाभास इतना अधिक है कि उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती।

राहुल गांधी ने हिमाचल प्रदेश का दौरा नहीं किया था, जबकि प्रियंका गांधी हिमाचल प्रदेश के चुनाव प्रचार का हिस्सा थीं।

कांग्रेस के हल्कों में यह आम चर्चा है कि गुजरात में पार्टी का प्रचार अभियान निस्तेज एवं गैर-संजीदा था।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता, जो अपना नाम उजागर करना नहीं चाहते, ने कहा कि अगर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बघेल, जो हिमाचल के मुख्य पर्यवेक्षक थे, को राज्य में पार्टी की जीत का श्रेय दिया जा सकता है तो गुजरात में पार्टी की शर्मनाक पराजय का दोष अशोक गहलोत को क्यों नहीं दिया जा सकता।

जहाँ हिमाचल प्रदेश की जनता भाजपा को सत्ता से हटाना चाहती थीं, वहीं इसका आंशिक श्रेय उन वरिष्ठ भाजपा नेताओं को भी देना पड़ेगा, जिन्होंने यहाँ धूमल के प्रत्याशियों को हराने के लिये काम किया। निवर्तमान भाजपा मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर तथा अनुराग ठाकुर को इस क्षेत्र में धूमल के लोगों को हराने के लिये जिम्मेदार बताया जा रहा है। वे उन्हें रास्ते से हटाना चाहते थे।

हिमाचल प्रदेश में, मुख्यमंत्री पद के लिये दौड़ शुरु हो गई है तथा पार्टी को यह निर्णय लेना है कि किसी ठाकुर या ब्राह्मण में से किसे मुख्यमंत्री बनाया जाये।

वीरभद्र की पत्नी प्रतिभा सिंह भी इस पद की दावेदार हैं लेकिन सूत्रों का कहना है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाये जाने की संभावना नहीं है। अगर पार्टी किसी ब्राह्मण को मुख्यमंत्री बनाती है तो उनके पुत्र विक्रमादित्य को उपमुख्यमंत्री के रूप में समायोजित किया जा सकता है क्योंकि वीरभद्र के परिवार की उपेक्षा करना एक आत्मघाती कदम ही माना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दूसरी ओर पायलट हिमाचल में पर्यवेक्षक थे तथा उत्साह से चुनाव प्रचार में जुटे। गुजरात व हिमाचल के चुनावी नतीजे कई सवाल उठाते हैं।
- आम चर्चा है कि, गुजरात की हार का एक बड़ा कारण था, उत्साह विहीन चुनाव अभियान।
- हिमाचल में भाजपा की हार का एक कारण यह भी है, पूर्व मु.मंत्री धूमल के क्षेत्र में मु.मंत्री जयराम ठाकुर व अनुराग ठाकुर द्वारा धूमल के उम्मीदवारों को हरवाने के लिये जम कर काम करना। वे शुरू से ही धूमल को रास्ते से हटाना चाहते थे।
- हिमाचल का भावी मु.मंत्री कौन होगा, राजपूत या ब्राह्मण। पूर्व मु.मंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह, राजपूतों की ओर से प्रबल उम्मीदवार हैं, पर, अगर ब्राह्मण को मु.मंत्री बनाया गया तो, प्रतिभा सिंह के पुत्र को उप मु.मंत्री पद मिलेगा।

सरदारशहर से कांग्रेस के अनिल शर्मा विजयी

चूरू/ सरदारशहर, 8 दिसम्बर (कासं)। चूरू जिले के सरदारशहर विधानसभा उप चुनाव में कांग्रेस के अनिल कुमार शर्मा जीत गए हैं। यह उप चुनाव क्षेत्र के विधायक भंवर लाल शर्मा के निधन से रिक्त हुई थी। अनिल कुमार शर्मा, भंवर लाल शर्मा के पुत्र है।

- अनिल शर्मा ने भाजपा के अशोक पिंचा को 26,852 मतों से हराया।

उन्होंने भाजपा के अशोक पिंचा को 26,852 मतों से हराया। अनिल कुमार शर्मा को 91,357 वोट मिले और भाजपा को 64,505 वोट मिले।

आप बनी राष्ट्रीय पार्टी !

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को दावा किया कि गुजरात चुनाव लड़ना आम आदमी पार्टी (आप) का दांव फायदेमंद रहा और इससे पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल जाएगा। एक ट्वीट में उन्होंने कहा आप चुनाव आयोग के मानदंडों पर खरी उतरती है, यदि कोई पार्टी किसी राज्य

- गुजरात चुनाव में आप को भले ही दो सीटें मिली हों, पर अब इस पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुजरात की अभूतपूर्व जीत से कर्नाटक के भाजपा विधायक आशंकित

गुजरात में ''एन्टी इन्कमबैंसी'' को मात देने के लिये भाजपा ने 40 विधायकों व मंत्रियों के टिकट काटे थे

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। गुजरात में 27 साल की सत्ता-विरोधी लहर को पछाड़ते हुए भाजपा की जबरदस्त विजय को पार्टी के एक वरिष्ठ विधायक चिन्ताजनक मान रहे हैं। सत्ता विरोधी लहर को परास्त करने का कामयाब सूत्र- विधायकों, मंत्रियों यहाँ तक कि मुख्यमंत्री तक को या उनकी सीटों को बदलना, जिसके भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को सकारात्मक नतीजे मिले हैं, कर्नाटक के भाजपा विधायकों के लिये बहुत बड़े डर का कारण बन गया है क्योंकि वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल अगले वर्ष मई में समाप्त होने के बाद, वहाँ विधानसभा चुनाव होने हैं।

हालाँकि जहाँ तक चुनावी रणनीतियाँ तय करने का प्रश्न है, हर राज्य में एक ही रणनीति काम में नहीं ली जाती। प्रत्येक विधानसभा सीट के लिये उम्मीदवारों को नामजद करने का निर्णय करते समय कई बातें विचारणीय होती है, जैसे- कुछ खास काम न करने वालों को पुनः प्रत्याशी नहीं बनाना, जनता की नज़रों में असफल माने जाने वाले विधायकों को पुनः खड़ा नहीं करना, तथा चयन में सबसे महत्वपूर्ण होती है- किसी प्रत्याशी के जीतने की प्रबल संभावना।

गुजरात में भाजपा के बागियों की दुर्दशा भी सत्ता विरोधी लहर को पराजित करने के मोदी-शाह मॉडल की

- मोदी-शाह द्वय की इस रणनीति को भारी सफलता मिली गुजरात में। अतः कर्नाटक के कई वर्तमान विधायक व मंत्री आशंकित हैं कि, कहीं यह फॉर्मूला कर्नाटक में भी तो नहीं दोहराया जायेगा।

प्रभावोत्पादकता की परिचायक है, क्योंकि पार्टी ने पुराने सभी चुनावी रिकॉर्डों को तोड़ते हुये, राज्य में ऐतिहासिक जीत हासिल की है।

यह सफलता सत्ता-विरोधी लहर को पराजित करने की भाजपा की रणनीति की सिद्ध हो चुकी प्रभावोत्पादकता की सूचक है। इस सुविचारित रणनीति के अन्तर्गत, फालतू लोगों की छँटनी तथा आक्रामक प्रचार तथा इसके साथ ही भाषणों में सरकार के सकारात्मक कार्यों एवं कल्याणकारी योजनाओं से मिले लाभों के प्रमाण आदि से कर्नाटक के विधायक बड़े नर्वस हो गये हैं। गुजरात में पार्टी ने 40 विधायकों, जिनमें मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री भी शामिल हैं, को टिकट नहीं दिये थे।

लेकिन यह भी संभव है कि यह रणनीति हर राज्य में कारगर न हो, जैसा कि हिमाचल प्रदेश के परिणाम ने सिद्ध कर दिया है। हिमाचल में वर्तमान सत्ता को उखाड़ फेंकते हुये, कांग्रेस ने चुनावी इतिहास रच दिया है। हिमाचल प्रदेश में भाजपा ने चुनावी लड़ाई में कांग्रेस की जीत को मुश्किल बनाने के लिये, प्रचार-अभियान में अपना सर्वस्व झोंक दिया था। यही एक ऐसा तत्व है, जिसे भाजपा विधायक पकड़े बैठे हैं तथा फिर से टिकट मिलने की मधुर कल्पनाएं कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि बी.एस. येदिउरप्पा जैसे वरिष्ठ व्यक्ति को वापस बुलाना पड़ा था तथा उनका पद एक अन्य वरिष्ठ नेता को सौंप दिया गया था तथा उन्हें सांत्वना एवं संतुष्टि प्रदान करने की दृष्टि से उन्हें एक सम्माननीय पद दे दिया था। कर्नाटक के वरिष्ठ विधायक यह आशा सँजोये बैठे हैं कि इसी प्रकार राज्य की राजनीति में उनकी महत्ता उन्हें बचा लेगी तथा जब भी भाजपा उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी, उस सूची में उनका नाम मौजूद होगा। कर्नाटक भाजपा में कम से कम 20 से अधिक विधायक ''वरिष्ठ नागरिक'' श्रेणी के हैं तथा उनकी आयु 65 वर्ष से अधिक है। इनमें उल्लेखनीय नाम हैं- पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर, पूर्व उपमुख्यमंत्री ई.एम. ईश्वरप्पा, जी.एच. थिप्पा रेड्डी तथा एस.ए. रवीन्द्रनाथ। भाजपा में ऐसे स्वर सुनाई देने लगे हैं कि ''वरिष्ठों'' को युवा वर्ग के लिये रास्ता देना चाहिये।

'कश्मीरी पंडितों के जनसंहार की जांच नहीं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) डी.वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 3 जजों की एक बैंच ने वर्ष 1989-1990 के दौरान जम्मू एवं कश्मीर में हुए कश्मीरी पंडितों ने नरसंहार के संबंध में दायर एक क्यूरेटिव पिटिशन को खारिज कर दिया है। इस याचिका में मांग की गई थी कि उक्त नरसंहार की किसी सैन्ट्रल एजेंसी या कोर्ट द्वारा नियुक्त किसी अन्य एजेंसी से जांच करायी जाए।

- सुप्रीम कोर्ट ने 1989-90 में हुए कश्मीरी पंडितों के संहार और उनकी एफ.आई.आर. की जांच करवाने से यह कहकर इंकार कर दिया कि, अब बहुत देर हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2017 में इस याचिका में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया था। याचिका में मांग की गई थी कि करीब 7 सौ कश्मीरी पंडितों की मौत को लेकर दायर एफ.आई.आर्स. की पुनः जांच कराई जाए, सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन (सी.बी.आई.) जैसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोलीजियम सिस्टम के खिलाफ सरकार की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने आपत्ति जताई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कोलीजियम सिस्टम देश का कानून है, उसकी अक्षरशः पालना होनी चाहिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच चल रहे संघर्ष के और बढ़ने के स्पष्ट संकेत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कोलीजियम सिस्टम पर सरकार की टिप्पणियों पर आपत्तियां जतायीं। कोर्ट ने ध्यान दिलाया कि ''यह देश का कानून है'' जिसका अक्षरशः पालन किया जाना चाहिए।

यह रेखांकित करते हुए कि कोलीजियम के विरूद्ध सरकार के पदाधिकारियों द्वारा की गई टिप्पणियां उचित नहीं थीं, शीर्ष अदालत ने बड़ी सावधानी से अपना संयम खोया है क्योंकि लगता है कि उसने कोलीजियम सिस्टम को लेकर केन्द्र सरकार और न्यायपालिका के बीच चल रहे वर्तमान मतभेदों को लेकर अपने विचार व्यक्त किए है, खासतौर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केन्द्रीय विधि मंत्री किरण रिजिजू की टिप्पणियों के संदर्भ में।

जस्टिस संजय किशन कौल, ए.एस. ओझा और विक्रम नाथ की बैंच ने एटॉर्नी जनरल और सॉलीसिटर

- सुप्रीम कोर्ट ने एटॉर्नी जनरल को कहा, वे सरकार को समझायें कि, वे मर्यादा में रहें तथा भाषा पर नियंत्रण रखें।

जनरल से कहा कि कोलीजियम सिस्टम का सूत्रपात करने वाले संविधान बैंच के निर्णयों की हर हाल में अनुपालना की जानी चाहिए।

बैंच केन्द्र सरकार के खिलाफ दायर एक अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उसमें आरोप लगाया गया था कि सरकार कोर्ट द्वारा तय की गई समयावधि में कोलीजियम की सिफारिशों को मंजूर नहीं कर रही है। सुनवाई के दौरान बैंच को उन चुनिंदा टिप्पणियों से अवगत करवाया गया जो संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोगों ने कोलीजियम सिस्टम के खिलाफ की थीं।

सीनियर एडवोकेट एवं सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने उपराष्ट्रपति और विधि मंत्री द्वारा हाल ही में दिए गए बयानों का प्रत्यक्ष हवाला दिया।

सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने एटॉर्नी जनरल से अनुरोध किया कि वह सरकार के पदाधिकारियों से संयम बरतने के लिए कहें। जस्टिस नाथ ने कहा कि सिंह भाषणों का हवाला दे रहे हैं जो बहुत अच्छी बात नहीं है।.... सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम पर टिप्पणियों को अच्छे रूप में नहीं लिया जा सकता।

धनखड़ ने कल संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के दिन राज्यसभा में राज्यसभा सभापति के रूप में अपना प्रथम संबोधन देते हुए सुप्रीम कोर्ट के वर्ष 2015 के निर्णय का हवाला दिया, जिसमें नैशनल ज्यूडीशियल अपॉइन्टमैन्ट्स कमीशन (एन.जे.ए.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छवला रेप-मर्डर पर अपने फैसले को रिव्यु करेगा सुप्रीम कोर्ट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सी.जे.आई.) की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की एक बैंच ने गत 7 नवम्बर के निर्णय पर रिव्यू मांगने वाली याचिकाओं को सुनवाई के लिए लिस्ट करने का निर्णय लेने का आश्वासन किया है। गत 7 नवम्बर के निर्णय में दिल्ली के छवला क्षेत्र की एक 19 वर्षीया युवती की वर्ष 2012 में गैंग रेप के बाद हत्या करने वाले अभियुक्तों

- सुप्रीम कोर्ट ने अपने 7 नवम्बर के फैसले में छवला गैंगरेप मर्डर के आरोपियों को बरी कर दिया था, इस फैसले के खिलाफ 19 वर्षीय मृत युवती के पिता सहित कई वकीलों व सामाजिक संगठनों ने रिव्यु पिटिशन दायर की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजीनोमोतो फिल्म पर रोक

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। जापान के एक मसाला निर्माता की शिकायत पर दिल्ली हाई कोर्ट ने क्राइम थ्रिलर मूवी ''अजिनोमोतो'' के रिलीज पर गुरूवार को एकतरफा स्टे लगा दिया। मसाला

- जापान की एक कम्पनी से अपने ट्रेडमार्क अजी-नो-मोतो के एक गलत इस्तेमाल के खिलाफ याचिका दायर की थी, उनकी याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने 12 दिसम्बर तक फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगा दी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुजरात में भाजपा की भारी जीत ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़े

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। कांग्रेस ने अपने गिरते चुनावी ग्राफ को अतंतः थाम लिया और हिमाचल प्रदेश में 68 सीटों में से 40 सीटें जीत लीं तथा भारतीय जनता पार्टी को 25 सीटों पर रोककर, उसे सत्ता से बेदखल कर दिया, लेकिन गुजरात में इसकी स्थिति बहुत खराब रही, जहाँ उसकी सीटों का आँकड़ा बुरी तरह लुढ़क कर 17 पर आ गया। गुजरात में, भाजपा ने अपने पूर्व रिकॉर्ड को तोड़ते हुये 182 सदस्यीय विधानसभा की 156 सीटों पर विजय प्राप्त कर ली।

चुनाव आयोग ने हिमाचल प्रदेश में भाजपा को 25 सीटों पर विजयी दिखाया है, लेकिन इस संख्या में भी एक सीट की कमी हो जायेगी, क्योंकि इस संख्या में, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा जीती हुई दो सीटें मंडी एवं सेराज शामिल हैं तथा इनमें से एक सीट उन्हें खाली करनी पड़ेगी। अगर प्राप्त वोटों के प्रतिशत के आधार पर देखें तो दोनों पार्टियों की उपलब्धि में कोई बड़ा अन्तर नहीं है- जहां कांग्रेस को 43.91 प्रतिशत वोट मिले हैं, वहीं भाजपा ने भी 42.90 प्रतिशत वोट हासिल किये हैं।

हिमाचल प्रदेश में निर्दलियों, जो वस्तुतः भाजपा के बागी ही हैं, ने तीन सीटें जीती हैं। अगर वे भाजपा में वापस होते हैं, तो भी कांग्रेस की निर्णायक जीत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) को 12.91 प्रतिशत वोट मिले हैं तथा उसने 5 सीटें जीती हैं तथा अब राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त करने की स्थिति में आ गई है।

आशा कुमारी, जो पंजाब-मामलों की ए.आई.सी.सी. प्रभारी रही हैं तथा

- भाजपा की बिहार के कुरहानी उप चुनाव में जीत भी नीतीश कुमार के लिये भारी धक्का है, क्योंकि नीतीश द्वारा भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद यह पहला उप चुनाव था।
- पर भाजपा यू.पी. में सभी उप चुनाव हारी, सपा व राष्ट्रीय लोकदल से।
- छत्तीसगढ़ व राजस्थान में कांग्रेस ने उप चुनाव जीते।
- हिमाचल में चुनाव आयोग का नतीजा दिखाने वाले चार्ट में भाजपा की 25 सीटें दिखायी गयी हैं, पर यह संख्या घटेगी, क्योंकि मु.मंत्री जयराम ठाकुर दो सीटों पर जीते हैं और उन्हें एक सीट से इस्तीफा देना होगा।

चम्बा के राजघराने की सदस्या हैं, हिमाचल प्रदेश की मुख्यमंत्री बनाई जा रही हैं। विधानसभा चुनावों में यह उनकी छठी जीत है।

भाजपा के तीन बागी, जो निर्दलीय प्रत्याशियों के रूप में चुनाव जीते हैं, भाजपा में वापस लिये जा सकते हैं फिर भी भाजपा की विधायक संख्या इतनी नहीं हो पायेगी कि वह कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश की सत्ता में आने से रोक सके। ज्ञातव्य है कि हिमाचल प्रदेश का इतिहास रहा है कि यहां वैकल्पिक दल की ही सरकार बनती है।

मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में डिम्पल यादव विजयी रही हैं। डिम्पल समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी तथा मुलायम सिंह यादव की पुत्र-वधू हैं। ज्ञातव्य है कि यह सीट मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण रिक्त हुई थी। रामपुर सीट पर भी समाजवादी पार्टी के मोहम्मद आसिम रजा जीते हैं। यह सीट सपा नेता आज़म खान की डिसक्वालिफिकेशन के कारण खाली हुई थी। खतौली सीट पर राष्ट्रीय लोक दल के मदन भैया विजयी हुये हैं। ज्ञातव्य है कि आर.एल.डी. को सपा का समर्थन प्राप्त था।

उत्तर प्रदेश को इस अर्थ में अपवाद ही माना जायेगा, जहाँ योगी आदित्यनाथ की भारतीय जनता पार्टी सरकार एक भी उपचुनाव नहीं जीत सकी हैं, जबकि बिहार के अलावा, चार अन्य राज्यों में सत्तारूढ़ दलों ने विधानसभा उपचुनावों में अपने प्रत्याशियों को जिता लिया है।

राजस्थान के उपचुनाव में सरदार शहर सीट से कांग्रेस के अनिल कुमार शर्मा, छत्तीसगढ़ के उपचुनाव में भानु प्रताप सीट से कांग्रेस की सावित्री मांडवी, उड़ीसा उपचुनाव में पदमपुर सीट से बीजू जनता दल प्रत्याशी बर्षा सिंह बारिहा विजयी रही हैं।

बिहार में कुरहानी सीट पर जनता दल (यू) के मनोज कुमार सिंह भाजपा के केदार प्रसाद गुप्ता से हार गये हैं। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिये एक बड़ा झटका हैं क्योंकि भाजपा से अलग होने के बाद, राज्य में यह पहला उपचुनाव था।

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

आस्था केन्द्र गंगा-जमुना जल स्तर को बनाए रखने में बढ़ता तापमान बड़ी चुनौती

यदि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की माने तो बढ़ते तापमान का असर आने वाले दिनों में तेजी से देखा जाएगा। संभावना तो यहां तक व्यक्त की जा रही है कि यही हालात रहे तो जीवन-दायिनी गंगा-जमुना नदी में जल स्तर कम होगा और हालात यहां तक हो सकते हैं कि गंगा-जमुमा के बहाव क्षेत्र में तेजी से पानी का स्तर कम होगा। यहां तक कि इस क्षेत्र में पानी का संकट तक आ सकता है। यह चेतावनी आज की नहीं हैं अपितु भूविज्ञानियों व पर्यावरण विज्ञों द्वारा लंबे समय से दी जाती रही है। प्रकृति लगातार डेढ़-दो दशक से चेताती जा रही है पर अनदेखा किया जा रहा है। जिस तरह से आज हिमालय क्षेत्र भूगर्भीय हलचलों का केन्द बनता जा रहा है उससे प्रभावित हो रहा है पहले ऐसा नहीं हुआ है। गत दशकों में हिमालय पर्वत माला श्रृंखला में सर्वाधिक भगर्भीय हलचल देखने को मिल रही है। साल में एक दो नहीं अपितु आये दिन धरती हिलने लगी है। भूस्खलन होने लगे हैं। साल में एक दो बार तो बड़े भूस्खलन आम होते जा रहे हैं। देवभूमि आज भूगर्भीय हलचल का केन्द्र बन गई है। हिमालय श्रृंखला के ग्लेसियर तेजी से पिघल रहे हैं। यहां तक कि हिमालयी श्रृंखला से निकलने वाली नदियों के उद्गम स्थल लगातार पीछे किसकते जा रहे हैं। पिछले सालों में विनाश के भयावह हालातों से हम रुबरु हो चुके हैं।

दरअसल गंगा-जमुना के उद्गम स्थल या यों कहें कि संपूर्ण उत्तरांचल क्षेत्र जिसमें चार धाम आते हैं, सनातन काल से आस्था का केन्द्र रहे हैं। इनकी अपनी अहमियत रही है तो प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में भी हिमालय क्षेत्र की अपनी भूमिका रही है। समय का बदलाव देखिये कि यहां तक तो सब ठीक है कि इस क्षेत्र का तेजी से विकास हुआ है। आज चारधाम की यात्रा सहज और आम आदमी की पहुंच में आई है। मुझे और मेरी जैसी पुरानी पीढ़ी के लोगों को अच्छी तरह से याद है कि चार धाम की यात्रा पर जाने से पहले और यात्रा से सकुशल वापसी पर वृहद आयोजन होते थे। हमनें तो यहां तक देखा है कि गंगाजी की यात्रा करने पर चाहे वह हरिद्वार की हो या ऋषिकेश की गंगाजल के पूजन का भव्य आयोजन होता था जिसे गंगोज के नाम से जाना जाता था। घर-परिवार और नाते-रिश्तेदार जुटते थे, पूजन-हवन होता था और फिर सहभोज तो होना ही था। आज परिस्थितियों में बदलाव आया है। गंगा-जमुना का यह पवित्र क्षेत्र आज आस्था से अधिक पर्यटन का केन्द्र बन गया है। लोग घूमने के बहाने जाते हैं। यहां तक तो ठीक कहा जा सकता है पर जिस तरह से प्रतिबंधित वस्तुओं खासतौर से प्लास्टिक और इसी तरह की सामग्री का कचरा केन्द्र बनाने से पर्यावरणीय प्रदूषण की समस्या आम हो गई है। लोग चंद घंटों के लिए जाते हैं और प्लास्टिक कचरा और अन्य सामठी वहां छोड आते हैं। इसी तरह से विकास के नाम पर जिस तरह से कंक्रिट का जंगल विकसित किया जा रहा है उसे भी पर्यावरण की दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता है। हजारों की संख्या में प्रतिदिन वाहनों की रेलमपेल से प्रदूषण फैल रहा है वो अलग। इससे क्षेत्र के वातावरण में बदलाव आ रहा है। तापमान बढने लगा है। प्रकृति में विकृति की जा रही है। आखिर इसकी भी कोई सीमा होनी ही चाहिए। हिमालय क्षेत्र में तापमान वृद्धि के कारण बर्फ पिघलने की रफ्तार तेज हो गई है। पिछले चार साल के सेटेलाइट डेटा विश्लेषण ही चौकाने व चेताने के लिए काफी हैं। ऐसे में समय रहते उपाय खोजने ही होंगे। नहीं तो जीवनदायिनी गंगा-जमुना में पानी तो कम होगा ही साथ ही क्षेत्र का सारा संतुलन ही बिगड के रह जाएगा।

समुद्र के किनारें के शहरों की डूबने की भविष्य वाणियां आम होती जा रही है। चक्रवाती तूफान और जंगलों में आग आम होती जा रही है। सुनामी जैसी घटनाएं बढ़ी है तो एक तूफान जाता नहीं है कि दूसरे की चेतावनी आ जाती है। हजारों लोग कालकवलित हो जाते हैं तो अरबों खरबों की संपत्ति इन तूफानों की भेंट चढ़ जाती है।

हांलाकि जहां यह स्थानीय कारक हैं वहीं देश दुनिया में प्रकृति के अत्यधिक दोहन और कार्बन उत्सर्जन का परिणाम भी कहीं ना कहीं यहां भी परिलक्षीत हो रहा है। दुनिया के अन्य ग्लेसियरों की तरह यहां भी ग्लेसियर तेजी से पिघल रहे हैं। परिणाम साफ दिखाई देने लगे हैं। समुद्र के किनारें के शहरों की डूबने की भविष्य वाणियां आम होती जा रही है। चक्रवाती तूफान और जंगलों में आग आम होती जा रही है। सुनामी जैसी घटनाएं बढ़ी है तो एक तूफान जाता नहीं है कि दूसरे की चेतावनी आ जाती है। हजारों लोग कालकवलित हो जाते हैं तो अरबों खरबों की संपत्ति इन तूफानों की भेंट चढ़ जाती है।

हांलाकि दुनिया के देश पर्यावरण संकट को लेकर के गंभीर होने लगे हैं। प्रयास भी हो रहे हैं पर परिणाम अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि प्रकृति से संयोग रहेगा तो विकास होगा और प्रकृति से खिलवाड़ होगा तो हमें परिणाम में विनाश ही मिलना है। ऐसे में गंगा-जमुना में जल स्तर कम होने की चेतावनी दरअसल समय रहते चेतने की चेतावनी के रुप में देखी जानी चाहिए नहीं तो आने वाली पीढ़ी हमें कभी माफ नहीं करने वाली है। नमामी गंगे के सकारात्मक परिणाम अभी दूर ही दिखाई दे रहे हैं। वहीं सरकारों को ऐसा सिस्टम विकसित करना होगा जिससे प्रतिबंधित व दुष्प्रभाव छोड़ने वाली वस्तुओं का प्रवेश ही निषिद्ध हो जाए। निर्माण व विकास कार्यों में भी पर्यावरण सहयोगी वस्तुओं का ही उपयोग हो ताकि क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखे जा सके। पर्यावरण प्रेमियों को भी इसके लिए आगे आना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शुक्रवार 9 दिसम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, मूल नक्षत्र रात्रि 1:13 तक, गंड योग दिन 1:41 तक, नाग करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-धनु, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज राजयोग दिन 11:35 से दिन 2:59 तक है। आज रसिक माधुरी जयन्ती और डा.राजगोपालाचार्य जयन्ती है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:26 तक, लाभ-अमृत 8:26 से 11:01 तक, शुभ 12:19 से 1:36 तक, चर 4:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 5:30

मेष
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। शुभ कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से मतभेद बढ़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

चमड़ी उधेड़ रोग और लोग
(मनचाउसेन सिन्ड्रोम बाई प्रॉक्सी)

सुनते थे हन्टर से या बैंत से मार मार कर चमडी उधेड दी - मालिक ने गुलाम की, दरोगा ने चोर की या मास्टर ने छात्र की। शरीर पर लाल उभरे निशान, लहूलुहान उखडी हुई चमडी। इसी के समकक्ष है टॉक्सिक एपिडर्मल नेक्रोलाइसिस,(टी ई एन) एक प्रकार का भयंकर चमडी उधेड रोग। इसमें शरीर के अधिकांश सतह से चमडी की सतही परत (एपिडर्मिस) मर कर (नेक्रोलाइज्ड) उखड कर अलग हो जाती है। ऐसा किसी दवा के सेवन से व्याप्त टोक्सिन से होता है। यह दवा के अधिक मात्रा में दिये जाने से या उसके साइड एफेक्ट के कारण नहीं, वरन्, हजारों या लाखों में से किसी एक में अकारण ही हो जाता है।

हाल ही का केस। भारतवंशी विदेशी एक महिला डाक्टर पति के साथ भारत आईं। कोलकत्ता पहुंची, गले का संक्रमण हुआ। हलका भुखार। डॉक्टर पति ने साधारण संक्रमण और भुखार के लिए एन्टीबायोटिक, दर्द नाशक आदि दवायें दी। दो सप्ताह ठीक ठाक चलता रहा। फिर बुखार तेज, चमडी पर लाल चकते उभर आये। डॉक्टर पति ने शहर के नामी फिजिशियन से संपर्क कर अपना परिचय दिया और घर आकर देखने को कहा। वे आये, महिला को देखा। लगा सामन्य वाइरल बुखार है, लाल चकते भी उसी के कारण है। कोई नई दवा नहीं दी। संक्रमण के निदान के लिए सभी टैस्ट लिख दिए। टैस्ट करवाये या नहीं, उनका क्या रिजल्ट रहा डॉक्टर पति ने दस दिन तक कोई संपर्क नहीं किया, स्वयं ही इलाज करते रहे। संपर्क किया तबियत खराब हो गई है, शरीर पर लाल चकते फिर उभर आये हैं। फिजिशियन ने रोगी को क्लिनिक लाने के लिए कहा। देखा, जांच की। रोगी ने बताया कि पिछली रात चाईनीज फूड खाया था उसी के बाद तबियत खराब हुई। शरीर पर सूजन, लाल चकते, लगा महिला एलर्जिक है और उसे एलर्जिक रिएक्सन हुआ है। निदान किया एन्जियो न्यूरोटिक इडिमा विद वेस्कुलाइटिस ड्यू टू चाईनीज फूड। उन्होंने डॉक्टर पति से बात कर स्लो एक्टिंग स्टेरोइड का इन्जेक्शन लगा दिया, वही इन्जेक्शन दो दिन और लगवाने को कहा और लिख दिया। डाक्टर पति ने उसी रोज दो स्किन स्पेशिलिस्ट को और दिखाया। चार दिन तक फिजिशियन से कोई संपर्क नहीं, क्या इलाज किया, क्या अवस्था रही कुछ नहीं बताया। पति स्वयं ही इलाज कर रहे, अन्य डॉक्टरों से सलाहा कर। फिर फिजिशियन से संपर्क किया बताया हालत और खराब हो गई है। रेशेज बढ गये हैं। फिजिशियन को दूसरे रोज अमेरिका जाना था अत: वे इलाज अपने हाथ में नहीं ले सकते थे। डॉक्टर पति ने अपने एक सहपाठी डॉक्टर से संपर्क कर महिला को उसकी देख रेख में अस्पताल में भर्ती कर दिया। उस डॉक्टर ने फिजिशियन से संपर्क किया और कहा कि वे जाने से पहले मरीज को देख जायें। उन्होंने आकर मरीज को देखा। रेशेज फैलने के साथ साथ अब फफोले बन गये थे। रियेक्शन एलर्जिक ही लग रहे थे अत: उन्होने जल्दी काम करने वाला एक और स्टेरोइड लिख दिया। अस्पताल के डॉक्टर को अपनी सलाह दी और अस्पताल के

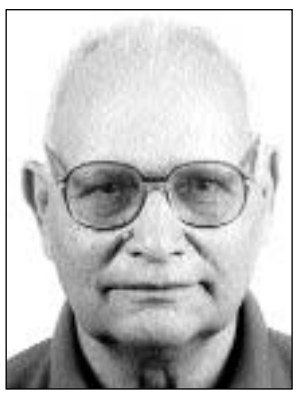

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

■ हजारों या लाखों में से किसी एक में दवा के सेवन से व्याप्त टॉक्सिन से यह रोग होता है

फिजिशियन को मरीज की चिकित्सा अपने हाथ में लेने के लिए लिखा। महिला का डॉक्टर पति मौजूद था और सारी चिकित्सा अपनी इच्छा अनुरूप करवा रहा था। शाम को दो चर्म रोग विशेषज्ञो को देखने को बुलाया। उन्होंने अपने हिसाब से इलाज की सलाह लिखी, डॉक्टर पति को बताया।

टी ई एन एक विलक्षण विरला रोग है। कारण ही नहीं पता तो निवारण कैसे हो। कोई मान्य इलाज नहीं है। सभी अपनी अपनी समझ के हिसाब से सिम्पटोमेटिक उपचार करते हैं। रोग धातक। रोगी स्वयं डॉक्टर। पति अमेरिका का पैसे वाला डॉक्टर। अपने हिसाब से अपने अनुसार सब इलाज करवा रहे थे। शहर के सभी नामी चर्मरोग विशषज्ञो को बुलाया, उनसे राय लिखवाई, परामर्श किया। आंखों के विशेषज्ञ, मुंह व गले के विशेषज्ञ, प्लास्टिक सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ - रोग एक ही लेकिन उसके अलग अलग स्थानीय लक्षणों के इलाज के लिए अलग विशेषज्ञ। कुल मिला कर दर्जन से ऊपर डॉक्टरों को पति ने बुलाया। सबने अपनी अपनी सलाह अपने-अपने इलाज लिखे। पति ने किस की सलाह मानी किसकी नहीं, कुछ पता नहीं। पेशेन्ट फाइल में कुछ भी लिखा हो महिला को वही दिया गया जो पति ने कहा। बिना उनकी अनुमति के तो पेशेन्ट को कोई देख भी नहीं सकता था कुछ करने की बात तो दूर। पांच दिने में हालात खराब हो गई। पति हवाई एम्बूलेंस से महिला को मुम्बई के नामी अस्पताल ले गये। वहां भी पति ने दादागिरी दिखाई। वरिष्ट नामी चिकित्सक को स्वेच्छा से इलाज नहीं करने दिया। रोग घातक था, रोगी नहीं बची।

डॉक्टर पति ने कोलकत्ता और मुंबई के इलाज करने वाले सभी छब्बीस डॉक्टरों के खिलाफ केस ठोक दिए। 77 करोड का हर्जाना मांगा। ऐसा लगा जैसे वह अपनी पत्नी का इलाज इसी लक्ष्य के लिए करवा रहा था। उसने सारे इलाज को वैसे ही अपने स्वार्थ पूर्ति एवं अहं तुष्टी के लिए मेनुपुलेट किया जैसे मनोग्रंथि ग्रस्त मनचाउसेन सिंड्रोम बाई प्रोक्सी का व्यक्ति करता है। फिर मैडिकल काऊंसिल में शिकायत की, सिविल केस, क्रिमिनल केस, उनके निर्णय के खिलाफ नेशनल कमीशन, हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट। प्रेस कान्फ्रेस, फेस बुक, शोसल साइटस पर प्रचार किया। इसके लिए उसने पहले से ही सब तैयारी कर रखी थी। सारा इलाज मेनुपुलेट और मेनेज किया था। स्वयं विशेषज्ञ डॉक्टर था, उसें अंदाज था घातक रोग का अंजाम क्या होगा। वह तो इसका इन्तजार ही कर रहा था, अपने लक्ष्य पूर्ति के लिए। अपने आपको शहीद के रूप में प्रचारित कर अपने अहं की पुष्टी की। सब जगह अपने पर फोकस, केन्द्र में बने रहने की चेष्टा।

जब विशेषज्ञ डॉक्टर, जो रोग की बारीकियों को समझने की क्षमता रखते हैं, उनके ही यह रोग समझ से परे था तो विधि विशेषज्ञों द्वारा इसे समझने की चेष्टा तो अनाधिकार ही कही जायगी। किसी भी तथ्य को ले कर न डॉक्टरों में सहमती थी न विधि विशेषज्ञों में। नतीजा, अलग -अलग धारणा, अनुभव, और निर्णय। 26 डाक्टर 52 विधि विशेषज्ञ और एक पैसे वाला अमेरिकन। कहावत है कानून गधे के समान होता है, जिसे उसका कान पकड कर हांकना आता है, वह उधर ही चल देता है। अमेरिकन डॉक्टर ने इसका भरपूर लाभ उठाया। मनचाउसेन सिंड्रोम बाई प्रोक्सी से ग्रसित व्यक्ति की तरह उसने बड़े नियोजित ढंग से सारा केस मेनुपुलेट किया और अपने लक्ष्य प्राप्ति में अंततः सफल हुआ। चमडी उधेड रोग का इलाज करने वाले डॉक्टरों की चमडी उधेड दी। करोडो का मुवावजा लिया।

–डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

चम्बल नदी किनारे मगरमच्छ ले रहे सन बाथ

धौलपुर, (निसं)। सर्दियों में चंबल नदी में जलीय जीवों की अठखेलियां शुरू हो गई है। धौलपुर से होकर गुजरने वाली चंबल नदी में गुरुवार सुबह घड़ियाल और मगरमच्छ की अठखेलियों के साथ नदी किनारे कछुएं भी धूप सेंकते नजर आए। चंबल नदी में जलीय जीवों की

■ इस बार चम्बल में घड़ियाल और मगरमच्छ के साथ डॉल्फिन भी नजर आने लगी हैं

अठखेलियों को देखने के लिए पर्यटक भी पहुंचना शुरू हो चुके हैं। जिनके लिए नगर परिषद ने 3 वोट शुरू कर दी हैं। जिनके जरिए पर्यटक नदी के 6 किलोमीटर तक दोनों जलीय जीवों की अठखेलियां को निहार सकते हैं।

वन्य जीव प्रेमी मुन्ना लाल निषाद ने बताया कि चंबल नदी एक बार फिर से गुलजार है। सुबह नदी में मगरमच्छ और घड़ियाल एक दूसरे के साथ रेस करते हुए दिखाई दिए, तो वहीं सॉफ्टसेल कछुआ भी नदी किनारे सन बाथ करते हुए नजर आए। उन्होंने बताया कि इस बार नदी में घड़ियाल और मगरमच्छ के साथ डॉल्फिन भी नजर आने लगी है। जो पूर्व में नदी में गंदा पानी होने की वजह से भिंड की ओर चली गई थी।

सर्दी बढ़ने के साथ चंबल किनारे अठखेलियां कर रहे घडियाल और मगरमच्छ।

इस बार स्वच्छ और साफ पानी होने की वजह से डॉल्फिन एक बार फिर से वापस धौलपुर की ओर आ चुकी हैं। चंबल नदी में 100 साल से अधिक पुराने कछुओं के साथ 10 से 12 फीट के घड़ियाल और मगरमच्छ भी देखने को मिल रहे हैं। जिन्हें देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक धौलपुर पहुंच रहे हैं।

करीब पांच हजार आर.सी. और इतने ही लाईसेंस अटके

अलवर, (निसं)। अलवर आरटीओ ऑफिस में कार्ड बनाने का कच्चा माल व संसाधन नहीं होने से वाहनों की आरसी एवं लाईसेंस नहीं बनने से आम आदमी को भारी परेशानी हो रही है। इस संदर्भ में जब आरटीओ और डीटीओ से बात की तो उन्होंने भी हाथ खड़े कर दिए और कहा कि, इस समस्या का निदान उनके पास अभी नहीं है, क्योंकि यह समस्या अलवर ही नहीं पूरे राजस्थान में हो रही है।

अलवर आरटीओ आफिस में विगत कई दिनों से आरसी और लाईसेंस जनता को नहीं मिल पा रहे हैं जिससे आम नागरिकों को भारी समस्या हो रही है। इस संदर्भ में जब आरटीओ रानी जैन और डीटीओ प्रवर्तन ललित कुमार गुप्ता से बात की तो उन्होंने स्वीकारा की यह समस्या अलवर की ही नहीं अपितु पूरे राजस्थान की है। एमटेक कंपनी जिसके पास राजस्थान का लाईसेंस और आरसी प्रिंट का ठेका है उसके पास कार्ड बनाने का कच्चा माल व संसाधन उपलब्ध नहीं है जिसके कारण आरसी और लाईसेंस प्रिंट नहीं हो पा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस समस्या के निदान के लिए हमने जयपुर उच्च अधिकारियों को बार-बार लिखा है, लेकिन अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। कुल मिला कर दोनों अधिकारियों ने इस समस्या का निदान करने से अपने हाथ खड़े कर दिये क्योंकि जब इस समस्या का उच्च अधिकारी हल नहीं ढूड पाए वे तो उन्हें सिर्फ अपनी शिकायत ही दर्ज करा सकते है फिलहाल अलवर में वाहन आरसी करीब पांच हजार और इतने ही लाईसेंस लंबित चल रहे हैं।

'विवेकानंद के शिकागो से खेतड़ी लौटने पर 40 मण देसी घी के दिए जलवाए थे'

खेतड़ी, (निसं)। शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में सनातन धर्म का परचम लहराने के बाद भारत लौट कर आए स्वामी विवेकानंद का खेतड़ी में 12 दिसंबर 1897 को खेतड़ी नरेश राजा अजीत सिंह ने भव्य स्वागत किया था तथा 40 मण देसी घी के दिए जलाकर पूरे कस्बे को रोशन किया गया था।

उन्हीं यादों को पिछले 12 वर्षों से लगातार खेतड़ी के रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी आत्मानिष्ठानंद महाराज के सानिध्य में विरासत दिवस समिति व कस्बेवासियों के द्वारा विरासत दिवस मनाया जाता है। इसी को लेकर 12 दिसंबर को आयोजित होने वाले विरासत दिवस की

■ 12 दिसंबर 1897 को खेतड़ी नरेश राजा अजीत सिंह ने भव्य स्वागत किया था

तैयारियां कस्बे में जोर-शोर से चल रही है।

गुरुवार को रामकृष्ण मिशन आश्रम के वॉलिंटियर मुख्य बाजार में व्यापारियों को निमंत्रण देते नजर आए। इस दौरान मोहन सैनी, गौरव खींची ने बताया कि युगांतकारी स्वामी विवेकानंद ने जब शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में "मेरे अमेरिकी भाइयों बहनों" कहकर पूरे सदन को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया था और पूरे विश्व में भारत की संस्कृति व अध्यात्म को ओर ध्यान आकर्षित किया था।

12 दिसंबर 1897 को स्वामी विवेकानंद शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन से खेतड़ी आने, उनका महाराजा अजीत सिंह द्वारा भव्य स्वागत करने की याद को ताजा करने को लेकर खेतड़ी के लोग विरासत दिवस मनाते हैं। हर वर्ष की भांति सुबह स्कूली बच्चे प्रभात फेरी निकालेंगे। दोपहर को राजा अजीत सिंह स्वामी विवेकानंद की सजीव झांकियां निकाली जाएगी तथा पन्ना सागर तालाब पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर मोहित सैनी, विकास कुमावत, कुलदीप खींची, अभिषेक बबेरवाल मौजूद रहे।

त्रिदेवों के अंश भगवान दत्तात्रेय

पौराणिक कथानुसार ब्रह्माजी के मानस पुत्र सप्त ऋषियों में से एक महर्षि अत्रि व प्रजापति कर्दम ऋषि की पुत्री और सांख्यशास्त्र के प्रवर्तक कपिल देव की भगिनी सती अनुसूया के यहां त्रिदेवों के अंश से तीन पुत्र सबसे पहले ऋषि दुर्वासा, फिर चन्द्रदेव उसके बाद दत्तात्रेय ने जन्म लिया।

चूंकि भगवान दत्तात्रेय को शैवपंथी प्रभु शिव का अवतार तो वैष्णव पंथी प्रभु विष्णु का अंशावतार मानते हैं और सती अनुसूया की पति-भक्ति के कारण उनकी सतियों की गणना में सबसे पहले होती है इसलिये कुछ लोगों का यह स्वाभाविक प्रश्न हो जाता है कि फिर ये इनके पुत्र कैसे हुये। इसलिये इस जिज्ञासा के समाधान हेतु उस घटना से आप सभी को अवगत करा रहा हूं जिसके चलते इनका जन्म सती अनुसूया के गर्भ से हुआ। वह घटना इस प्रकार है -

एक बार ब्रह्माणी, विष्णुवक्षा व गौरी में यह जानने की प्रबल इच्छा जागी कि सर्वश्रेष्ठ पतिव्रता कौन है? जब यह निर्णय हो गया कि अत्रि पत्नी अनुसूया इस समय न केवल सर्वश्रेष्ठ पतिव्रता है बल्कि सतियों की गणना में भी वे पहले स्थान पर हैं तब इन तीनों ने अपने -अपने स्वामियों से भूलोक जा कर पतिव्रता अनुसूया की परीक्षा लेने का आग्रह किया। इस आग्रह के परिणामस्वरूप तीनों देव अर्थात ब्रह्मा, विष्णु व महेश ब्राह्मण वेश धारण कर महर्षि अत्रि के आश्रम उस समय पहुंचे जब महर्षि आश्रम के बाहर कहीं गये हुये थे।

सती अनुसूया ने उनका यथोचित सत्कार किया और पधारने वास्ते आभार भी प्रकट किया। तत्पश्चात तीनों ने भिक्षा की मांग तो की, सो तो ठीक, लेकिन एक शर्त भी लगा दी जिसके अनुसार सती को एकदम नग्न हो कर भिक्षा देनी थी अन्यथा वे भिक्षा नहीं लेंगे। इनकी शर्त जान सती धर्मसंकट में उलझ गयीं लेकिन फिर थोडा संभलकर उन्होंने मन्त्र का जाप कर अभिमन्त्रित जल को उन तीनों ब्राह्मण वेश धारण किये त्रिदेवों पर डाल दिया।

गोवर्धन दास बिन्नानी

अभिमन्त्रित जल के छीटों से तीनों तुरन्त प्रभाव में छोटे-छोटे बालक अर्थात शिशु रूप में बदल, सती अनुसूया के गोद में खेलने लगे। इस तरह तीनों को शिशु रूप में पा सती ने तीनों को स्तनपान करा भिक्षा वाली बात पूरी की।

इसी बीच एक तरफ तो महर्षि आश्रम लौटे, जब यह सब नजारा देखा तब अपनी आंखें बन्द कर तप बल से सारी परिस्थिति से अवगत हो गये और दूसरी तरफ जब ये तीनों देव वापस स्वर्ग नहीं लौटे तो माता सरस्वतीजी के साथ-साथ माता लक्ष्मीजी व माता पार्वतीजी चिन्तित हो, तीनों सती अनुसूया के पास पहूंची। उन तीनों ने वहां जब सारी हकीकत देखी तब बिना किसी भी प्रकार के संकोच किये सती से अपने अपने स्वामियों को वापस कर देने का आदरपूर्वक आग्रह किया।

सती अनुसूया व महर्षि अत्रि ने उनका आग्रह स्वीकारते हुये विनम्रतापूर्वक यह आग्रह कर निवेदन कर दिया कि जब इन त्रिदेवों को सती ने स्तनपान कराया है तब इन्हें किसी न किसी रूप में हमारे साथ रहना पडेगा। तत्पश्चात उन त्रिदेवों ने उनके आग्रह को स्वीकारते हुये सती के गर्भ में दुर्वासा, चन्द्रदेव व दत्तात्रेय के रूप में अपने अवतारों को स्थापित कर दिया लेकिन जब सती अनुसूया ने दुर्वासा को जन्म देने के पश्चात चन्द्रदेव को भी जन्म दे दिया लेकिन जब तीसरे शिशु का जन्म न हो पाया और सती को प्रसव पीडा होती रही तब ब्रह्मदेव व शिवजी को सारी बात समझ में आ गयी तब उन लोगों ने फिर अपने-अपने कुछ अंश भेजें जिसके चलते भगवान दत्तात्रेय को गर्भ में ही तीन सिर और छः भुजा में हो गये। इस प्रकार भगवान दत्तात्रेय मार्गशीर्ष की पूर्णिमा को जन्मे। यही कारण है जिसके चलते भगवान दत्तात्रेय ब्रह्मा-विष्णु-महेश के अवतार माने जाते हैं।

भगवान दत्तात्रेयजी की कृपा से गुरु गोरखनाथ जी को आसन, प्राणायाम, योग वगैरह का ज्ञान प्राप्त हुआ। इसी तरह भक्त प्रह्लाद को अनाशक्ति-योग का उपदेश दिया। ऐसा माना जाता है कि इन्होंने परशुरामजी को श्री-विद्या मंत्र प्रदान किया था और शिवपुत्र कार्तिकेय को भी अनेक विद्यायें प्रदान की थीं।

भगवान दत्तात्रेयजी आजन्म ब्रह्मचारी, अवधूत और दिगम्बर रहे थे। इनकी आराधना से बहुत ही जल्दी सफलता प्राप्त हो जाती है।

गोवर्धन दास बिन्नानी
राजा बाबू

भारतीय जैन संघटना का राष्ट्रीय अधिवेशन 17 से

- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राजमंत्री कपिल पाटील, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस, विधान सभा अध्यक्ष सीपी जोशी, करेगें शिरकत
- देश के 100 जिलों के जल संवर्धन के लिए केन्द्र सरकार से होगा एमओयू

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर, झीलों की नगरी उदयपुर में 17-18 दिसंबर को भारतीय जैन संघटना का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होगा। अधिवेशन में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राजमंत्री कपिल पाटील, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस, विधान सभा अध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया सहित देशभर के 100 से अधिक उद्योगपति, शिक्षाविद् एवं ब्यूरोकैट्स शिरकत करेगें।

इनके अलावा उद्योगपति डॉ. अभय फिरोदिया चेयरमेन फोर्स मोटर्स, वल्लभ भंसाली प्रबधंन निदेशक ईनाम सिक्योरिटी, अरूण जैन सीएमडी इंटलेक्ट डिजाईन अरहना लिमिटेड, प्रदीप राठौड़ सेलोवर्ल्ड ग्रुप मुम्बई, डॉ. चेनराज जैन चांसलर जैन युनिवर्सिटी बैंगलोर, विजय दरड़ा चेयरमैन लोकमत मीडिया, अभय श्रीश्रीमाल अध्यक्ष जीतो एपेक्स, अविनाश मिश्रा सलाहकार नीति आयोग, डॉ. अख्तर बादशाह वाशिंगटन विश्वविद्यालय सहित देशभर के 100 से अधिक उद्योगपति, शिक्षाविद् एवं ब्यूरोकैट्स एवं जनप्रतिनिधि इस महाअधिवेशन का हिस्सा बनेंगे। दो दिवसीय आयोजन में देश में शिक्षा के मूल्यों,जल संसाधनों के विकास, देश में पानी जैसी जटिल समस्या का हल एवं जैन समाज एवं साधू साध्वियों की पहल, स्मार्ट गर्ल,नारी शक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

भारतीय जैन संघटना राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने बताया कि यह राष्ट्रीय अधिवेशन बीजेएस के संस्थापक शांतिलाल मुथ्था के निर्देशन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र लुंकड़ के मार्गदर्शन में आयोजित होगा। इसका उद्घाटन 17 दिसंबर को प्रातः 9 बजे शोभागपुरा सौ फीट रोड स्थित ओकेजन गार्डन में किया जाएगा। इसमें देशभर के 4 हजार से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। अधिवेश की सफलता के लिए महेन्द्र तलेसरा को मुख्य संयोजक के रूप में मनोनीत किया गया। उक्त अधिवेशन में दो दिवसीय आयोजनों के अन्तर्गत उद्घाटन एवं समापन सत्र के अलावा मूल्यवर्धन शिक्षाए जल संसाधन विकासए देश में पानी जैसी जटिल समस्याओं का समाधानए जैन साधु.साध्वियों की पहलए स्मार्ट गर्ल्स व नारी शक्तिः भविष्य की आयोजना एवं बीजेएस जर्नी, सामाजिक ज्वलंत मुद्दों जैसे विषयों पर भिन्न-भिन्न सत्रों में चर्चा-परिचर्चा होगी।

संघटना के प्रदेश महामंत्री अभिषेक संचेती ने बताया कि अधिवेशन में आने वाले अतिथियों एवं प्रतिनिधियों के लिए 100 सदस्यों की स्वागत समिति का गठन किया गया है, जो सभी प्रतिनिधियों का राजस्थान की परम्परा अनुसार पलक-पावड़े बिछाकर स्वागत अभिनंदन करेगी।

आयोजन के मुख्य संयोजक महेन्द्र तलेसरा ने संयुक्त रूप से बताया कि अधिवेशन की सफल परिणीति के लिए 15 समितियों का गठन किया गया।

प्रदेशाध्यक्ष फत्तावत ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में भावीपीढ़ी के आचार.विचार व व्यवहार सम्बन्धी मुद्देए मूल्यवर्धन शिक्षा, जल चुनौती एवं जल संसाधन विकास, भारतीय जैन संघटना की यात्रा, स्मार्ट गर्ल्स व नारी शक्ति विषयों पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन भी होगा।

भारत सरकार के 13 राज्यों में 100 जिलों के जल संवर्धन पर होने वाले एमओयू के आधार पर 17 दिसम्बर को सायं 4.30 बजे 100 भिन्न.भिन्न झांकियों के माध्यम से ओकेजन गार्डन से डीपीएस स्कूल मैदान तक विशाल वाटर रैली निकाली जाएगी। जिसका नेतृत्व केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, संघटना के संस्थापक शांतिलाल मुथ्था एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र लूंकड़ करेंगे।

बदलावों की झलक है केन्द्रीय संचार ब्यूरो की प्रदर्शनी

राजसमंद, (नि.सं.)। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से हमारे जीवन और समाज में बड़े पैमाने पर परिवर्तन हो रहे हैं। इनका उपयोग हम अपने विकास के लिए बखूबी कर सकते हैं। प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत और दुनिया में हो रहे परिवर्तनों की एक झलक हम केंद्रीय संचार ब्यूरो की मल्टीमीडिया प्रदर्शनी में देख सकते हैं।

यह उद्गार राजसमंद के अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामचरण शर्मा ने व्यक्त किए। वह केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय-उदयपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित तीन दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी के दूसरे दिन आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले के समय में ज्ञान तक लोगों की पहुँच सीमित मात्रा में थी। छोटी से छोटी जानकारी जुटाने के लिए भी बहुत परिश्रम करना पड़ता था। मगर आज अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से हम कई तरह की जानकारियां कुछ ही क्षणों में हासिल कर सकते हैं। इस प्रदर्शनी में कई प्रकार की अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश्वर सिंह चैहान ने ग्राम विकास से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होने कहा कि जिले मे जिस किसी के शौचालय नही बने है उसके बारे मे अवगत कराये जिससे उन्हे स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय निर्माण हेतु लाभान्वित किया जा सके। कार्यक्रम के तीसरे सत्र में कृषि विभाग के उप निदेशक कैलाश चन्द्र मेघवंशी ने किसानों के विकास के लिए कृषि विभाग के संचालित होने वाली विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय में वृद्धि के लिए कई प्रकार के कदम उठा रही है और उनके सशक्तीकरण का प्रयास किया जा रहा है। भारतीय डाक विभाग के सहायक प्रवर अधीक्षक तिलकेश शर्मा ने सुकन्या समृद्धि योजना, इण्डिया पोस्ट पेमेन्ट, पीएलआई के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि जिले मे सुकन्या समृद्धि योजना के लगभग 33000 पात्र बालिकाओ के खाते खोलकर इस योजना से जोडा गया। महिला अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक रश्मि कोशिश ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओ आर एस सी आई टी, समूह विवाह योजना की अनुदान राषि, महिला सखी केन्द्र के बारे मे जानकारी दी। सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक वीणा मेहर चन्दानी एवं सामाजिक सुरक्षा अधिकारी रणछोड गर्ग पालनहार, अनुप्रीति कोचिंग योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, स्कूटी वितरण योजना, एकल नारी पेंशन योजना की जानकारी दी।

'स्पन्दन' आज

उदयपुर,(नि.सं.)। आलोक संस्थान, आलोक इन्टरेक्ट क्लब, आलोक समाज सेवा प्रकोश्ठ, रोटरी क्लब आफ उदयपुर के सहयोग से शुक्रवार को स्पन्दन कार्यक्रम राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल, बगूर्दा, जयसमंद रोड़ में आयोजित होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अभियान प्रणेता, आलोक संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमावत करेंगे। आलोक स्कूल हिरण मगरी के प्राचार्य शशांक टांक ने बताया कि अभियान प्रणेता डॉ. प्रदीप कुमावत के नेतृत्व में आलोक इन्टरेक्ट क्लब पिछले 25 वर्शों से अलग-अलग स्थानों पर स्पन्दन कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है जिसमें सर्दी में ठिठुरते विद्यालयों में पढ़ने वालें बच्चों, परिवारों को कम्बल, ऊनी वस्त्र वितरण किये जाते है। इस वर्ष राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल, बगूर्दा, जयसमंद रोड़ में आयोजित होगा।

कार्यालय नगर परिषद, राजसमन्द
जिला राजसमन्द

क्रमांकः- नपरा / राजस्व / 2022-23 /625
दिनांकः 6/12/2022

-: आपत्ति सूचना पत्रः-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री हेमन्त दाधीच पिता गोवर्धनलाल दाधीच, नि. व्यास भवन, जाट मोहल्ला कुंवारिया, तहसील कुंवारिया, जिला राजसमन्द ने राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 69-क संशोधित (2021) के अन्तर्गत स्थान नई आबादी कांकरोली, तहसील व जिला राजसमन्द तथा निम्न पड़ौस के मध्य स्थित अपने भूखण्ड/भवन के पट्टे हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसका क्षेत्रफल 2400.00 वर्गफीट है। पूर्व : मोतीलाल का मकान, पश्चिम - के.एल. दाधीच का मकान, उत्तर- रास्ता, दक्षणि- रास्ता

उपरोक्त आवेदित भूखण्ड/भवन के पट्टे जारी करने में यदि किसी हितधारी को कोई आपत्ति हो, तो आपत्ति सूचना प्रकाशित होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। बाद मयाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

आयुक्त
नगर परिषद राजसमन्द

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण , राजस्थान सरकार के पत्र क्रमांकः- F-1(4)/SEIAA/SEAC-RAJ/Sectt/Project/cat.1 (a) B1 (21645) 2022-23 Jaipur Dated 02/12/2022 के द्वारा श्री बंशी लाल कुमावत को निकट ग्राम तालाबो कि भागल, तहसील खमनोर जिला राजसमंद में स्थित खनन पट्टा रेफरेन्स संख्या- 20211000031136 वास्ते खनिज ग्रेनाईट क्षेत्रफल 2.4180 हेक्टेयर के लिये पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति जनसाधारण के लिए उपलब्ध है एवं मण्डल की वेबसाइट http://environmentclearance.nic.in पर देखी जा सकती है।

श्री बंशीलाल कुमावत

भागवत कथा जारी

उदयपुर, (का.स.)। प्रेरणा परिवार और नारायण सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन प्रियांशु महाराज ने कहा कि स्कूल में शिक्षा और कथा में दीक्षा यही प्रेरणा परिवार का मकसद है।

महाराज श्री ने कहा कि किसी को अच्छी और सद प्रेरणा देना दुनिया में सबसे महान काम है। प्रेरणा परिवार के गिरीश भारती श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से गोसेवा, समाज सेवा, शिक्षा सेवा, गरीब सेवा की जो प्रेरणा दे रहे हैं वह बहुत ही पुनीत कार्य है।

ठाकुर जी ने भी कहा है कि उन्होंने खासकर गौ रक्षा के लिए ही अवतार लिया है। दुनिया में सबसे बड़ा कार्य गोसेवा का ही माना गया है।

इस कथा के माध्यम से गौ सेवा और मानव सेवा की ही प्रेरणा मिलती है। दुनिया में अच्छे कर्म करो सच्चे कर्म करो तो उनका फल निश्चित ही अच्छा मिलेगा। श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन गैलेक्सी गार्डन रामपुरा चौराहे के पास दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक हो रहा है।

इस अवसर पर पार्षद अजय पोरवाल ने प्रेरणा परिवार द्वारा विभिन्न सामाजिक धार्मिक एवं गौ सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से बताते हुए कहा कि चाहे कोरोना महामारी हो चाहे गाय में फैली लंपी जैसी महामारी हो दोनों कार्यों में प्रेरणा परिवार को मानव सेवा और गौ सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कोरोना महामारी के दौरान भोजन व्यवस्था प्रारंभ की। घर पर कोई भूखा ना सोए बीमारों को कोई तकलीफ ना हो इसके लिए घर.घर भोजन पहुंचाने की व्यवस्था की। इसी तरह गौ माताओं में फैली लंपी वायरस की महामारी के दौरान भी प्रेरणा परिवार द्वारा आयुर्वेदिक औषधीय लड्डू बनाने का एक रिकॉर्ड कायम किया।

प्रेरणा परिवार के गिरीश भारती ने कहा कि हमने कथा का आयोजन भी बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद की प्रेरणा से ही किया है। मानव सेवा गौ सेवा के साथ ही अब प्रेरणा परिवार धर्म सेवा में भी आगे आने का प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में कोरोना महामारी के बाद पहली बार गैलेक्सी गार्डन रामपुरा चौराहे के पास उदयपुर मैं इतनी बड़ी कथा का आयोजन हो रहा है।

उन्होंने कहा कि अब कथा का सिलसिला थमेगा नहीं ऐसा प्रयास प्रेरणा परिवार का रहेगा और हर साल अलग.अलग स्थानों पर कथा के माध्यम से गौ सेवा और मानव सेवा की प्रेरणा देने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यालय कार्यक्रम एवं विकास अधिकारी पंचायत समिति आमेट (राजसमंद) राज.

क्रमांक पसंआ/मनरेगा / निर्माण सामग्री निविदा/2022-23/316 दिनांक : 06-12-2022

Notice Inviting Bid

Bids for Material supply in gram panchayat Racheti of panchayat samiti amet are invited from interested bidders upto 6: pm 20-12-2022. Others particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state UBN NO. ZRR2223 GLRC 00477

Program officer and Block development Officer
Panchayat Samiti Amet dist- Rajsamand

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

क्रमांक : मोलासुविवि/उपाधि/दीक्षान्त समारोह/2022/3717 दिनांक : 08/12/2022

दीक्षान्त समारोह अधिसूचना

विश्वविद्यालय के 30वां दीक्षान्त समारोह के संबंध में दि. 26.11.2022 को प्रकाशित अधिसूचना के क्रम में समस्त योग्य स्वर्ण पदक धारको एवं पीएच.डी. (Ph.D.) उपाधि धारको को सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय का 30वां दीक्षान्त समारोह **दिनांक 20 दिसम्बर, 2022 (मंगलवार) को 11.30 बजे स्वामी विवेकानन्द सभागार विश्वविद्यालय परिसर** में आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

समारोह से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं आगामी संबंधित समस्त जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mlsu.ac.in पर उपलब्ध होगी।

कुलसचिव

उचनार खुर्द में जाट अध्यक्ष

कपासन, (नि.सं.)। कपासन में ग्राम सेवा सहकारी समिति (जीएसएस) उचनार खुर्द के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन निर्विरोध हुआ। जिसमें अध्यक्ष मिट्ठू लाल जाट और उपाध्यक्ष लेहरूलाल बुनकर निर्वाचित घोषित किए गए।

व्यवस्थापक शंकरलाल जाट ने बताया कि निर्वाचन अधिकारी मनीष धाबाई के निर्देशन में आज गुरुवार को निर्वाचन संपन्न हुआ। सुबह अध्यक्ष पद पर वार्ड पंच मिठूलाल जाट, मुकेश जाट और भगवानलाल जाट ने नामांकन प्रस्तुत किए। मुकेश और भगवान लाल ने अपने नाम वापस ले लिए। उपाध्यक्ष पर उदयलाल गर्ग,लहरुलाल बुनकर और सुला जाट ने नामांकन दाखिल किए। उदयलाल और सुशीला ने अपने नाम वापस ले लिए।

इससे पूर्व सदस्य में अनोखी जाट, सुशीला देवी जाट, कालूराम जाट, रतनलाल जाट, गंगाराम भील, भेरू लाल 1 गाडरी भी निर्विरोध चुने गए थे। सदस्य मुकेश कुमार जाट, उदयलाल गर्ग, भगवानरतन जाट, भगवान छोगा जाट निर्वाचित हुए थे।

युवा पीढ़ी जल संरक्षण के लिए आगे आये : सारंगेदेवोत

उदयपुर, (का.सं.)। पूरे विश्व में सूखे व बाढ की वैश्विक समस्या पर जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) एवं विश्व जन आयोग स्वीडन के संयुक्त तत्वावधान में भारत में पहली बार आयोजित होने वाले विश्व जल सम्मेलन का शुभारंभ गुरूवार को प्रतापनगर स्थित आई टी सभागार मे हुआ।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए मैग्सेसे पुरस्कार विजेता व सूखा एवं बाढ के विश्व जन आयोग , स्वीडन के अध्यक्ष वाटर मैन ऑफ इंडिया डॉ राजेंद्र सिंह ने घटते जल संसाधनों से विश्व शांति को खतरा बताते हुए विकेंद्रीकृत जल संरक्षण व्यवस्था को अपनाने का आ ान किया। डॉ. राजेन्द्र सिंह ने जल संरक्षण एवं संवर्धन करने के लिए नागरिक एवं सरकारी समितियों में समेकन की आवश्यकता पर बल देते हुए इसे भूमंडलीकृत विश्व पर्यावरण के लिए आवश्यक बताया। डॉ. राजेन्द्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा विश्व के प्रत्येक एग्रो इकॉलोजिकल मैक्रो क्लाइमेटिक जोन से एक कमीश्नर नियुक्त किया गया है जो कि बाढ सुखाड से मुक्ति की युक्ति खोजने के वैश्विक प्रयासों को आगे बढाएंगे। इसी क्रम में भारतीय उप महाद्वीप से कुलपति प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत को नियुक्त किया गया है। राजस्थान में थार मरूस्थल व अरावली की पहाडियों का एक दुर्लभ संयोग है। ऐसे में विश्व को बाढ व सूखे से मुक्ति के लिए एक आयोग का निर्माण करने के लिए उदयपुर ही एकमात्र सार्थक स्थान है। वाटरमैन ने राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय), उदयपुर जल संरक्षण , संवर्द्धन के गुरूत्तर कार्य का प्रारंभ की पहल के रूप में विश्व की प्रथम कॉनक्लेव के आयोजन को व्यक्तिगत गौरव का क्षण घोषित किया।

विश्व जन आयोग के कमिश्नर एवं कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि तीन दिवसीय विश्व जल सम्मेलन में छः महाद्वीपों एवं भारत के विविध राज्यों से 150 प्रतिनिधि 'सूखा और बाढ़: विकेंद्रीकृत जल संरक्षण के माध्यम से शमन, अनुकूलन और अंबन्ध्य ' विषयक इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य दुनिया में आ रही बाढ़ और सूखे के कारणों को जान उसका समाधान खोज, कार्य योजना पर मंथन कर रहें हैं। आयोजन सचिव डॉ. युवराज सिंह राठौड ने इस सम्मेलन आयोजन पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए बताया कि भावी पीढी बाढ व सूखे जैसी समस्या के सार्वभौमिक समाधान के लिए वैज्ञानिक, शैक्षिक व सामाजिक प्रयासों की रूपरेखा तय करने के लिए यह आयोजन किया जारहा है। डॉ. युवराज ने जानकारी दी कि विश्व भर के विषय विशेषज्ञ शुक्रवार को चार तकनीकी सत्रों में 16 थीम पर चर्चा करेंगे। उदयपुर एवं निकटवर्ती क्षेत्रों के जल संरक्षण एवं प्रबंधन का अवलोकन कर विकेंद्रीकृत जल संरक्षण संबंधित योजना निर्माण में सामुदायिक एवं परंपरागत सहभागिता का विश्लेषण करेंगे।

'जैन विद्या व प्राकृत विभाग सर्वश्रेष्ठ विभाग होगा'

उदयपुर,(नि.सं.)। जैन विद्या एवं प्राकृत की समसामयिकता विषयक राष्ट्रीय व्याख्यानमाला के अन्तर्गत जैन आचार्यों की समकालीन युगचेतना नामक व्याख्यान गुरूवार को हुआ।

कार्यक्रम को संरक्षण प्रो. आई. वी. त्रिवेदी- कुलपति, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, जमनालाल जैन, अध्यक्ष- दिग. जैन ग्लोबल महासभा एवं प्रो. सी.आर. सुथार- अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय ने प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन, पूर्व विभागाध्यक्ष, जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग, मो.ला.सु.वि. एवं मुख्य आतिथ्य प्रो. नीरज शर्मा, अधिष्ठाता- स्नातकोत्तर अध्ययन, सुविवि ने प्रदान किया।

मुख्य वक्ता प्रो. वीरसागर जैन, आचार्य- जैनदर्शन विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि जैनाचार्य प्रत्येक युग के हमराही रहे हैं। जैन संस्कृति के जीवन्त बने रहने का आधार जैनाचार्यो की समकालीन युगचेतना है। आचार्य मनीषियों ने अपने समय की समस्या के प्रति जागरूक रहते हुए योग्य समाधान प्रस्तुत किये हैं। भाषा एवं शैली का आग्रह न रखते हुए समकालीन संस्कृति के अनुसार साहित्य की रचना करना यह जैनाचार्यों की विशेषता उनके साहित्य में दृष्टिगोचर होती है।

मुख्य अतिथि प्रो. नीरज शर्मा ने कहा कि ज्ञान धारा का प्रवाह विश्वव्यापी रहा है, भारतीय ज्ञानधारा को प्रत्येक संस्कृति ने खुले मन से स्वीकार किया है। प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि विभाग अपनी समृद्ध परम्परा को निरन्तर गतिशील रख रहा है, यह उपक्रम निश्चित ही विभाग की सक्रियता को इंगित करता है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ज्योतिबाबू जैन ने आगन्तुकों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यालय नगरपरिषद राजसमन्द, जिला राजसमन्द

क्रमांक:न.प.रा./भू.रूपा./2022-23/2120 दिनांक: 08.12.2022

आपत्ति सूचना पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खातेदार श्री टीलुराम पुत्र श्री भंवरलाल नि. फरारा, श्री दीपक पुत्र चतरलाल भील नि. जावद, श्री बाबुलाल पुत्र श्री नाना उर्फ कानिया भील नि. जावद, श्री उदयलाल उर्फ मदनलाल पिता श्री चतरलाल गमेती नि. जावद, श्री रतनलाल पुत्र श्री सोहनलाल भील नि. फतेहपुरा राज्यावास द्वारा राजस्व ग्राम जावद आराजी संख्या 910/5 रकबा 0.3662 हैक्टेयर, आराजी संख्या 1087/910 रकबा, 0.0304 हैक्टेयर, आराजी संख्या 911 रकबा 0.2347 हैक्टेयर, आराजी संख्या 912/1 रकबा 0.1255 हैक्टेयर, आराजी संख्या 914/1 रकबा 0.1578 हैक्टेयर भूमि का आवासीय भूमि की जो प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, राजसमन्द के निर्णय दिनांक 3042 दिनांक 16.03.2022 द्वारा 90-क के तहत बिलानाम न.प.रा. दर्ज की स्वीकृति हो चुकी है, जिसमें निम्न आवेदकों द्वारा आवासीय प्रयोजनार्थ नियमन/आवंटन कराने हेतु आवंटन शपथ पत्र के आधार पर आवेदन किया है।

क्र.सं.	नाम आवंटी का	भू.सं.	वर्गमीटर
01	श्री सत्यपाल पिता श्री जोहरीलाल मेघवाल निवासी अहमदाबास किशनगढ़बास तहसील किशनगढ़बास जिला अलवर एवं श्री धर्मेन्द्रसिंह यादव पिता स्व. श्री जगमाल सिंह यादव निवासी भूनगडा अहीर तहसील मुण्डावर जिला अलवर।	06	163.80

अतः इस संबंध में किसी हितकारी को कोई आपत्ति हो तो आपत्ति सूचना जारी तिथि के 7 दिवस में लिखित में मय सबुत दस्तावेज के परिषद में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद मयाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आयुक्त , नगरपरिषद, राजसमन्द

भीम क्षेत्र में 104 एंबुलेंस खटारा, मरीज परेशान

भीम, (नि.सं.)। भीम उपखंड मुख्यालय स्थित 104 एंबुलेंस एकदम खटारा हो चुकी है। बेस एंबुलेंस के सभी 5 टायर पूरी तरह फट कर उधड़ चुके हैं। फटेहाल टायर एवं जर्जर वाहन से एंबुलेंस कर्मियों की तो जान जोखिम में रहती ही है। साथ ही घायलों गंभीर मरीजों की समय पर हायर सेंटर पर पहुंचा कर उनकी जान बचाने की एंबुलेंस सेवा का लाभ मिलना बेमानी साबित हो रहा है।

जानकारी के अनुसार 30,000 किलोमीटर वाहन चलने पर टायर बदले जाने का प्रावधान है, लेकिन उपखंड मुख्यालय स्थित 104 बेस एंबुलेंस के 80000 किमी चलने के बावजूद टायर नहीं बदले जा सके हैं। वर्तमान में आलम यह है कि जिम्मेदारों द्वारा केस लेने के लिए मना भी नहीं किया जा रहा। केस आने पर समीपस्थ ताल टॉडगढ़ बड़ा खेड़ा बरार आदि लोकेशन की एंबुलेंस को फोन ट्रांसफर किए जा रहे हैं। कई बार दूसरी एंबुलेंस के किसी अन्य केस में व्यस्त होने या अधिक दूरी पर होने की स्थिति में तीसरी लोकेशन की एंबुलेंस को कॉल ट्रांसफर की जाती है एवं मरीज को दिलासा देकर 2 घंटे तक बैठा दिया जाता है। तब तक वह असहनीय दर्द से कराहता छटपटाता रहता है एवं परिजनों की चीख चिल्लाहट का शोरगुल मचा रहता है मरीज के परिजनों द्वारा दोबारा तकाजा पूछताछ करने पर अरे एंबुलेंस अभी तक नहीं पहुंची कहकर चौथी लोकेशन की एंबुलेंस को फोन करने का ढंग नाटक किया जाता हैं। ऐसे में घटनास्थल पर एंबुलेंस पहुंचने में कम से कम 2 से 3 घंटे तक का समय लग जाता है। तब तक मरीजों व परिजनों की हालत काटो तो खून नहीं जैसी हो जाती है। दुर्घटना के घायल एवं गंभीर मरीज परेशान होकर मुंह मांगे दामों पर प्राइवेट एंबुलेंस एवं निजी वाहन की सहायता से हायर सेंटर पर पहुंचने को मजबूर हो रहे हैं तथा यह स्थिति 2 माह से निरंतर जस की तस है।

रोहित ज्वाला प्रोग्राम मैनेजर अजमेर, भीलवाड़ा राजसमंद का कहना है कि 1 दिन पूर्व 104 एंबुलेंस ऑफ रोड हुई है। जयपुर से गुरुवार को 5 टायर आने की संभावना है।

दंपत्ति झगड़े, पुत्र की मौत

उदयपुर,(का.सं.)। आपसी विवाद में गोदी से निचे गिरने पर दुधमुहे बच्चे की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात में गोगुन्दा थानाक्षैत्र शिवडिया गांव निवासी मांगीलाल व उसकी पत्नी सोहनीबाई के बीच किसी बात को लेकर कहासूनी हो गई। इस दौरान सोहनी के हाथ से तीन वर्षीय दुधमुहे पुत्र कमलेश निचे गिर पडा। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे दिन इसकी सूचना मिलने पर गोगुन्दा थानाधिकारी योगेन्द्रव्यास, प्रशिक्षु एसआई देवीलाल मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर बच्चे को कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। इस मामले में सोहनी ने पति मांगीलाल के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है। रात में मजदूरी से लौटने के बाद सोहनी से मांगीलाल की कहासुनी हो गई थी।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपालिका, नाथद्वारा

क्रमांक./न.पा.नाथ/भूमि/90क/22/18319 दिनांक: 7.12.22

-: आपत्ती-सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खातेदार श्री भंवरलाल भील पिता श्री मांगीलाल भील निवासी डिगेंला, तहसील नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.) द्वारा राजस्व ग्राम मोडवा के आराजी नं. 494/299 कुल रकबा 0.1265 हैक्टर भूमि जो प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपालिका नाथद्वारा के आदेश क्रमांक प्रा.अ./न.पा.नाथ./भूमि.रूपा/90ए/22/14782-14785 दिनांक 05.08.2022 द्वारा धारा 90क के तहत बिलानाम किस्म आवासीय प्रयोजनार्थ नगरपालिका नाथद्वारा की स्वीकृति होकर राजस्व रेकार्ड में नगरपालिका नाथद्वारा के नाम दर्ज हो चुकी है, उक्त भूमि में से कुल क्षेत्रफल 1096 वर्गमीटर भूमि का भूखण्ड खातेदारी रेकार्ड/रजिस्ट्री/खातेदार द्वारा निम्नांकित व्यक्ति के नाम जरिये आवंटन-पत्र से कब्जा देकर आवासीय प्रयोजनार्थ नियमन/आवंटन का पट्टा प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है :-

क्र.सं.	प्रोविजनल पट्टाधारी का नाम	भु.सं.	क्षेत्रफल
1.	श्री भूपेश भाटीया पिता श्री बालुमुकन्द जी जाति भाटीया निवासी मातोश्री केम्पस गोविन्द नगर बिच्छु मंगरी, नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द	01	1096 वर्गमीटर

अतः इस संबंध में किसी हितकारी को आपत्ती हो तो नोटिस जारी तिथि के सात दिवस में लिखित में मय सबूत दस्तावेज पालिका में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद मियाद कोई आपत्ती मान्य नहीं होगी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त , नगर पालिका, नाथद्वारा

रेल परियोजना में देरी के लिए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करें : के.के.गुप्ता

डूंगरपुर, (नि.सं.)। नगर परिषद डूंगरपुर के पूर्व सभापति तथा चेंबर ऑफ कॉमर्स डूंगरपुर के अध्यक्ष केके गुप्ता ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी कर अवगत कराया है कि बहुप्रतीक्षित उदयपुर अहमदाबाद रेल आमान परिवर्तन के बाद गत 31 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा अहमदाबाद के असारवा स्टेशन से असारवा डूंगरपुर उदयपुर रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था इसके साथ ही अन्य रेल गाड़ियां भी इस रूट पर चलाने के लिए मंजूर की गई थी लेकिन अभी तक रेलगाड़ियां इस रूट पर प्रारंभ नहीं हुई है और एकमात्र इंटरसिटी रेल के भरोसे ही दक्षिणी राजस्थान के लोग यात्रा कर रहे हैं।

चेंबर अध्यक्ष गुप्ता ने बताया कि रेलवे बोर्ड द्वारा स्वीकृत रेलगाड़ियों के संचालन को लेकर अभी तक किसी भी प्रकार की हलचल शुरू नहीं हुई है। जिसके चलते आमजन सहित व्यापारी वर्ग में भी आक्रोश व्याप्त है। रेल के उद्घाटन के दिन प्रत्येक स्टेशन पर धूमधाम से तैयारियां की गई थी और बड़ी संख्या में लोगों ने भी इसमें अपनी भागीदारी निभाई थी और अपने क्षेत्र में ब्रॉडगेज रेल आने पर दिल खोलकर इसका स्वागत किया था। रेलवे बोर्ड ने आमान परिवर्तित कर इस मार्ग पर जयपुर असर्वा एक्सप्रेस तथा 2 जोड़ी उदयपुर असर्वा इंटरसिटी एक्सप्रेस स्वीकृत की थी जिसमें से एक इंटरसिटी का वर्तमान में नियमित रुप से संचालन हो रहा है वहीं असारवा से डूंगरपुर तक आ रही डेमू पैसेंजर का उदयपुर तक का विस्तार भी रेलवे बोर्ड द्वारा स्वीकृत किया गया है लेकिन इसके संचालन को लेकर विभाग उदासीन बना हुआ है।

चेंबर अध्यक्ष गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में इस क्षेत्र में संचालित असर्वा डूंगरपुर अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस रेल को अत्यधिक यात्री भार मिल रहा है। प्रतिदिन संचालित इस रेल के लगभग सभी स्टेशन पर समुचित संख्या में टिकट बुक हो रहे हैं और यहां के वाशिंदे सरल व सुगम रेल परिवहन का लाभ उठा रहे हैं। वही इस क्षेत्र के निवासियों को इस बात का भी बहुत मलाल है कि रेल बोर्ड द्वारा स्वीकृत की गई रेलगाड़ियां अभी तक नहीं चलाई जा रही हैं तथा यह कहीं ना कही अपना निजी हित देखने वाले संगठनों का दबाव भी कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि यहां सिर्फ एक ही इंटरसिटी रेल सुचारू रखी जाए।

उन्होंने बताया कि कई वर्षों तक लंबित पड़ी आमान परिवर्तन की इस परियोजना को पूर्ण कराने के लिए डूंगरपुर जिले के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन चेंबर ऑफ कॉमर्स के बैनर तले रेलवे विभाग को जगाने के प्रयास किए गए थे। जिसके तहत चेंबर के पोस्ट कार्ड अभियान सबसे प्रमुख अभियान रहा। जिसके अंतर्गत देश के प्रधानमंत्री और रेलमंत्री को लाखों की संख्या में पोस्टकार्ड लिखकर अपनी वेदना प्रकट करते हुए इस क्षेत्र में जल्द से जल्द रेल शुरू करने की मांग रखी गई थी। इसके पश्चात असर्वा हिम्मतनगर डूंगरपुर तक रेल शुरू हुई। जो बाद में हिम्मतनगर और डूंगरपुर के बीच ही चलने लगी। इसको लेकर भी सबसे पहले चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा उचित स्तर पर विरोध दर्ज कराया गया। इसके पश्चात पुनः तयशुदा रूट असर्वा हिम्मतनगर डूंगरपुर और इससे आगे उदयपुर तक इंटरसिटी चलने लगी।

चेंबर अध्यक्ष गुप्ता ने कड़े शब्दों में कहा है कि रेलवे बोर्ड द्वारा तयशुदा रेलगाड़ियों को उनके रूट पर संचालित कर आमजन को राहत नहीं पहुंचाई गई तो चेंबर द्वारा सड़क पर उतर कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जिसमें चेंबर का प्रत्येक पदाधिकारी और व्यापारी सदस्य पूरे उत्साह के साथ गांव गांव ढाणी ढाणी तक इस आंदोलन की बात पहुंचाएगा और अपने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में भागीदारी निभाएगा। वही रेल विकास विभाग द्वारा भी ऐसे रूट का चयन कर प्राथमिकता के साथ कार्य कराए जाते हैं जहां पर यात्री भार अत्यधिक मिले। लेकिन इस मामले में रेल विकास विभाग की उदासीनता रही कि दक्षिणी राजस्थान में इस रूट पर अत्यधिक यात्री भार मिलने और इससे करोड़ों रुपए राजस्व प्राप्तियों की अपार संभावनाएं होते हुए भी यहां आमान परिवर्तन का कार्य मंथर गति से चलता रहा। यह भी एक गंभीर जांच का विषय है। परियोजना की पूर्ति होने में जैसे जैसे देरी होती रही वैसे वैसे इसकी लागत राशि भी बढ़ती रही। जिससे सरकारी खजाने को भी नुकसान हुआ। इसके साथ ही यहां रेल सुविधा नहीं होने से आमजन और व्यापारी वर्ग ने भी कठिनाइयों का सामना किया। आमजन आवागमन के अन्य साधनों का उपयोग करने के लिए मजबूर रहा और कई भीषण दुर्घटनाओं का भी सामना किया जिससे जान-माल की हानिया भी हुई। इसके सहित व्यापारी वर्ग भी माल ढुलाई के सबसे सस्ते साधन मालगाड़ी सुविधा से कई वर्षों तक वंचित रहा। दक्षिणी राजस्थान के प्रमुख पर्यटन शहर उदयपुर सहित देश के सबसे स्वच्छ शहर डूंगरपुर में जिस बड़ी संख्या में पर्यटक आने चाहिए थे और पर्यटक आने से व्यापारिक गतिविधियों में भी वृद्धि होती है। लाभ से क्षेत्र वंचित रहा।

इसके सहित यदि आवश्यकता रही तो चेंबर ऑफ कॉमर्स न्यायालय का दरवाजा खटखटायेगा और सक्षम न्यायालय स्तर पर जनहित में याचिका दायर कर रेलवे बोर्ड और रेल विकास विभाग से यह जवाब तलब कराया जाएगा कि स्वीकृत रेलों को इन रूट पर नहीं चला कर दक्षिणी राजस्थान को विकास के दृष्टिकोण से क्यों वंचित रखा जा रहा है?

शिरीष कुमार का उदयपुर में प्रवास

उदयपुर, (का.सं.)। संस्कृत भाषा का प्रचार एवं संवर्धन करने के लिए 'संस्कृत भारती' यह संस्था भारतवर्ष में एवं पूरे विश्व में कार्य करती है। जनवरी माह में अखिल भारतीय महाविद्यालय छात्र सम्मेलन नागपुर में करने जा रहे है। इस उद्देश्य से संस्कृत भारती के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख शिरीष कुमार का उदयपुर में प्रवास हुआ। जिसके अंतर्गत उदयपुर से. 4 स्थित विश्व संवाद केंद्र पर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृत भारती उदयपुर विभाग एवं प्रचार गण के सदस्य के साथ विचार विमर्श किया।

संस्कृत भाषा केवल अर्थ उपार्जन अथवा कक्षा अध्ययन तक ही सीमित ना रहे बल्कि आमजन के व्यवहार में उतरे जिसका विस्तार अत्यंत आवश्यक है। संस्कृत भाषा है जिसमें परस्पर व्यवहार में संभाषण हो, लोग आपस में बोलें, इस दृष्टि से तरह तरह के उपक्रम संस्कृतभारती द्वारा चलाये जाते है,जिसमे 10 दिवसीय संभाषण शिविर, आवासीय संभाषण शिविर, प्रबोधन वर्ग, प्रशिक्षण वर्ग, संस्कृत बाल केंद्र, गीता शिक्षण केंद्र आदि।

हाल ही अभी पानीपत के पास समालखा क्षेत्र में अखिल भारतीय महिला सम्मेलन किया। इसमें 2900 महिलाओ ने भाग लिया।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपालिका, नाथद्वारा

क्रमांक/न.पा.नाथ/भूमि/90क/22/18317 दिनांक: 7.12.22

-: आपत्ती-सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खातेदार श्री कमलेश दया पिता श्री मनोहरलाल लाल दया निवासी नाडाखाडा, तह. गिर्वा जिला-उदयपुर एवं श्री भूपेश भाटीया पिता श्री बालमुकुन्द जी भाटिया व श्री सुरेश आसवानी पिता श्री वासुदेव आसवानी निवासी नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.) द्वारा राजस्व ग्राम नाथद्वारा के आराजी न. 2237,4201/2239, 4203/2239, 4205/2238 कुल किता-04 कुल रकबा 0.9275 हैक्टर भूमि जो प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपालिका नाथद्वारा के आदेश क्रमांक प्रा.अ./न.पा.नाथ./भूमि. रूपा/90ए/22/14779-14781 दिनांक 05.08.2022 द्वारा धारा 90 क के तहत बिलानाम किस्म आवासीय प्रयोजनार्थ नगरपालिका नाथद्वारा की स्वीकृति होकर राजस्व रेकार्ड में नगरपालिका नाथद्वारा के नाम दर्ज हो चुकी है, उक्त भूमि क्षैत्रफल 0.9275 हैक्टेयर में से अनुमोदित योजना अनुसार पृथक-पृथक भूमि के भूखण्ड खातेदारी रेकार्ड/रजिस्ट्री/खातेदार द्वारा निम्नांकित व्यक्तियों के नाम जरिये आवंटन-पत्र से कब्जा देकर आवासीय प्रयोजनार्थ नियमन/आवंटन का पट्टा प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है :-

क्र.सं.	प्रोविजनल पट्टाधारी का नाम	भु.सं.	क्षैत्रफल
1.	श्री तरंग ठाकर पिता श्री इन्द्र वादन जी जाति ठाकर निवासी मोती महल, नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	27	119.41 वर्गमीटर
2.	श्री तरंग ठाकर पिता श्री इन्द्र वादन जी जाति ठाकर निवासी मोती महल, नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	26	117.47 वर्गमीटर
3.	श्री विनोद कुमार टेलर पिता श्री कैलाशचन्द्र जी टेलर निवासी श्रीनाथ कॉलोनी ए, बस स्टेशन के पास, नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	21	131.15 वर्गमीटर
4.	श्री दीपक पालीवाल पिता श्री कालुलाल जी पालीवाल निवासी बायला लोधाघाटी, नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	31	118.68 वर्गमीटर
5.	श्री दीपक पालीवाल पिता श्री कालुलाल जी पालीवाल निवासी बायला लोधाघाटी, नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	30	117.39 वर्गमीटर

अतः इस संबंध में किसी हितकारी को आपत्ती हो तो नोटिस जारी तिथि के सात दिवस में लिखित में मय सबूत दस्तावेज पालिका में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद मियाद कोई आपत्ती मान्य नहीं होगी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त , नगर पालिका, नाथद्वारा

गैस सिलेण्डर में रिसाव से विस्फोट, दो की मौत, 52 झुलसे

शादी वाले घर में गैस फैली और दो सिलेण्डरों में ब्लास्ट हो गया

जोधपुर, (कासं)। जिले के निकटवर्ती शेरगढ़ तहसील के भूंगरा गांव में गुरूवार की दोपहर में शादी वाले घर में गैस सिलेण्डर रिसाव के साथ आग लग गई। देखते ही देखते गैस फैली और गैस सिलेण्डर ब्लास्ट हो गया। दो सिलेण्डर ब्लास्ट हुए है। आग से शाम तक 52 लोगों से झुलसने की खबर मिली है। इसमें महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है। सभी के जोधपुर के एमजीएच में रैफर किया है। सामान्य रूप से झुलसे लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। इधर घटना की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता, शेरगढ़ एसडीएम सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचने के साथ एमजीएच पहुंचे। जन प्रतिनिधियों ने हादसे पर दुख जताया है। हादसे में दूल्हा भी झुलसा है।

बालसेर वृताधिकारी राजूराम ने बताया कि शेरगढ़ तहसील के भूंगरा गांव में सगतसिंह पुत्र पूंजराज सिंह के पुत्र सुरेंद्र सिंह की आज शादी होनी है। बारात रवाना होने से पहले घर में खाना बनाने का काम चल रहा था और साथ ही महिलाओं और बच्चों द्वारा टेंट के पास में खाना खाया जा रहा था। कंदोई के पास में टेंट में रखे सिलेण्डर में गैस रिसाव के बाद आग लग गई। जब तक उसे बुझाया जाता तब तक वह बेकाबू हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पास में रखा एक अन्य सिलेण्डर भी आग की चपेट में आकर सुलगने लगा। देखते ही देखते सिलेण्डरों में विस्फोट हो गया। वृताधिकारी राजूराम के अनुसार प्रथम दृष्टया दो गैस सिलेण्डरों में विस्फोट होना सामने आ रहा है। शादी समारोह में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा थी। तकरीबन 52 लोग आग की चपेट में आकर झुलसे हैं। सभी को पहले सेतरावा और शेरगढ़ चिकित्सालय भेजा गया। जहां से जोधपुर रैफर किया गया है। एमजीएच में उनका उपचार किया जा रहा है । शहर विधायक मनीषा पंवार, शेरगढ़ की विधायक मीना कंवर भी एमजीएच पहुंचे है।

- घायलों में महिलाएं एवं बच्चों की संख्या ज्यादा
- सभी को जोधपर रैफर किया, दूल्हा भी झुलसा

जिला कलैक्टर हिमांशु गुप्ता ने बताया कि इस दुर्घटना में कुल 54 जने आगजनी में झुलसे हैं। जिनमें से 2 बच्चों की मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना में घायल 52 जनों में 16 पुरुष, 27 महिलाएं तथा 9 बच्चे शामिल हैं। सभी घायलों का जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में ईलाज चल रहा है। दुर्घटना के तत्काल बाद इन सभी को शेरगढ़ के अस्पताल में लाया गया जहां से आवश्यक प्राथमिक उपचार के बाद तत्काल जोधपुर के लिए रेफर किया।

भारत जोड़ो यात्रा में दिखी मिनी भारत की तस्वीर

एलन स्टूडेंट के बीच पहुंचे राहुल, हर प्रांत के विद्यार्थियों ने किया स्वागत

कोटा, (निसं)। जगपुरा व अनन्तपुरा से यात्रा शुरू करने के बाद कुछ ही देर में करीब साढ़े सात बजे राहुल गांधी एलन साकार कैम्पस के बाद झालावाड़ रोड़ पर एकत्रित एलन स्टूडेंट्स के बीच पहुंचे। यहां एलन द्वारा हर प्रांत के विद्यार्थियों को एकत्रित किया गया था। उनके हाथों में अपने-अपने राज्यों की तख्तियां थी। करीब पांच हजार विद्यार्थी सुबह 6 बजे से यहां खड़े हुए थे। राहुल की नजर जैसे ही विद्यार्थियों पर पड़ी, उन्होंने तुरंत स्टूडेंट्स के बीच जाने का इशारा किया और काफिला मुड़ गया। सड़क किनारे जमा स्टूडेंट्स के बीच एकदम मंच पर पहुंचने के बाद विद्यार्थियों ने जोरदार स्वागत किया।

मंच पर एलन के निदेशक नवीन माहेश्वरी ने राहुल गांधी को माइक थमाया। राहुल ने विद्यार्थियों से भारत जोड़ो के नारे लगवाए। उन्होंने सबसे पहले विद्यार्थियों को भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने पर धन्यवाद दिया और

- स्टूडेंट को राहुल ने आई लव यू बोल फ्लाईंग किस किया

कहा कि आप सभी इस देश का भविष्य हो, आपके हाथ में यह देश है।

हम सभी को आप पर गर्व है। आई... लव यू..... यह कहते हुए उन्होंने फ्लाइंग किस विद्यार्थियों को किया। जवाब में विद्यार्थियों ने भी जोरदार उत्साह दिखाया और राहुल को धन्यवाद दिया। इस दौरान मंच पर एलन के सीनियर वाइस प्रसीडेंट सीआर चौधरी, कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल भी मौजूद रहे। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के गुरुकृपा प्रोडक्शंस द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत तैयार की गई फिल्म वीरांगना के गीत 'तू बढ़ता चल.....' को भारत जोड़ो यात्रा के अधिकृत गीतों में शामिल किया गया है। भारत जोड़ो के अधिकृत पोर्टल पर कई वीडियो इस गीत के साथ जारी किए गए थे।

कोटा कचोरी खिलाकर भारत जोड़ो पदयात्रियों का स्वागत

कोटा, (निसं)। राहुल गांधी की यात्रा गुरूवार को अनंतपुरा से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया, कांग्रेस ओबीसी मोर्चा द्वारा भी विज्ञान नगर फ्लाईओवर के नीचे महिला कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत किया गया। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के निर्देश पर व कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष रविन्द्र त्यागी के मार्गदर्शन में भारत जोड़ो यात्रा के साथ चल रहे यात्रियों का कोटा की कचोरी खिलाकर अतिथि सत्कार किया गया।

जिलाध्यक्ष विनोद पारेता ने बताया कि राहुल गांधी कोटा आए ये हम सभी का सौभाग्य है । कोटा में उनका स्वागत किया पुष्पवर्षा कर किया गया, इसके साथ ही लोक कलाकारों द्वारा अपने गीतों के माध्यम से भी राहुल गांधी का अभिवादन किया गया, साथ ही कच्ची घोड़ी नृत्य, कालबेलिया नृत्य व सेहरिया लोक कला की प्रस्तुति दी गई। पारेता ने बताया कि इस दौरान एक हजार कचोरियों का वितरण किया गया।

मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनोद पारेता ने बताया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के तहत महिलाओं ने हाथों में महंगाई, महंगा गैस सिलेंडर की तख्तियां थी साथ ही वह पुरजोर तरीके से नारेबाजी कर केन्द्र की सरकार को उखाड़ फैंकने का आव्हान कर रही थी।

ठेहट की हत्या की पोस्ट करने वाले तीन पकड़े

बीकानेर, (कासं)। सीकर में राजू ठेहट की हत्या के षड़यंत्र में शामिल श्रीडूंगरगढ़ के दो और बीकानेर के एक आरोपी को सीकर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में श्रीडूंगरगढ़ बिग्गा के गणेश ओझा और राकेश ओझा है। वहीं बीकानेर रीको औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले शकील खान पुत्र शमशुदीन शेख को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि श्रीडूंगरगढ़ से गिरफ्तार दोनों आरोपी रोहित गोदारा की फेसबुक आईडी को मैनेज कर रहे थे। बीकानेर से गिरफ्तार शकील खान ने हरियाणा के शूटर जतिन मेघवाल को 40 हजार रुपए ई-मित्र केंद्र से भेजने में मदद की थी।

बीकानेर में भी संदिग्धों से पूछताछ सीकर पुलिस के साथ-साथ बीकानेर पुलिस भी रोहित गोदारा के नजदीकी गुर्गों से पूछताछ कर रही है। पिछले चार दिनों में 80 संदिग्ध लोगों से की गई पूछताछ में पांच युवकों पर पुलिस की नजरें टिकी हुई हैं । जिनकी भूमिका संदिग्ध प्रतीत हो रही है। सीकर में राजू ठेहट की हत्या करने के लिए हरियाणा के शूटर को बीकानेर से आर्थिक मदद एक बार नहीं, बल्कि कई बार की गई है। इसके पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद बीकानेर पुलिस अब उन सभी की तलाश में जुट गई है, जिन्होंने हत्यारों को बीकानेर से रुपए भेजे थे। बुधवार को बीकानेर पुलिस को इस बात की सूचना मिली कि हत्यारों को एक बार नहीं, बल्कि कई बार रुपए बीकानेर से भेजे गए हैं। सीकर और बीकानेर पुलिस अब उन आरोपियों की खोजबीन करने में जुटी है, जिन्होंने बीकानेर से हत्यारों को आर्थिक मदद भेजी थी।

मतगणना स्थल पर मिली बीयर की खाली बोतल

चूरू, (कासं)। सरदारशहर विधानसभा उप चुनाव अंतर्गत पड़े मतों के गणना स्थल राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद शराब आदि पहुंच गई। मजे की बात तो यह है कि आज यहां सूखा दिवस था। यहां भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं मानदंडों की अवहेलना की गई।

ऐसे में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। यहां रात्रि के समय किसी ने बीयर आदि पीकर खाली बोतल गणना स्थल पर ही कोने में डाल दी। इस घटना से यहां संबंधित अधिकारियों की सतर्कता की पोल खुलकर सामने आ गई है। इतनी सुरक्षा व्यवस्था एवं सूखा दिवस होने के बाद भी मतगणना शुरू होने से पहले ही बीयर का वहां पहुंच जाना बड़े ही आश्चर्य की बात है।

467 बीघा चरागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया

मालपुरा, (निसं)। राघव प्रताप सिंह बनाम सरकार द्वारा उच्च न्यायालय में दायर याचिका पर न्यायालय द्वारा जारी आदेशों की पालना में बीते 5 दिन में सिंधोलिया व रूपाहेली में उपखण्ड व राजस्व प्रशासन ने 467 बीघा चरागाह को अतिक्रमण मुक्त कराया।

तहसीलदार सहदेव मंडा ने बताया कि, न्यायालय के आदेशों की पालना एवं एसडीएम रामकुमार वर्मा के निर्देशों पर 5 गिरदावर व 1 दर्जन पटवारियों की संयुक्त टीम बना लाम्बाहरिसिंह थाना व आरएससी जवानों के जाप्ते की मौजूदगी में सिंधोलिया में 4 दिन तक लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करते हुए जेसीबी मशीनों की सहायता से 275 बीघा चरागाह से अस्थाई अतिक्रमण व चरागाह पर बोई गई फसल को नष्ट कर चरागाह को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

गुरूवार को रूपाहेली चरागाह में जेसीबी मशीनों की सहायता से 192 बीघा चरागाह से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू की गई। एसडीएम व तहसीलदार की मौजूदगी में एक अतिक्रमी रामरतन गुर्जर निवासी रूपाहेली द्वारा जेसीबी रूकवा राजकार्य में बाधा डालने पर लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। अतिक्रमी को गिरफ्तार किये जाने की कार्यवाही के दौरान अतिक्रमी की मां अचेत हो गई। प्रशासन के भारी जमावडे व बुल्डोजरों के आगे दर्जनों अतिक्रमियों ने स्वयं ही अपने अतिक्रमण हटाने शुरू कर दिये।

एसडीएम रामकुमार वर्मा ने बताया कि, पहले चरण में अस्थाई

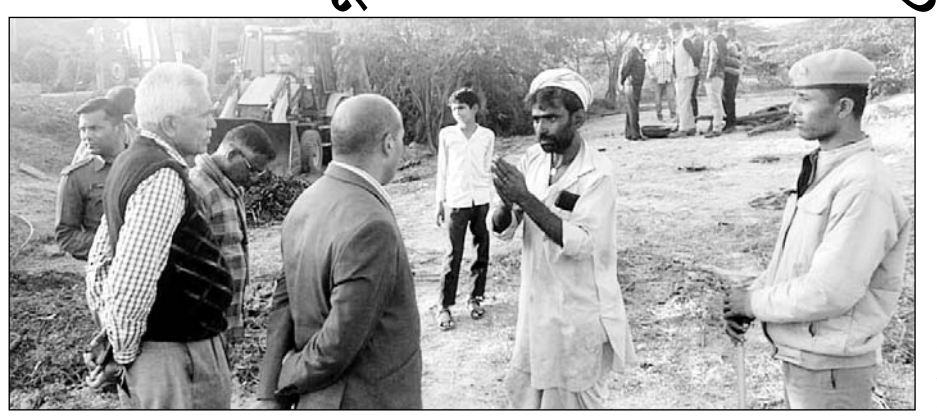

एसडीएम रामकुमार वर्मा व तहसीलदार सहदेव मंडा सहित पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया।

- अतिक्रमी रामरतन रूपाहेली द्वारा राजकार्य में बाधा डालने पर पुलिस ने गिरफ्तार किया

अतिक्रमण व बोई गई फसल हटाने की कार्यवाही कर पक्के मकानों को चिन्हित किया गया है। जिन्हें नोटिस जारी कर अन्य स्थान पर आवास की व्यवस्था कर दूसरे चरण में पक्के अतिक्रमणों को ध्वस्त किया जायेगा। जिनकी सूची गिरदावर पटवारी द्वारा तैयार की जा रही है। न्यायालय के आदेशों पर रूपाहेली व सिंधोलिया के चरागाह मुक्त हो जाने के बाद चान्दसेन पंचायत में अतिक्रमण हटाये जायेंगे।

उत्कर्ष टीचिंग टैलेंट हंट शो के विजेताओं का स्वागत

जोधपुर, (का.सं.)। विद्यार्थियों के भाग्य निर्माता शिक्षक को भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मिले इस विचार को लेकर उत्कर्ष के संस्थापक व निर्देशक डॉ निर्मल गहलोत ने 10 प्रकार की केटेगरी में प्रतिभावान व ऊर्जावान शिक्षकों को पहचान दिलाने के लिए जुलाई 2022 में एक नए नवाचार रूप में उत्कर्ष टीचिंग टैलेंट हंट के साथ शुरुआत की थी।

जिसमें हजारों हुनरमंद शिक्षकों ने ऑनलाइन फॉर्म के माध्यम से अपने आवेदन हम तक पहुंचाएं और उन्हीं में से विभिन्न चरणों में से गुजरने के बाद 10 विषयों के 5-5 शिक्षकों का चयन किया गया। जिन्होंने प्रत्येक रविवार को "उत्कर्ष क्लासेस जोधपुर के यूट्यूब चैनल" पर आप सभी के समक्ष लाइव पढ़ाया। उन्हीं 5 शिक्षकों में से लाइव वोटिंग व जूरी मेंबर्स की वोटिंग को मिलाकर अंतिम 11 विजेताओं का चयन किया गया।

इन्हीं 11 विजेताओं का दिनांक 7 दिसंबर, 2022 को उत्कर्ष के जोधपुर स्थित कॉरपोरेट ऑफिस के 13 कैफ़े में भव्य सम्मान समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम रखा गया। जिसमें उन 11 विजेताओं रविंद्र (करेंट अफेयर्स) श्रवण (इकोनॉमिक्स)मुकेश (साइंस) राघवेंद्र (हिस्ट्री) बलराम (जियोठाफी) शंकर (साइंस)संगीता (हिंदी) सुरेंद्र (रिजनिंग) शेखर (इंग्लिश) केके कृष्णा (मैथ) एंड किंजल को मोमेंटो व 51000 रुपये की प्रोत्साहन राशि भेंट की गई थी।

डॉ गहलोत ने बताया कि इन सभी प्रतिभाओं ने अपने हुनर का लोहा पूरे हिंदुस्तान के सामने मनाया है और अब यह सभी अपने - अपने क्षेत्र में और भी बेहतर से बेहतरीन कर सकेंगे। साथ ही, उत्कर्ष ऐसी प्रतिभाओं को आगे भी एक उचित मंच प्रदान करने के लिए इस दिशा में कार्य करेगा। इस अवसर पर भारत में करेंट अफेयर्स सबसे लोकप्रिय एजुकेटर कुमार गौरव सर व रिजनिंग के विषय विशेषज्ञ एवं विद्यार्थियों में लोकप्रिय अक्षय गौड़ सर सहित सभी सदस्य भी मौजूद रहे।

टीचिंग टैलेंट हंट शो के विजेताओं के साथ निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत भी नजर आए।

वाहन की टक्कर से पैंथर की मौत

भीलवाड़ा, (निस)। जिले के मांडलगढ़ क्षेत्र से गुजर रहे नेशनल हाइवे 27 पर मेनाल वन रेंज के वॉच टावर के नजदीक बीती रात वाहन की टक्कर से मादा पैंथर की मौत हो गई। वन विभाग ने पैंथर का शव पोस्टमार्टम के बाद दाह-संस्कार करवा दिया। मांडलगढ़ के क्षेत्रीय वन अधिकारी दशरथ सिंह राठौड़ ने बताया कि मांडलगढ़ वन रेंज सर्किल के मेनाल क्षैत्र में वॉच टॉवर के नजदीक एनएच-27 पर बीती रात करीब 10 बजे वाहन की टक्कर से पैंथर की मौत हो गई। इसकी सूचना अनजान व्यक्ति से वन विभाग को दी। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जहां पैंथर का शव मिला। पैंथर किसी वाहन की चपेट में आ गया था। इस पैंथर की लम्बाई पूंछ सहित करीब 6 फीट और उम्र करीब दो से तीन वर्ष के बीच की थी। मादा पैंथर का शव अंबा की बावड़ी नर्सरी ले जाया गया, जहां उसका पोस्टमार्टम करवाया गया। इसके बाद क्षेत्रीय वन अधिकारी दशरथ सिंह की मौजूदगी में पैंथर का दाह-संस्कार किया गया।

भारत जोड़ो यात्रा का निमंत्रण देने पहुंचे जितेंद्र सिंह व टीकाराम जूली

किशनगढ़बास, (निसं)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, मंत्री टीकाराम जूली सहित कांग्रेस नेता निमंत्रण देने विधायक दीपचंद खेरिया के यहां पहुंचे और उपस्थित कार्यकर्ताओं को 19 दिसंबर को

- कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों को लेकर यात्रा में शामिल होने का किया आव्हान

अलवर जिले के मालाखेड़ा में पहुंच रही राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पहुंचने का निमंत्रण दिया।

विधायक दीपचंद खेरिया के किशनगढ़ बास कार्यालय पर पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली, जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा, कृष्ण मुरारी गंगावत, जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर का किशनगढ़ बास प्रधान बीपी सुमन, कोटकासिम प्रधान विनोद कुमारी सहित सरपंच, एमपीएस, जिला परिषद सदस्य, पार्षद एवं कार्यकर्ताओं ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

दोनो नेताओं ने कहा कि आपसी मतभेदों को भुलाकर अधिक से अधिक लोगों को लेकर पहुंचे। विधायक दीपचंद खैरिया ने कार्यकर्ताओं को निमंत्रण देने के लिए आए पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह मंत्री टीकाराम जूली को कार्यकर्ताओं की ओर से भरोसा देते हुए कहा किशनगढ़ बास क्षेत्र का एक-एक कार्यकर्ता अपने साथ क्षेत्र के लोगों को लेकर भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होगा।

निमंत्रण देने के दौरान विधायक खैरिया ने लोगों को सम्बोधित किया।

बैंक मैनेजर से 50 लाख ठगने वाले तीन गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। बहरोड़ में बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर से धोखाधड़ी कर 50 लाख रुपए ऐंठने वाली गैंग का खुलासा करते हुए पुलिस ने महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि, एक दिसंबर को बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा बहरोड के मैनेजर से कमल कुमार यादव की फर्म जय अंबे ऑटोमोबाइल की फर्जी आईडी एवं कूट रचित लेटर पैड तैयार कर विभिन्न खातों में 49,50,157 रुपए आरटीजीएस करा कर ठगी करने के तीन आरोपियों को पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी के निर्देशन में एडिशनल जगराम मीणा एवं बहरोड़ पुलिस उप अधीक्षक आनंद राव के सुपरविजन में बहरोड़ थाना अधिकारी वीरेंद्र पाल सिंह द्वारा गठित टीम ने गिरफ्तार किया है। जिसमें सुधा पुत्री आरती कुमार उर्फ अरविंद कुमार राठौड़ निवासी बिलासपुर कैंप मोलरबंद बदरपुर दक्षिणी दिल्ली तथा शशि कुमार पुत्र ऋषि कुमार राजपूत निवासी राजपुर पोस्ट धर्मशाला थाना परैया जिला गया बिहार हाल रोड नंबर 15 इंद्रपुरी पटना बिहार एवं अजीत सिंह पुत्र वीरेंद्र यादव निवासी मझंवा पोस्ट सरसर थाना सिवान मुफासिल जिला सिवान बिहार हाल मकान मालिक राजेश कुमार फुलवारी शरीफ थाना फुलवारी पटना जिला बिहार को सिवान बिहार से दस्तयाब किया जाकर गिरफ्तार करते हुए अनुसंधान एवं अन्य आरोपीगण की तलाश में कार्यवाही जारी है।

फायरिंग कर कार लूट ले गए बदमाश

पावटा, (निसं)। हथियारबंद बदमाशों ने बुधवार रात को राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रागपुरा फ्लाई ओवर के नीचे फायरिंग की वारदात को अंजाम देते हुए बंदूक दिखाकर ढाणी भोमिया वाली तन पावटा निवासी पिंटू यादव से एक कार छीन ली।

शहर में पिछले छह महिनों में दर्ज की गई यह चौथी घटना है, जबकि उनमें से दो का पुलिस ने पर्दाफाश किया था। वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर संजीव चौधरी ने प्रागपुरा थाना पुलिस कर्मियों के साथ घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पीड़ित पिंटू यादव ने पुलिस को बताया कि वह मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार से रघुनाथपुरा एक होटल से खाना खाकर अपने दोस्तों के साथ लौट रहा था। रास्ते में प्रागपुरा फ्लाई ओवर के नीचे पावटा की ओर से आए दो तीन बदमाशों ने गाड़ी रोककर उनकी कनपटी पर पिस्तौल तान दी। गाड़ी की चाबी देने पर आरोपी अपने साथियों को कार में बैठाकर उसे लेकर फरार हो गया। पीडित पिंटू यादव ने कहा कि उसका व दोस्त का दो मोबाइल फोन कार में रखे थे। वही पीडित पिंटू यादव ने बताया कि घटना की सूचना देने थाने में पहुंचा तो पुलिस प्रशासन ने रिपोर्ट लेने से इनकार कर दिया जिसकी सूचना उसने अपने परिजनों को दी। परिजनों ने पुलिस द्वारा पीडित से ही पूछताछ व पिटाई करने का आरोप लगाते हुए पीडित के परिजनों सहित नेता रामनिवास यादव, पूर्व सरपंच मदन, पूर्व जिला पार्षद ललित व ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

भाजपा जन आक्रोश से घबराकर, कांग्रेस ने राहुल का कार्यक्रम बदला: सोनी

कांग्रेस कुशासन में अपराधी मस्त, सरकार राहुल के आवभगत में व्यस्तः सुनीता व्यास

कोटा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी कोटा शहर जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, जन आक्रोश कार्यक्रम के जिला संयोजक जगदीश जिंदल, जिला सहसंयोजक व लाडपुरा संयोजक लक्ष्मण सिंह खींची, कोटा उत्तर संयोजक लव शर्मा, कोटा उत्तर प्रभारी गौरव शर्मा, कोटा दक्षिण प्रभारी पूर्व विधायक अनिल जैन, कोटा दक्षिण संयोजक अनिल गोयल, पूर्व उपमहापौर सुनीता व्यास, विस्तारक अभियान संयोजक मोतीलाल मीणा के नेतृत्व में गुरूवार को कोटा के तीनों विधानसभा में जन आक्रोश यात्रा रैली पूरी जोर शोर के साथ निकाली गई। कई जगह चौपाले, नुक्कड़ सभायें कर आमजन को संबोधित किया गया।

कोटा उत्तर विधानसभा क्षेत्र में जन आक्रोश यात्रा रैली गांधी चौक से प्रारम्भ होकर अग्रसेन चौराहा, चार खंभा, सब्जीमण्डी, श्रीपुरा, गंधी जी की पुल होते हुए कैथूनीपोल थाने के सामने जाकर समाप्त हुई। जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के जन आक्रोश यात्रा रैली से घबराकर राहुल गांधी के कार्यक्रम को आनन फानन में बदला गया। राहुल को किस का डर सता रहा था, जो आनन फानन में सभी कार्यक्रम को बदल दिया गया। राहुल गांधी ने जो किसानों से, युवाओं से, आमजन से जो चुनावी झूठे वायदे किये थे अब उसका कोई जवाब नहीं हैं इनके पास। लेकिन सच से भागने से काम नहीं चलेगा। जवाब तो देना ही होगा। राहुल कोटा शहर में आये कोटा की आमजनता के हित के लिये ना कुछ बोले और नाहीं कुछ करने का आश्वासन देकर गये। किसी सरकार का नैतिक पतन पहली बार देख रहा हूं कि राहुल गांधी की रैली को देखकर ऐसा प्रतीत होता हैं कि पूरी सरकार, पूरे राज्य की पुलिस फोर्स को राहुल गांधी की आवभगत में लगा दिया गया है।

जिला महामंत्री चंद्रशेखर नरवाल ने अपने संबोधन में कहां कि कांग्रेस ने चार साल में यदि कोई उपलब्धि हासिल कि हैं तो वह यह हैं कि कांग्रेस कुशासन में राजस्थान अपराध में, महिला अत्याचार में, भ्रष्टाचार में, बेरोजगारी में, महंगाई में पूरे देश में नंबर वन की गिनती में आ रहा है। कार्यक्रम कोटा उत्तर संयोजक लव शर्मा ने कहा कि चुनाव के समय कांग्रेस ने आम जनता से जो वादे किए थे वह सब झूठे निकले कांग्रेस ने आम जनता से विश्वासघात किया।

अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष साहिल मिर्जा ने अपने संबोधन में कहां कि कांग्रेस पार्टी ने मुस्लिम समाज को सिर्फ वोट बैंक माना है। आज तक मुस्लिम समाज को भाजपा व संघ का दुष्प्रचार करके इनके नाम से डराती आयी है। मेरा सभी मुस्लिम समाज से आग्रह हैं कि कांग्रेस पार्टी व आप पार्टी के बहकावे में ना आवे तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व पर भरोसा करें। कार्यक्रम में जिलामंत्री हरिहर, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष साहिल, गोपाल कृष्ण, मण्डल अध्यक्ष रमेश, अनिल, विजय सिंह, राहुल, जय प्रकाश, दीपक, श्याम, सतिश, प्रेम, दिपेश, नीतू सक्सेना, अल्का मेवाड़ा, राकेश वैष्णव, अनूप शर्मा, रोली जैन सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कोटा में जन आक्रोश रैली में भाजपा समर्थक महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

- अन्नदाता किसानों पर लाठीचार्ज पूरी कांग्रेस को भारी पड़ेगाः संदीप शर्मा

गहलोत के वरिष्ठ पर्यवेक्षक रहते गुजरात में कांग्रेस की अब तक की सबसे करारी शिकस्त

वहीं हिमाचल में प्रियंका गांधी के साथ सचिन पायलट की मौजूदगी में कांग्रेस को मिला बहुमत

जयपुर, (का.प्र.)। गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव को लेकर राजस्थान के तीन नेताओं पर सबकी नजर थी, कि वह किस रणनीति के तहत अपने प्रभार वाले राज्यों में पार्टी को जीत दिलाते हैं। गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाए गए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और गुजरात के प्रभारी डॉ.रघु शर्मा के लिए गुजरात के नतीजे बेहद निराशाजनक रहे और पिछली बार जीती सीटों के मुकाबले इस बार कांग्रेस को 60 सीटों का भारी नुकसान झेलना पड़ा है। इतना ही नहीं इस बार गुजरात में कांग्रेस का प्रदर्शन इतिहास का सबसे खराब प्रदर्शन रहा है। जहां पार्टी सिर्फ 17 सीटें जीत पाई है।

दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ पर्यवेक्षक बनाए गए सचिन पायलट के लिए हिमाचल प्रदेश की जीत काफी फायदेमंद साबित होने वाली है। हिमाचल प्रदेश में सचिन पायलट ने प्रियंका गांधी के साथ में ताबड़तोड़ दौरे किए और कई चुनावी रैलियां करके कांग्रेस के पक्ष में माहौल खड़ा किया। अब जब हिमाचल प्रदेश में 40 सीटें जीतकर कांग्रेस ने बहुमत के आंकड़े से कहीं ज्यादा सीटें हासिल की है, तो निश्चित तौर पर इस जीत का असर सचिन पायलट के राजनीतिक कद पर भी पड़ने वाला है।

2017 में गुजरात विधानसभा चुनाव में जब अशोक गहलोत के प्रभार में कांग्रेस ने 77 सीटें जीती थी तो उनकी बहुत वाहवाही हुई थी। इस बार उनके वरिष्ठ पर्यवेक्षक रहते तथा उनके ही नजदीकी डॉ. रघु शर्मा के गुजरात का प्रभारी रहते कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद ही निराशाजनक रहा है। इस चुनाव में

- **गुजरात की करारी शिकस्त के बाद गहलोत खेमे ने साधी चुप्पी तो हिमाचल की जीत पर पायलट खेमा गदगद**

कांग्रेस ने अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए पिछली बार के मुकाबले ना सिर्फ 60 सीटों का नुकसान झेला है बल्कि अब तक की सबसे कम यानी कि सिर्फ 17 सीटें ही जीती है। ऐसे में वरिष्ठ पर्यवेक्षक के तौर पर गुजरात गए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रभारी डॉ रघु शर्मा पर सवाल उठना लाजमी है। हालांकि रघु शर्मा ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए परिणाम आते ही प्रभारी पद से अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे को भेज दिया है। दूसरी ओर अशोक गहलोत गुजरात की हार के बाद अभी तक किसी भी प्रतिक्रिया से बच रहे हैं। बताया जा रहा है कि गुजरात में कांग्रेस की हार में उस बयान का भी बहुत बड़ा योगदान रहा है, जो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुजरात में प्रचार करके आने के बाद में एक टीवी चैनल को देते हुए सचिन पायलट को गद्दार बताया था। यह बयान उस समय प्रसारित हुआ था, जब गुजरात में चुनाव प्रचार चरम पर था। कहते हैं कि इस बयान का गुजरात के जनमानस पर असर हुआ है।

इधर हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में पर्यवेक्षक बनाए जाने के बाद में सचिन पायलट ने कई दौरे किए और वहां प्रियंका गांधी प्रचार में जुटी थी तो सचिन पायलट भी लगातार दौरे करके कई सभाओं को संबोधित कर रहे थे। सचिन पायलट की सभाओं में लगातार उमड़ रही भीड़ में भी हिमाचल प्रदेश की फिजा बदलने में भूमिका निभाई अब जब हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस 40 सीटें जीत चुकी है और पार्टी का मुख्यमंत्री बनना तय है तो जहां प्रियंका गांधी को सफलता का श्रेय दिया जा रहा है। वहीं सचिन पायलट के चुनाव प्रचार और उनके प्रभाव को भी आलाकमान सहित पार्टी का कार्यकर्ता सराह रहा है। यही कारण है कि गुजरात विधानसभा में कांग्रेस की अब तक की सबसे करारी हार के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समर्थक नेताओं और कार्यकर्ताओं में निराशा का माहौल नजर आ रहा है। वहीं हिमाचल प्रदेश की जीत के बाद में सचिन पायलट समर्थकों का जोश और ज्यादा बढ़ गया है। निश्चित तौर पर इस जीत को सचिन पायलट समर्थक खेमा भुनाना चाहेगा।

इस वर्ष 2.75 लाख करोड़ की ऋण संभावना जताई नाबार्ड ने

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक बैज्जू कुरप, सहकारिता प्रमुख सचिव श्रेया गुहा, आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक रोहित पी. दास, आईएएस रोहित गुप्ता एवं एसएलबीसी संयोजक कमलेश कुमार चौधरी ने गुरूवार को स्टेट क्रेडिट सेमिनार में ''नाबार्ड स्टेट फोकस पेपर'' का विमोचन किया।

जयपुर। राजस्थान में एकीकृत और सतत ग्रामीण समृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वित्त वर्ष 2023-24 में राज्य के लिए 2,75,000 करोड रुपये के प्राथमिकता क्षेत्र ऋण संभाव्यता का अनुमान लगाया है। ऋण की संभावित राशि पिछले वर्ष की तुलना में 9.6 प्रतिशत अधिक है।

नाबार्ड द्वारा आयोजित स्टेट क्रेडिट सेमिनार के दौरान वित्त वर्ष 2023-24 के लिए तैयार किए गए स्टेट फोकस पेपर (एसएफपी) का विमोचन किया गया जो राजस्थान राज्य में भौतिक और वित्तीय, दोनों संदर्भों में, दोहन योग्य जिलावार यथार्थवादी संभाव्यता का समेकित लेखाजोखा भी है। राजस्थान सरकार की प्रमुख सचिव (सहकारिता) श्रेया गुहा (आईएएस) और क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, रोहित पी दास द्वारा नाबार्ड स्टेट फोकस पेपर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर रोहित गुप्ता (आईएएस), सचिव वित्त (बजट) एवं एसएलबीसी संयोजक कमलेश कुमार चौधरी भी उपस्थित थे। नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक, बैज्जू कुरप ने बताया कि आज के सेमीनार में विभिन्न क्षेत्रों में नाबार्ड, वित्तीय संस्थानों, राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए नीतिगत सहयोगों और कार्यक्रमों का संज्ञान लेने के अलावा आधार स्तर पर ऋण की मांग पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने आगे कहा कि कृषि बुनियादी ढांचे में निवेश में वृद्धि, कृषि उपज के समूहीकरण, मूल्य संवर्धन और किसानों को किसान उत्पादक संगठनों में संगठित करके उत्पादकता बढाने में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए।

'बीकानेर में 500 से 700 मीटर गहराई पर मिले पोटाश के भण्डार'

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया है कि राज्य में मात्र 500 से 700 मीटर गहराई पर ही पोटाश के विपुल भण्डार के संकेत मिले हैं जबकि दुनिया के पोटाश भण्डार वाले देशों में पोटाश की उपलब्धता एक हजार मीटर या इससे भी अधिक गहराई में देखने को मिलती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के बीकानेर और हनुमानगढ़ में सिल्वाइट और पॉलिहाइलाइट पोटाश की संकेत मिलने से कन्वेसनल माइनिंग व सोल्यूशन माइनिंग तकनीक से पोटाश का खनन किया जा सकेगा।

एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल से गुरुवार को सचिवालय में भारत सरकार के उपक्रम मिनरल एक्सप्लोरेशन कंसलटेंसी लि. के सीएमडी घनश्याम शर्मा ने मुलाकात की और पोटाश की खोज व खनन की संभावनाओं को लेकर रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि बीकानेर के लखासर के 99.99 वर्गमीटर क्षेत्र में 26 बोर किए गए हैं जिसमें से एमईसीएल द्वारा 22 बोर किए गए हैं व जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा 4 बोर किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसमें दोनों ही तरह के यानी कि सिल्वाइट व पॉलिहाइलाइट पोटाश के संकेत मिले हैं। इसके साथ ही हनुमानगढ़ के सतीपुरा में जीएसआई द्वारा 300 वर्गमीटर क्षेत्र में किए गए एक्सप्लोरेशन में पोटाश के संकेत मिल चुके हैं। उन्होंने बताया कि दोनों ही स्थानों पर जी 4 व जी 3 स्तर को एक्सप्लोरेशन हो चुका है। ऐसे में सतीपुरा में सीधे माइनिंग कार्य के लिए सीएल / एमएल ऑक्शन की कार्यवाही की जा सकती है। वहीं लखासर में अभी पहले चरण में 8 और बोर के माध्यम से एक्सप्लोरेशन की आवश्यकता के साथ ही यहां भी प्लॉट तैयार कराकर कंपोजिट लाइसेंस की कार्यवाही आरंभ की जा सकती है।

पटवारी भर्ती-2020 में वेटिंग लिस्ट से नियुक्ति देने पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पटवारी भर्ती- 2020 की वेटिंग लिस्ट से नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड से पूछा है कि उन्होंने भर्ती में नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया किस तरह अपनाई गई। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश रितेश कुमार व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता विज्ञान शाह और अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि पटवारी भर्ती-2020 की प्रथम पारी का पेपर देने वाले सबसे ज्यादा 36 फीसदी अभ्यर्थी चयनित हुए थे और चौथी पारी में पेपर देने वालों में से केवल 11 फीसदी अभ्यर्थियों का ही चयन हुआ है। ऐसे में चयन बोर्ड ने भर्ती में नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया सही तरीके से नहीं अपनाई है। ऐसा संभव नहीं हो सकता कि भर्ती में एक ही पारी वालों का सबसे ज्यादा चयन हुआ हो।

बोर्ड अब वेटिंग लिस्ट के खाली पदों पर भी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर रहा है। ऐसे में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने पर याचिकाकर्ताओं के हित भी प्रभावित होंगे और वे नियुक्ति से वंचित रह जाएंगे। इसलिए याचिकाओं के निस्तारण तक वेटिंग लिस्ट से भर्ती में कोई भी नियुक्तियां नहीं दी जाए। वहीं चयन बोर्ड का कहना था कि उन्होंने नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया सही तरीके से की है।

यातायात पुलिस को मिलेंगे 25 नए इन्टरसेप्टर वाहन

जयपुर । यातायात पुलिस के लिये उपलब्ध कराई जा रही इंटरसेप्टर वाहनों का अवलोकन गुरूवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वी. के. सिंह ने बताया कि यह 25 इंटरसेप्टर आधुनिक 2022 डिजिटल जीपीएस, वाईफाई, इंटरनेट तकनीक से लैस है। इसमें उच्च गुणवत्ता एचडी कैमरा सहित, 1 किलोमीटर दूरी से वाहनों की गति मापने की क्षमता का स्पीड लेजर गन

- **डिजिटल जीपीएस, वाईफाई और इंटरनेट तकनीक से लैस यह इंटरसेप्टर एक कि.मी. दूर से ही वाहनों की गति माप लेंगी**

उपलब्ध है। दिन में 250 मीटर और रात में 100 मीटर से अधिक ओवरस्पीडिंग वाहनों का स्वचालित नंबर प्लेट पहचान सहित, चित्र-वीडियो लेकर एनआईसी-आईटीएमएस ऑनलाइन ई-चालान जारी करने में सक्षम है। इसमेलेजर ट्रैक गति कैमरा के अतिरिक्त, 360 डिग्री का कैमरा रिकॉर्डर, ब्रेथ अल्कोहल एनलाइजर, टिंट मीटर, एलईडी साइनेज, एलईडी लाइट बार और उच्च क्षमता का सायरन और पीए सिस्टम उपलब्ध है। वाहनों पर यह सिस्टम तैयार किया है। यह इंटरसेप्टर कुछ ही दिनों में ट्रेनिंग के पश्चात सभी जिलों में उतारी जाएंगे।

कांग्रेस उपचुनाव जीतने से खुश हो सकती है, लेकिन 2023 में भाजपा बहुमत के साथ काबिज होगी : डॉ. पूनियां

जयपुर। सरदारशहर उपचुनाव नतीजों पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने वक्तव्य जारी कर कहा कि, सरदारशहर में परिणाम हमारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं आए और इस सीट का इतिहास भी कुछ ऐसा रहा है कि 16वां चुनाव था, एक बार यहां भाजपा को जीत मिली है। यहां कार्यकर्ताओं ने परिश्रम किया, नेताओं ने समय नियोजित किया, लेकिन एक सहानुभूति वहां के लोगों के मन मस्तिष्क में थी, इसलिए परिणाम हमारे विपरीत रहे। सरदारशहर की जनता को भाजपा को दिए गए समर्थन के लिए, उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूं और कार्यकर्ताओं को उनके परिश्रम के लिए आभार व्यक्त करता हूं। यह उपचुनाव कांग्रेस जीतने से खुशफहमी में हो सकती है, लेकिन 2023 के ना मुद्दे बदले हैं, ना दिशा बदली है, 2023 में यह सीट भी और

- **'अपराध, किसान कर्जमाफी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से लेकर जो बुनियादी विकास के मुद्दे हैं, वह आगे 2023 के चुनाव में बड़े मुद्दे होंगे और वह सत्ता परिवर्तन का कारक होंगे'**

राजस्थान में दो तिहाई बहुमत के साथ भाजपा काबिज होगी। क्योंकि मुद्दे वही हैं, इस समय हो सकता है उन मुद्दों पर जनता ने मतदान ना किया हो, लेकिन अपराध, किसान कर्ज माफी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से लेकर जो बुनियादी विकास के मुद्दे, वह आगे 2023 के चुनाव में बड़े मुद्दे होंगे और वह सत्ता परिवर्तन का कारक होंगे। राजस्थान में एक तो जनधारणा है कि हर बार सत्ता बदलती है, दूसरा एंटी इनकंबेंसी है, तीसरा हम सभी कार्यकर्ता और परिश्रम करेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 2023 में राजस्थान में प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनायेंगे।

र से राहुल गांधी से मेरा चौथा सवाल है, उनकी यात्रा है सब सत्कार भी हो रहे हैं, पर्यटन भी है, बाकी आनंद और बहार होगी, लेकिन अभी तक तीन सवालों के लिए राजस्थान की सरकार और खुद राहुल गांधी निरुत्तर हैं।

पिछले दिनों पूछे गये तीनों सवालों की जो फितरत और बानगी है वह सबने देखी है, कल जिस तरीके से हिंडौन की दशा आप सब लोगों ने देखी थी, लेकिन आज मेरा चौथा सवाल है कि राजस्थान के उन बेरोजगारों के हक में, सर्वाधिक बेरोजगारी राजस्थान में, चार वर्षों में 70 लाख युवाओं ने परीक्षा दी, एक लाख की नौकरी का आंकड़ा मुख्यमंत्री सदन में गिनाते हैं, 69 लाख के लिए कोई रोडमैप नहीं है।

उस पर कोढ़ में खाज का काम करती है रीट की चीट, इस तरीके की अनेक भर्तियों में जो अनियमितता और विसंगतियां हुई, ऐसा लगता है कि राजस्थान में नकल माफिया ने नौजवानों के सपने तोड़े हैं।

तमाम इसमें मुद्दे जुड़े हुए हैं, इसमें संविदाकर्मी भी हैं, सीएचए भी हैं, जितनी भर्तियां हैं, जो मुझे सुन रहे हैं वो सभी नौजवान भी इसमें शामिल है, कि राजस्थान के नौजवानों को जो कहा गया, जो वादा किया, उस वादे पर कांग्रेस पार्टी की सरकार और राहुल गांधी कब खरा उतरेंगे, राजस्थान के लोगों की रोजगार की मंशा कब पूरी होगी और बेरोजगार भत्ते की विसंगती कब दूर होगी।

महेन्द्र मीणा हत्याकाण्ड में लिप्त एक महिला सहित दो और लोग गिरफ्तार

गिरफ्तार दोनों लोगों ने हत्या के आरोपियों को फरार कराने में मदद की थी

जयपुर, (कासं)। राजधानी की प्रताप नगर थाना पुलिस और सीएसटी व डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रताप नगर में हुए महेन्द्र मीणा हत्याकांड के मामले में आरोपियों को फरार कराने में मदद करने पर एक महिला सहित दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में बुधवार को भी फरार दो बदमाशों को गिरफ्तार किया था।

डीसीपी डॉ. राजीव पचार ने बताया कि 1 नवंबर को प्रताप नगर इलाके में गोदावरी अपार्टमेंट में आपसी रंजिश को लेकर गैंगवार हुई थी। इस दौरान फायरिंग में एक गैंग के सरगना महेन्द्र मीणा की गोली लगने से मौत हो गई थी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। आरोपियों को पकड़ने के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अवनीश शर्मा और सुलेश चौधरी के निर्देशन में प्रताप नगर थानाधिकारी के नेतृत्व में टीम बनाई गई। पुलिस ने मामले में आरोपियों की मदद करने वाले अमरचंद देवन्दा

आरोपी अमरचंद और सुनीता

- **आरोपी अमरचंद ने लखीमपुर खेरी उत्तरप्रदेश में विनीत मेडी, महेश नांगल और बच्चा नांगल को एक रात शरण देकर अगले दिन अपनी कार से दूसरे स्थान पर पहुंचाया था।**

(25) निवासी देवन्दों की ढाणी महेशवास मौजमाबाद जयपुर और सुनीता मीणा (42) निवासी मेडी गांव वजीरपुर सवाई माधोपुर को राउंड अप किया गया। पूछताछ में सामने आया कि अमरचंद ने वारदात की पूरी जानकारी होने पर भी लखीमपुर खेरी उत्तरप्रदेश में विनीत मेडी, महेश नांगल और बच्चा नांगल को एक रात शरण देकर अपने यहां छुपाया। फिर अगले दिन अपनी कार से दूसरे स्थान पर पहुंचाया। साथ ही पैसे की व्यवस्था की। वहीं सुनीता मीणा ने आरोपियों से बात कर अपने जेठ के लडके विवेक के साथ कपड़े पैसे और अन्य आवश्यक सामान उपलब्ध कराया। वहीं इस संबंध में महिला से पूछताछ की गई तो उसने जांच में सहयोग नहीं किया। आरोपियों ने वारदात में प्रयुक्त हथियारों को घटना के बाद विवेक के साथ घर पर भेजा था। जिन्हें छुपाने की कोशिश की गई। पुलिस के सर्च में हथियार मिलने पर वजीरपुर थाने में मामला दर्ज किया गया।

रात 8 बजे के बाद खुली शराब की दुकानों पर होगी सख्त कार्रवाई

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य में शराब की दुकानों के बंद होने का समय रात 8 बजे है, जिसका सख्ती से पालन करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि रात 8 बजे के बाद शराब की दुकानें खुली पाई गई तो उस इलाके के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गहलोत ने कहा कि बच्चों और युवाओं में ड्रग्स लेने की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है। इसके लिए शिक्षा विभाग के सहयोग से एक व्यापक जागरूकता अभियान आरम्भ किया जाएगा। गहलोत गुरूवार को पुलिस मुख्यालय में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पुलिस द्वारा अनुसंधान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आईटी और सोशल मीडिया का उपयोग करना चाहिए। गहलोत ने कहा कि राज्य में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अभय कमाण्ड सेन्टर को और सुदृढ़ किया जा रहा है एवं 30 हजार सीसीटीवी कैमरे लगाने का कार्य जल्दी पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के लगभग सभी पुलिस थानों में स्वागत कक्ष बनाए जा चुके हैं। प्रदेश में जयपुर और अन्य शहरों में जमीनों के क्रय-विक्रय से संबंधित धोखाधड़ी के मामलों में काफी वृद्धि हुई है, जो चिंताजनक है। इस तरह के प्रकरणों की प्रभावी रोकथाम के लिए गृह सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति बनाई जाएगी, जो दो महीने में अपनी रिपोर्ट देगी।

जवाहर नगर में छात्रा से छेड़छाड़

जयपुर । जवाहर नगर इलाके में खाना लेने जा रही एक छात्रा से अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने ने बताया मूलतया दिल्ली निवासी 23 वर्षीया युवती इलाके में रह कर पढाई कर रही है। बुधवार शाम करीब 7 बजे युवती घर के पास ही स्थित होटल पर खाना लेने जा रही थी। तभी मोनीलेक अस्पताल के पास अज्ञात बाइक सवार ने उसे पकड़ लिया और अश्लील हरकत करने लगा, चिल्लाने पर वह भाग छूटा।

प्रदेश में 5 नए करोना संक्रमित मिले गुरूवार को

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में गुरूवार को 5 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस दौरान 8 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 60 रह गए हैं। हालांकि इस बीच करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में गुरूवार को 4 जिलों में 5 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले बुधवार को राज्य में 10 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में 2, जबकि जयपुर, हनुमानगढ़ और सिरोही में 1-1 नया संक्रमित मिला है। जयपुर में जवाहर नगर इलाके में नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 4041 जांचे की गई है।

प्रदेश में गुरूवार को नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 8 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 60 हो गए हैं। इनमें 33 संक्रमितों को इलाज जयपुर में चल रहा है। प्रदेश में गुरूवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

'संविदाकर्मियों को 15 से पहले जारी होगा अनुभव प्रमाण पत्र'

जयपुर, (का.सं.)। नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2022 के 1289 पदों पर भर्ती में पिछले कई सालों से संविदा पर काम कर रहे अभ्यर्थियों को बोनस अंक के लिए अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं करने के मामले में राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अंडरटेकिंग दी है कि वह 15 दिसंबर से पहले उन्हें अनुभव प्रमाण पत्र जारी कर देंगे। राज्य सरकार की अंडरटेकिंग के बाद अदालत ने इस संबंध में दायर याचिका को निस्तारित कर दिया। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह निर्देश विनोद कुमार व अन्य की याचिका पर दिए।

- **राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अंडरटेकिंग दी है**

सुनवाई के दौरान उप लोक अभियोजक ने कहा कि वे 15 दिसंबर से पहले अभ्यर्थियों को अनुभव प्रमाण पत्र जारी कर देंगे। पिछली सुनवाई पर अदालत ने सरकारी अधिवक्ता को कहा था कि वे अनुभव प्रमाण पत्र के संबंध में राज्य सरकार से निर्देश प्राप्त कर अदालत में जानकारी पेश करें। दरअसल राज्य सरकार ने 16 नवंबर 2022 को नर्सिंग ऑफिसर की भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी की थी। इसमें पहले से सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे अभ्यर्थियों को तीन साल के अनुभव के लिए अधिकतम 30 अंक देना तय किया, लेकिन राज्य सरकार ने अभ्यर्थियों को अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं किए। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि अनुभव प्रमाण पत्र के बोनस अंक नहीं मिलने पर वे नियुक्ति से वंचित रह जाएंगे। इसलिए राज्य सरकार को निर्देश दिए जाएं कि वह उन्हें अनुभव प्रमाण पत्र जारी करे।

राहगीर से मोबाइल छीनने वाला बदमाश गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी से छह मोबाइल व बाइक बरामद की

जयपुर (कासं)। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने गुरूवार को राहगीरों से मोबाइल छीनने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से 6 मोबाइल और एक मोटर साइकिल बरामद की है।

डीसीपी वंदिता राणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी नूर मोहम्मद कायमखानी निवासी जेपी कॉलोनी भट्टा बस्ती है। उन्होंने बताया कि मोबाइल स्नैचर को पकड़ने के लिए थानाधिकारी हवासिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम को गठन किया गया। टीम की उपनिरीक्षक गीता, हैड कांस्टेबल पवन काजला, प्रकाश चंद, कांस्टेबल तेजाराम और पूरणमल ने सतत निगरानी व सूचना एकत्रित कर आरोपी नूर मोहम्मद कायमखानी निवासी जेपी कॉलोनी भट्टा बस्ती को डिटेन किया। पूछताछ में आरोपी के कब्जे से 4 दिसम्बर को इलाके में राहगीर से लूटा गया एक मोबाइल व वारदात में काम ली गई बाइक बरामद की। इसके बाद पुलिस ने आरोपी से अन्य स्थानों पर छीने गए 5

मुरलीपुरा थाना पुलिस ने गुरूवार को राहगीरों से मोबाइल छीनने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया।

मोबाइल और जब्त किए। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे का आदी है। नशे के शौक को पूरा करने के लिए अपने साथी के साथ मिलकर राहगीरों से मोबाइल छीनने की वारदातों को अंजाम देता है। आरोपी कलर पेंट का काम करता है। पूछताछ में उसने आधा दर्जन मोबाइल छीनने की वारदात करना कबूल की है। आरोपी का पूर्व में भी भट्टा बस्ती, कोतवाली, शास्त्री नगर, मुरलीपुरा और झोटवाड़ा में मोबाइल छीनने की 5 वारदातों का सजायाबी रिकॉर्ड पाया गया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में भी जुटी है।

एक किलो अफीम समेत तस्कर पकड़े

जयपुर (कासं)। जयपुर शहर में पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत बगरू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो अवैध मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और जिनके पास से भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ अफीम जब्त की गई है। फिलहाल आरोपी तस्करों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) वन्दिता राणा ने बताया कि ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत बगरू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ तस्कर प्रकाश विश्नोई निवासी चितलवाना जिला जालोर और विष्णु बिश्नोई झंवर जिला जोधपुर को थाना इलाके में स्थित एनएच 48 पर देवलिया कट के पास नाकाबंदी के दौरान गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से 1 किलो 37 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम और वारदात में प्रयुक्त कार जब्त की गई है। गिरफ्तार आरोपित प्रकाश बिश्नोई हार्डकोर अपराधी व एच.एच है जिसके खिलाफ ढाई दर्जन से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज है। फिलहाल आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ अफीम की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर बिजनेसमैन की बहू कंचन व पोती

'लड़की नहीं लड़का चाहिए, तू कलंक है हमारे परिवार के लिए'

हनुमानगढ़, (निसं)। लड़की नहीं, लड़का चाहिए। तू परिवार के लिए कलंक है। 5 लाख रुपए दहेज के अपने घरवालों से लाकर दे, तभी तुझे घर में घुसने देंगे। इतना कहते-कहते कंचन फफक-फफक कर रोने लगती है। कभी वो सामने पति के आलीशान घर को देखती है तो कभी अपनी मासूम ढाई साल की बेटी को। जिस बिजनेसमैन परिवार की बहू को इस आलीशान घर में होना चाहिए, वो सड़क किनारे ठिठुर रही है। सर्द रात में खुले आसमान के नीचे मां-बेटी को पड़ोसियों ने देखा तो रहा नहीं गया। उन्होंने कंबल और बिस्तर दिए। कंचन ने यह भी लेने से इनकार कर दिया। पड़ोसियों ने बेटी का हवाला देकर समझाया तब कंचन ने कंबल और बिस्तर रखे।

हनुमानगढ़ के टोपरियां के रहने वाले कंचन के पिता आदराम ने अपनी बेटी के साथ हो रहे अन्याय की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। आदराम की ओर से दी गई रिपोर्ट के अनुसार, कंचन की शादी करीब 4 साल पहले गोलूवाला सिहागान के वार्ड 1 निवासी प्रवीण पुत्र ओमप्रकाश सोनी के साथ हुई थी। 1 साल पहले ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे घर से निकाल दिया था, जिसके बाद से वो पीहर में ही रह रही है। 8 दिसंबर को कंचन की ननद की शादी है। पति से मिलने और शादी में शामिल होने के लिए कंचन अपनी ढाई साल की बेटी भाविका के साथ शाम को गोलूवाला आई थी। ससुराल पक्ष की महिलाओं ने उसे घर में घुसने नहीं दिया। कंचन को धक्के मारकर और बाल पकड़कर घर से बाहर निकाल दिया गया।

बड़े बिजनेसमैन की बहू कंचन इसी घर के सामने धरने पर बैठी है।

- **मामला दर्ज होने के बाद विवाहिता का ससुर ओमप्रकाश अपने पिता मोहन सोनी के साथ गायब**

उसके साथ उसकी ढाई साल की बेटी भी है। घर में ननद की शादी की तैयारियां चल रही हैं।

गोलूवाला थाना प्रभारी भजनलाल लावा ने बताया कि कंचन के पिता की रिपोर्ट के आधार पर दहेज के लिए मारपीट करने की धाराओं में ओमप्रकाश सोनी की मां शांति देवी, बहन कमला, पत्नी मंजू देवी, बेटी ईशु के खिलाफ नामजद और एक अज्ञात महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामला दर्ज होने के बाद विवाहिता का ससुर ओमप्रकाश सोनी अपने पिता मोहन सोनी के साथ घर से गायब हो गया है। इनकी किराना और आढ़त की दुकानें हैं, जो बंद बताई जा रही हैं।

कंचन अपनी ढाई साल की बेटी के साथ खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर है। उसने भी ठान लिया है कि जब तक उसे न्याय नहीं मिलेगा, धरना खत्म नहीं करेगी।

ससुराल में घर के बाहर धरने पर बैठी कंचन ने रोते हुए कहा- उसका पति उसके साथ रहने को राजी है। ससुराल पक्ष के लोग उससे बात तक नहीं करने दे रहे हैं। पुलिस ने उसे जरूर सुरक्षा दी है। एक महिला कॉन्स्टेबल और पुरुष कॉन्स्टेबल पूरी रात मेरी सुरक्षा में तैनात रहे। प्रशासन उसकी कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। जब तक मुझे न्याय नहीं मिलेगा, मैं यहां से नहीं हटने वाली। चाहे कितने भी दिन यहां बैठना पड़े।

कंचन ने कहा- मैं पिछले एक महीने से ननद की शादी में शामिल होने की कोशिश कर रही हूं। मुझे शामिल नहीं होने दे रहे हैं। ये लोग बोल रहे हैं कि उनको मुझसे खतरा है। मैं कोई आतंकवादी हूं, मैं कोई फूलन देवी हूं, जो इनको खतरा है। मेरे बैग में कोई हथियार है। मैं तो हंसी-खुशी अपनी ननद की शादी में शामिल होना चाहती हूं। बोल रहे हैं कि तेरे पिता को बोल हमें 5 लाख रुपए देंगे तो ही तुझे शादी में शामिल करेंगे, वरना नहीं करेंगे। इन्होंने मेरे सारे जेवर यहां तक कि मेरा मंगलसूत्र भी छीन लिया है। गांव के प्रमुख लोगों ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला खत्म करने की कोशिश की, लेकिन विवाद और बढ़ गया। कंचन पूरी रात खुले आसमान के नीचे रही।

हाईकोर्ट ने पर्याप्त स्टाफ व संसाधन नहीं होने पर राज्य सरकार से मांगा जवाब

मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरणों से जुड़ा था मामला

- **'दो सप्ताह में हलफनामा और आवश्यक सामग्री पेश कर बताएं कि अपने प्रशासनिक आदेश से राज्य मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरण के लम्बित प्रकरण को अन्य न्यायालयों में क्षेत्राधिकार और श्रवनाधिकार बताकर उन्हें हस्तांतरित कर सकता है?'**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल और न्यायाधीश दिनेश मेहता ने कहा है कि दो सप्ताह में हलफनामा और आवश्यक सामग्री पेश कर बताएं कि अपने प्रशासनिक आदेश से राज्य मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरण के लम्बित प्रकरण को अन्य न्यायालयों में क्षेत्राधिकार और श्रवनाधिकार बताकर उन्हें हस्तांतरित कर सकता है। उन्होंने राज्य सरकार को भी न्यायालय के 23 नवंबर के आदेश की पालना में यह विगत वार बताने का निर्देश दिया है कि राज्य में स्थापित 31 दावा अधिकरण में पर्याप्त स्टाफ और संसाधन उपलब्ध है।

जिला अभिभाषक संघ, बांसवाड़ा की ओर से जनहित याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि राज्य के दावा अधिकरणों में न तो समुचित स्टाफ है और न ही समुचित संसाधन और सुविधाएं हैं।उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के प्रशासनिक आदेशों से श्रम न्यायालय जोधपुर महानगर और अन्य जगहों पर भी मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरण के लम्बित प्रकरण पारिवारिक न्यायालय, श्रम न्यायालय और अपर जिला न्यायालयों में क्षेत्राधिकार देकर हस्तांतरित कर दिए गए है लेकिन अधिकांश जगह लेखाधिकारी, स्टेनोग्राफर और अन्य स्टाफ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं किए जा रहे है,जिससे दुर्घटना दावों का निस्तारण अत्यधिक देरी से हो रहा है। सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश की पालना में मोटर दावा अधिकरणों में अधिकांश जगह लेखाधिकारी और स्टेनोठाफर नियुक्त कर दिए गए हैं। हाईकोर्ट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डा सचिन आचार्य ने कहा कि हाईकोर्ट के प्रशासनिक आदेशों से ही मोटर दावा अधिकरणों के काफी मामले अन्य न्यायालयों को क्षेत्राधिकार देते हुए हस्तांतरित किए गए हैं।

मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल और न्यायाधीश दिनेश मेहता की खंडपीठ ने हाईकोर्ट को कहा कि वे दो सप्ताह में हलफनामा और आवश्यक सामग्री पेश कर बताएं कि क्या वे मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरण के क्षेत्राधिकार के प्रकरण अन्य न्यायालयों को अपने प्रशासनिक आदेश से उन्हें प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने राज्य सरकार को भी इसी अवधि में अपने पूर्व आदेश की पालना में हलफनामा और तालिका पेश कर यह अवगत कराएं कि 31 मोटर दावा अधिकरणों में पर्याप्त स्टाफ और समुचित संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध है।

सरदारशहर उप चुनाव में कांग्रेस के अनिल 26852 मतों से जीते

चूरू/ सरदारशहर, (कासं)। चूरू जिले के सरदारशहर विधानसभा उप चुनाव अंतर्गत पड़े मतों की गणना गुरुवार को जिला मुख्यालय स्थित राजकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। मतगणना के बाद इंडियन नेशनल कांग्रेस के अनिल कुमार शर्मा 26852 मतों से निर्वाचित घोषित किए गए। रिटर्निंग अधिकारी बिजेंद्र सिंह ने निर्वाचित उम्मीदवार को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

रिटर्निंग अधिकारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि ईवीएम तथा पोस्टल बैलेट मतों की गणना के बाद घोषित आखिरी परिणाम के अनुसार इंडियन नेशनल कांग्रेस के अनिल कुमार शर्मा को 91357 मत, भारतीय जनता पार्टी के अशोक कुमार को 64505 मत, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के लाल चंद मूंड को 46753 मत, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया मार्क्सिस्ट के सांवर मल मेघवाल को 2071 मत, इंडियन पीपल्स ग्रीन पार्टी के परमाना राम को 928 मत, निर्दलीय उमेश सहू को 331, निर्दलीय प्रेम सिंह को 189 मत, निर्दलीय विजय पाल सिंह खुशनामा जनादेश को 311 मत, निर्दलीय सुभाष चंद्र को 968 मत, निर्दलीय सुरेंद्र सिंह राजपुरोहित को 647 मत मिले। कुल 2 लाख 9 हजार 837 मतों में से 1777 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया।

- **क्या बेनीवाल के प्रत्याशी के कारण कांग्रेस की जीत आसान हुई?**

मतगणना के अंतिम दौर से पहले ही दूसरे स्थान पर रहे भाजपा के अशोक कुमार और तीसरे स्थान पर रहे राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के लाल चंद मूंड एक साथ मतगणना स्थल से बाहर चले गए। यहां भाजपा उम्मीदवार अशोक कुमार के चेहरे पर काफी मायूसी दिखाई दी। इस दौरान मतगणना स्थल पर पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद, उप जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश गौतम, सीईओ पीआर मीणा, एसडीएम निखिल कुमार, तहसीलदार धीरज झाझड़िया सहित प्रशासन, पुलिस और निर्वाचन से जुड़े विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

दो बदमाश पकड़े

अजमेर, (कास)। अजमेर पुलिस ने आर्म्स एक्ट में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पश्चिम बंगाल हाल शीशा खान निवासी तैयब (26) पुत्र शरकत मोहम्मद को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से धारदार चाकू बरामद किए गए हैं। दोनों आरोपी थाना क्षेत्र में किसी वारदात की फिराक में थे। रामगंज थाना पुलिस की टीम ने तारागढ़ रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। जिसके पास तलाशी में धारदार चाकू बरामद हुआ। चाकू के बारे में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। दूसरी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के हजारीबाग स्थित मुखबिर की सूचना पर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा जिसके पास तलाशी में चाकू बरामद हुआ। जिससे पूछताछ की गई तो वह भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। बाद में उसके खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए शीशा खान निवासी मोहम्मद तस्लीमुद्दीन (29) को गिरफ्तार किया गया।

जेडीए भूखण्डों का ई-नीलामी कार्यक्रम जारी

जोधपुर, (कासं)। आयुक्त, जोधपुर विकास प्राधिकरण नवनीत कुमार द्वारा प्राधिकरण की आय के स्त्रोतों को बढाने, आय में वृद्धि करने तथा आमजन व शहर के महत्वपूर्ण विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयुक्त नवनीत कुमार के निर्देशानुसार प्राधिकरण द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं के आवासीय एवं व्यवसायिक भूखण्डों का ई-नीलामी कार्यक्रम माह दिसम्बर-जनवरी 2022-2023 जारी किया जा चुका है। सोमवार, 19 दिसम्बर से ई-नीलामी कार्यक्रम अनुसार भूखण्डों की नीलामी के लिए आवेदकों ने धरोहर राशि जमा करावाने के साथ ऑनलाईन बिड लगायी जा सकती है।

जोधपुर विकास प्राधिकरण की योजनाओं में भूखण्डों के क्रय के लिए आमजन, व्यवसायियों, उद्योगपतियों इत्यादि में भारी उत्साह तथा महत्वकांक्षी योजनाओं के प्रति रूझान एवं आकर्षण बढा है। जेडीए नीलामी शाखा प्रभारी केवलचन्द गहलोत ने बताया कि 19 दिसम्बर से 27 जनवरी 2023 तक जारी ई-नीलामी कार्यक्रम के अन्तर्गत जेडीए की महत्वकांक्षी विवेक विहार आवासीय योजना के विभिन्न सेक्टर, राज्य कर्मचारी आवासीय योजना, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवासीय योजना, मण्डलनाथ आवास योजना, दंतोपथ ठेगडी नगर योजना, सुन्दरसिंह भण्डारी नगर आवासीय योजना आवासीय योजना, अरणा विहार योजना, झरणा विहार योजना, आनन्द विहार योजना के विभिन्न आवासीय भूखण्डों को नीलामी के जरिये विक्रय किया जाएगा।

इसी प्रकार माह दिसम्बर-जनवरी 2022-2023 ई-नीलामी कार्यक्रम अनुसार प्राधिकरण ने परिवहन नगर आंगणवा/ट्रांसपोर्ट नगर योजना, खसरा संख्या 269 कुडी भगतासनी मुख्य पाली रोड, ब्लॉक ए चौखा एवं अपनाघर राधाकृष्णपूरम योजना ग्राम चौखा में स्थित व्यवसायिक भूखण्डों की भी नीलामी की जाएगी। भूखण्डों के लिए ईएमडी राशि जमा करवाने की प्रारंभिक तिथि 19 दिसम्बर रखी गयी है तथा ऑनलाईन बिड लगाने की अन्तिम तिथि योजनावार विभिन्न भूखण्डों के लिए अलग-अलग निर्धारित की गई है। ई-नीलामी से संबंधित विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें प्राधिकरण की वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।

कैम्प में पट्टों का वितरण किया:-जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त नवनीत कुमार एवं सचिव जयनारायण मीणा द्वारा गुरूवार को प्रशासन शहरों के संग अभियान के अन्तर्गत बांकिया बेरा मगरा पुंजला में प्राधिकरण द्वारा आयोजित जोन 6 के शिविर स्थल का दौरा करते हुए शिविर के दौरान सम्पादित किए जाने वाले कार्यों का निरीक्षण किया गया। शिविर के दौरान राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह सोलंकी, महापौर उत्तर कुंती देवड़ा परिहार, जेडीए आयुक्त नवनीत कुमार एवं सचिव जयनारायण मीणा, उपायुक्त जोन 6 श्रवण कुमार द्वारा आमजन को पट्टों का वितरण किया गया।

उपायुक्त जोन 6 श्रवण कुमार ने बताया कि गुरूवार को शिविर के दौरान आमजन के भारी रूझान के कारण 150 से अधिक आवेदनों का निस्तारण करते हुए पट्टों का वितरण किया गया। इसी प्रकार आज शुक्रवार दिनांक 9 दिसम्बर को भी जोन 6 के विभिन्न खसरों हेतु बांकिया बेरा मगरा पुंजला में ही शिविर का आयोजन रखा गया है। गुरूवार शिविर के दौरान जनप्रतिनिधि, विशिष्टजन सहित भारी संख्या में आवेदक मौजूद रहे।

ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिलाने के लिए हस्ताक्षर अभियान का आगाज

हिण्डौन सिटी, (कासं.)। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के लिए किसान नेता रामनिवास मीना के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान ईआरसीपी में शामिल पूर्वी राजस्थान के सभी 13 जिलों में चलाया गया है। किसान नेता रामनिवास मीना ने बताया कि अभियान पूरा होने पर सभी हस्ताक्षर पत्रों को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजकर ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का आग्रह किया जाएगा।

ईआरसीपी के पदाधिकारियों ने जनमत हस्ताक्षर पत्र का विमोचन किया।

ईआरसीपी किसान विकास समिति के प्रदेश मीडिया प्रभारी दीनदयाल सारस्वत ने बताया कि समिति के प्रदेशाध्यक्ष भामाशाह रामनिवास मीना ने ईआरसीपी के प्रति आमजन में जागरूकता लाने एवं राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के लिए पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में जनमत हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। इस जनमत हस्ताक्षर पत्र का विमोचन करते हुए प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीना ने आमजन को यह कहते हुए समर्पित किया है कि चंबल का पानी खेतों तक लाने के लिए 13 जिलों के निवासी सभी लोग अपनी महत्ती भूमिका निभाएं। उन्होंने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना विकास समिति से जुडे कार्यकर्ता से गांव स्तर पर आमजन तक पहुंचने का आग्रह किया।

कार्यकतर्ता ईआरसीपी के बारे में विस्तार से जानकारी देने के साथ जनमत पत्र पर निवेदन पूर्वक हस्ताक्षर कराएंगे। किसान विकास समिति के महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्ष संगीता गुर्जर ने कहा कि जनमत हस्ताक्षर अभियान में 13 जिलों की महिलाएं भी बड़ी भूमिका निभाएंगी। उन्होंने बताया कि किसान विकास समिति से जुडी महिला कार्यकर्ता गांव और ढ ाणियों में जाएंगी और सभी को ईआरसीपी के बारे में जानकारी देकर हस्ताक्षर कराएंगी। जनमत हस्ताक्षर पत्र को आमजन के लिए समर्पित किए जाने के दौरान किसान विकास समिति के प्रदेश संयोजक अमर सिंह नीमरोट, प्रदेश महामंत्री भरत सिंह डागुर, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश सिंह गुर्जर, प्रदेश मीडिया प्रभारी दीनदयाल सारस्वत, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष हरिमोहन गुर्जर, धवान के पूर्व सरपंच कैलाश मीना आदि पदाधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड, पाबूपुरा में चल रहे 23वें जोधपुर पोलो सीजन में गुरुवार को उम्मेद भवन पैलेस कप अरीना पोलो (4 गोल) टूर्नामेंट के तीसरे दिन दो मैच खेले गये। पहला मैच दोपहर 3 बजे ब्लैक बक्स व मेयो कॉलेज के बीच व व दूसरा मैच उम्मेद भवन पैलेस व इण्डियन नेवी के बीच खेला गया। एक गोल की शुरुआती बढत के साथ खेलते हुए मेयो कॉलेज की टीम ने ब्लैक बक्स को नौ के मुकाबले दस गोल कर एक गोल के अन्तर से हराया जबकि दो गोल की शुरुआती बढत के साथ खेलते हुए उम्मेद भवन टीम ने इण्डियन नेवी को तीन के मुकाबले दस गोल कर सात गोल के अन्तर से हराया। जोधपुर पोलो एवं इस्क्स्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के सचिव जंगजीत सिंह ने बताया कि टूर्नामेंट में गुरूवार दोपहर 3 बजे खेले गये मैच में काले टी-शर्ट में ब्लैक बक्स टीम की ओर से खेलते हुए धनन्जय सिंह ने पहले चक्कर में तीन गोल दागे।

शहीद डॉ. जितेंद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण

गांव सलेमपुर कला में प्रतिमा अनावरण के अवसर पर मौजूद परिजन।

हलैना, (निस)। भारत-पाकिस्तान की सीमा पर शहीद हुए गांव सलेमपुर कला निवासी बीएसएफ कमांडेंट डॉ जितेन्द्र सिंह स्मारक का लोकार्पण व शहीद की प्रतिमा का अनावरण भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया मुख्य आतिथ्य तथा शहीद के पिता समंदरसिंह की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के भाजपा के जिलाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र सिंह, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री महेंद्र जाटव, डांग विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जवाहरसिंह बेढम, सांसद रंजीता कोली पूर्व सांसद बहादुर सिंह कोली, पूर्व जिला प्रमुख राजवीर सिंह, पूर्व जिला प्रमुख द्वारकाप्रसाद गोयल, भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष मोहन रारह, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष डॉ पवन धाकड़, पंचायत समिति बयाना के प्रधान मुकेश कोली, पंचायत समिति वैर के पूर्व प्रधान पंकज बिजवारी विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि डॉ. सतीश पूनिया और अन्य अतिथियों ने शहीद की धर्मपत्नी रेनू सिंह शहीद के पिता समंदर सिंह शहीद की माता सुमित्रा सिंह शहीद की धर्म पति के भाई रतन सिंह आदि का शॉल और दुपट्टा ओढ़ कर कर सम्मान किया। बीएसएफ के जवानों ने शहीद डॉ. जितेंद्र सिंह को गॉड ऑफ ऑनर दिया और परिजनों का सम्मान किया।

नहर से मिला पानी, किसान खुश

कामां, (निस)। कामां क्षेत्र के कनवाड़ा ग्राम पंचायत, छिछरवाड़ी ग्राम पंचायत सहित सुनहरा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले दर्जनों गांवों में माइनर का पानी पहुंचने पर किसान खुश नजर आए।

किसानों ने मंत्री जाहिदा खान एवं ग्राम पंचायत सरपंचो का आभार व्यक्त किया। कनवाड़ा ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र गुर्जर ने बताया कि कनवाड़ा, छिछरवडी, सुनहरा तीनों ग्राम पंचायत के दर्जनों गांवों में जलस्तर भी काफी नीचे चला गया था। करीब पांच माह पहले मंत्री जाहिदा खान को किसानों की समस्या से अवगत कराया था। जिसके बाद मंत्री जाहिदा खान ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को पैमाइश कर किसानों की समस्या के लिए माइनर निकालने के लिए निर्देश दिए।

छिछरवाडी ग्राम पंचायत सरपंच अशोक सैनी और कनवाड़ा ग्राम पंचायत सरपंच ने सामूहिक तौर पर सिंचाई विभाग अधिकारियों के मार्गदर्शन में जेसीबी से इन्दौली से लेकर मुल्लाका मार्ग तक माइनर को खुदवाया गया। जिसमें बुधवार शाम को गुडगांवा कैनाल नहर से पानी पहुंचने के बाद किसानों की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। पूर्व जिला पार्षद सदस्य चंदन सिंह पहलवान के नेतृत्व में किसानों ने पीसीसी सदस्य और पूर्व प्रधान जलीस खान सहित कनवाड़ा सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र गुर्जर का फूल माला पहना एवं साफा बांधकर स्वागत किया।

नौंवे दिन भी जारी रहा न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन, नहीं लौटे काम पर

झुंझुनूं जिलाध्यक्ष मूंड की संदेहास्पद मौत की जांच को लेकर चल रहा आंदोलन

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ जिला शाखा झुंझुनूं के बैनर तले चल रहा प्रदर्शन नौंवे दिन भी जारी रहा। बृहस्पतिवार को धरने की अध्यक्षता न्यायिक कर्मचारी द्वारकाप्रसाद वर्मा, स्टेनोठाफर द्वारा की गई। जिला शाखा झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष अध्यक्ष सुभाषचंद्र मूंड ने बताया कि जयपुर मुख्यालय पर पदस्थापित साथी कर्मचारी सुभाष मेहरा की न्यायिक अधिकारी के आवास पर संदेहास्पद मृत्यु की जांच के संबंध में प्रदेश स्तर पर चल रहे आंदोलन में सम्मिलित होते हुए झुंझुनूं मुख्यालय सहित खेतडी, चिडावा, पिलानी, बुहाना, सूरजगढ, उदयपुरवाटी, नवलगढ के न्यायिक कर्मचारीगण ने बृहस्पतिवार को भी सामूहिक अवकाश पर रहकर कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर धरने पर बैठे तथा जब तक कर्मचारी संघ की मांगें नहीं मान ली जाती। तब तक जिला शाखा झुंझुनूं के कर्मचारीगण सहित संपूर्ण राजस्थान के न्यायिक कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहकर धरना प्रदर्शन करेंगे तथा मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में धरनास्थल पर सर्वसम्मति से निर्णय लेकर आंदोलन को तेज करने के लिए प्रभावी निर्णय लिए जाकर आंदोलन को आगे बढाया जाएगा।

जिलाध्यक्ष मूंड की हत्या मामले में जांच की मांग को लेकर साथी वकीलों ने प्रदर्शन किया।

कर्मचारी संघ अध्यक्ष द्वारा आगे जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान मंत्रालयिक कर्मचारी संघ झुंझुनूं एवं राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ झुंझुनूं द्वारा भी उक्त धरने को प्रतिदिन समर्थन दिया जा रहा है तथा अभिभाषक संघ झुंझुनूं द्वारा भी समर्थन किया गया तथा कर्मचारीगण की मांगे मानने के लिए बृहस्पतिवार को भी समस्त अभिभाषकों द्वारा कार्यस्थगन रखा गया तथा न्यायालयों में अपनी उपस्थिति नहीं दी गई।

धरने में धरनास्थल पर बाबूलाल सैनी, ताराचंद सैनी, महेंद्रसिंह, राजेशकुमार, सुरेंद्रकुमार, रामजीलाल, शीशराम, सुधीरकुमार, संजय मीणा, विक्रमसिंह पूनियां, जितेंद्रकुमार सैनी, सुरेश कुमार पूनियां, सुनिल यादव, अशोक जोशी, राजकुमार सैन, धर्मेंद्र कुमार, मोहम्मद रफीक, नरेश कुमार, अरुणसिंह शेखावत, झंडूराम, अमरचंद, प्रमोद कुमार, अशोककुमार सैनी, जयवीरसिंह, रविकुमार सैनी, कपिल शर्मा, गिरधारीसिंह शेखावत, गुलजार अली, मुकेश कुमार, राजेंद्रसिंह शेखावत, विकासकुमार, शुभम, सद्दाम हुसैन, विजयपाल, करणपालसिंह, रोहित शर्मा, सुभाषचंद्र सोनी, रामसिंह झाझडिया, विशाल सुरोलिया, हजारीलाल चंदेल सहित महिला कर्मचारीगण में रजनी चौधरी, निर्मला, अनिता, अंजना यादव, वेद कौर, सुनिता, किरण कुमारी, प्रज्ञा आदि न्यायिक कर्मचारी उपस्थित रहे। न्यायिक कर्मचारीगण के सामूहिक अवकाश पर रहने एवं अभिभाषक संघ झुंझुनूं द्वारा कार्यस्थगन रखे जाने के कारण न्यायालयों का समस्त कार्य प्रभावित हुआ तथा पक्षकारान को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पडा। अगर कर्मचारी संघ की मांगे नहीं मानी जाती हैं तो शुक्रवार को भी धरना जारी रहेगा।

खेल जगत

निश्चित रूप से यह भारतीय टीम सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रही। मैंने पिछले कुछ समय में टीम में वो जज्बा नहीं देखा। मैंने पिछले दो वर्षों में उनमें 'जोश' नहीं देखा। - मदनलाल

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, भारतीय टीम के बारे में।

आज का खिलाड़ी — रहीम स्टर्लिंग

इंग्लैंड के स्ट्राइकर रहीम स्टर्लिंग ब्रिटेन में अपना पारिवारिक मामला निपटाने के बाद फिर टीम से जुड़ जायेंगे। चेल्सी के फॉरवर्ड को अपने परिवार के साथ होने के लिये कतर में इंग्लैंड टीम को छोड़कर जाना पड़ा था जिससे वह रविवार को सेनेगल के खिलाफ राउंड 16 मैच में नहीं खेल पाये थे जिसमें टीम 3-0 से जीती थी। लेकिन अब वह शनिवार को अल बायत स्टेडियम में फ्रांस के खिलाफ होने वाले क्वार्टरफाइनल मैच से पहले गेरेथ साउथगेट की टीम से जुड़ने के लिये रवाना होंगे।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट मैच में लगातार पगबाधा आउट होने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के डब्लू वाटसन के नाम है। वाटसन सात पारियों में लगातार पगबाधा आउट हुए थे।

लाबुशेन, हेड के शतक से ऑस्ट्रेलिया मजबूत

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन को तीन विकेट के नुकसान पर 330 रन बनाये

एडिलेड, 8 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया ने मार्नस लाबुशेन (120 नाबाद) और ट्राविस हेड (114 नाबाद) के शतकों की बदौलत वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को तीन विकेट के नुकसान पर 330 रन बना लिये। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। डेविड वॉर्नर 29 गेंदों पर चार चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हो गये, जिसके बाद उस्मान ख्वाजा और लाबुशेन ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को आगे बढ़ाया। ख्वाजा ने सीरीज का अपना दूसरा अर्द्धशतक जमाते हुए 129 गेंदों पर नौ चौकों के साथ 62 रन बनाये और लाबुशेन के साथ 95 रन की साझेदारी की। वेस्ट इंडीज ने हालांकि उस्मान ख्वाजा के साथ स्टीव स्मिथ को भी शून्य पर आउट कर दिया, लेकिन लाबुशेन और हेड विकेट पर टिके रहे। लाबुशेन ने शृंखला की तीसरी पारी में अपना तीसरा शतक जड़ते हुए 235 गेंदों पर 11 चौकों के साथ नाबाद 120 रन बनाये, जबकि पिछले मैच में 99 रन पर आउट होने वाले हेड ने भी 139 गेंदों पर 12 चौके लगाकर 114 रन बना लिये। दिन का खेल खत्म होने तक दोनों बल्लेबाज चौथे विकेट के लिये 199 रन जोड़कर विकेट पर मौजूद हैं। वेस्ट इंडीज के लिये पदार्पण करने वाले मार्किनो मिंडली लंच से पहले केवल दो ओवर ही फेंक सके और उन्हें मांसपेशी में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके अलावा अल्ज़ारी जोसेफ़, जेसन होल्डर और डेवन थॉमस ने एक-एक विकेट लिया।

सीए पर बरसे क्लार्क, कहा वॉर्नर को बनाया बलि का बकरा

मेलबर्न, 8 दिसंबर। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने देश के क्रिकेट बोर्ड पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि गेंद से छेड़खानी मामले के बाद डेविड वॉर्नर को 'बलि का बकरा' बनाया गया। उस प्रकरण के चार साल बाद वॉर्नर पर अभी भी कप्तानी को लेकर आजीवन प्रतिबंध लगा हुआ है जबकि उस मामले में वॉर्नर के समान ही दोषी रहे स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ दिन रात के टेस्ट में कप्तानी कर रहे हैं। वॉर्नर ने नाराजगी में बुधवार को कप्तानी से आजीवन प्रतिबंध हटाने के लिये अपना आवेदन वापिस ले लिया। क्लार्क ने बिग स्पोटर्स ब्रेकफास्ट में कहा ,'' वह निराश और दुखी है । वह इस बात से और भी दुखी होगा कि स्टीव स्मिथ को टेस्ट कप्तानी का मौका दिया जा रहा है ।'' उन्होंने कहा मैं उसकी निराशा समझ सकता हूं । उसे कप्तानी से वंचित कर दिया गया । बोर्ड का रवैया भी अस्थिर रहा है। यह अविश्वसनीय है कि एक के लिये कुछ और नियम और दूसरे के लिये कुछ और । अगर बोर्ड को लगता है कि दक्षिण अफ्रीका में उस मामले में शामिल सभी लोगों को कप्तानी से परे रखा जायेगा तो यह उचित होता ।'' उन्होंने कहा लेकिन वॉर्नर पर प्रतिबंध बरकरार है और स्मिथ को कप्तान बना दिया गया है या कैमरून बेनक्रॉफ्ट को भी मौका मिल जाये तो फिर वॉर्नर को क्यो नहीं । उसे बलि का बकरा बनाया गया है ।''

एआईएफएफ की पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीम को मैच फीस देने की योजना

नयी दिल्ली, 8 दिसंबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के महासचिव शाजी प्रभाकरण ने कहा कि अगर एआईएफएफ अपने वित्तीय स्त्रोतों को बढ़ाने में सफल रहता है तो राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों (पुरूष और महिला) को जल्द ही मैच फीस दी जायेगी। इस महीने के अंत में भारतीय फुटबॉल विकास के लिये 'रोडमैप' के अंतर्गत कई पहल की घोषणा की जायेगी। प्रभाकरण ने कहा कि कार्यकारी परिषद राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के लिये मैच फीस शुरू करने का फैसला करेगी। उन्होंने हालांकि एआईएफएफ की बजट संबंधित बाधाओं के कारण इसके लिये कोई समय सीमा नहीं दी लेकिन संकेत दिया कि यह मौजूदा कार्यकाल के दौरान ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''हमारी पुरूष और महिला टीम के खिलाड़ियों को मैच फीस मिलनी चाहिए। हमें सिर्फ 'टोकन' राशि नहीं देनी चाहिए, इसकी आर्थिक अहमियत होनी चाहिए। प्रभाकरण ने कहा, ''अगर देश के लिये खेलने वाले एक खिलाड़ी आर्थिक रूप से कुछ हासिल नहीं कर रहा तो एक परिवार या समुदाय उसे एक सीमा के बाद कैसे मदद करेगा। हम कार्यकारी समिति में इस मामले पर चर्चा करेंगे। उन्होंने हालांकि यह स्वीकार किया कि एआईएफएफ का मौजूदा सालाना बजट 100 करोड़ रूपये से थोड़ा अधिक है जो तुंरत राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को मैच फीस देने की इजाजत नहीं देगा। लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि महासंघ एक स्तर तक वित्तीय स्त्रोतों को बढ़ाने में सफल रहेगा जिससे इस पहल को लागू किया जा सकेगा।

बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स : लु गुआंग से भी हारे प्रणय, सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर

बैंकॉक, 8 दिसंबर। भारत के एचएस प्रणय को गुरुवार को यहां ग्रुप ए के अपने दूसरे मैच में चीन के लु गुआंग जू से तीन गेम में हार का सामना करना पड़ा जिससे वह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन फाइनल्स के सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गये। केरल के रहने वाले 30 वर्षीय प्रणय को 84 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-23, 21-17, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इन दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच दूसरा मुकाबला था। इससे पहले उनकी भिड़ंत इस साल फ्रेंच ओपन में हुई थी और उस मैच में भी चीनी खिलाड़ी ने बाजी मारी थी।

विश्व कप फुटबॉल क्वार्टरफाइनल

क्रोएशिया के विरुद्ध ब्राजील का पलड़ा भारी

अल रैयान, 8 दिसंबर। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राज़ील फीफा विश्व कप 2022 के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में शुक्रवार को पिछली बार की उपविजेता क्रोएशिया का सामना करेगी। दोनों टीमें अपने-अपने सुपर-16 मुकाबलों में एशियाई प्रतिद्वंदी को हराकर आ रही हैं। ब्राज़ील ने जहां अपने पिछले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से रौंदा, वहीं क्रोएशिया को शीर्ष-8 में पहुंचने के लिये संघर्ष करना पड़ा। लुका मोड्रिक की टीम ने आधिकारिक समय 1-1 के ड्रॉ पर समाप्त होने के बाद जापान को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से मात दी।

आमने-सामने के मुकाबलों में भी ब्राज़ील का पलड़ा क्रोएशिया पर भारी है। ब्राज़ील ने यूरोपीय प्रतिद्वंदी के खिलाफ चार में से तीन मैचों में जीत दर्ज की है जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा है। इनमें से दो मुकाबले विश्व कप में खेले गये थे। दोनों टीमें 2018 विश्व कप में भी आमने-सामने आयी थीं जहां ब्राज़ील ने नेमार जूनियर और रोबर्टो फिरमिनो के गोलों की मदद से जीत का परचम लहराया था। क्रोएशिया को इस मुकाबले में नेमार के अलावा रिचार्लीसन और कासमीरो से भी सावधान रहना होगा। रिचार्लीसन ने जहां विश्व कप 2022 में तीन गोल किये हैं, वहीं कासेमीरो ने स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ निर्णायक गोल जमाया था। मिडफील्ड के जुझारू खिलाड़ी कासेमीरो से निपटने के लिये क्रोएशिया के कप्तान मोड्रिक को खुद आगे आना होगा। रिचार्लीसन के आक्रामक खेल को रोकने के लिये क्रोएशिया 20 वर्षीय जोस्को ग्वर्डिओल पर निर्भर रहेगा। ग्वर्डिओल इस विश्व कप में क्रोएशियाई रक्षण के महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं और उन्हें पार पाना रिचार्लीसन के लिये बड़ी चुनौती होगी।

क्वार्टरफाइनल में नेमार को बेअसर करने की जिम्मेदारी मार्सेलो ब्रोज़ोविक पर होगी। मोड्रिक, इवान राकिटिक और माटेओ कोवासिक से सजी क्रोएशियाई मिडफील्ड में ब्रोज़ोविक के बारे में कम बात की जाती है लेकिन वह अपनी कौशल की कमी की भरपाई अपने स्टैमिना से करते हैं। ब्रोज़ोविक ने जापान के खिलाफ 16.7 किमी की दूरी तय करते हुए 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाये गये 16.3 किमी के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा था। यदि वह नेमार पर लगाम लगाने में विफल रहते हैं, तो क्रोएशिया को ब्राजील के अंतहीन आक्रमण का सामना करना पड़ेगा।

नीदरलैंड की चुनौती को पार करने उतरेगी अर्जेंटीना

लुसैल, 8 दिसंबर। लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना यहां लुसैल स्टेडियम पर फीफा विश्व कप 2022 के दूसरे क्वार्टरफाइनल में शनिवार को वर्जिल वैन डिज्क की नीदरलैंड का सामना करेगी। अर्जेंटीना ने अपने सुपर-16 मुकाबले में आस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में कदम रखा, जबकि नीदरलैंड आसानी के साथ अमेरिका को 3-1 से मात देकर आ रही है। अर्जेंटीना ने टूर्नामेंट की शुरुआत सऊदी अरब के हाथों 1-2 से हारकर की थी लेकिन उसके बाद मेसी की टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए लगातार तीन विजय हासिल की हैं।

नीदरलैंड ने अर्जेंटीना के खिलाफ खेले गये नौ में से चार मुकाबले जीते हैं, जबकि चार मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। फीफा विश्व कप में हालांकि दोनों टीमें बराबरी पर हैं। शीर्ष टूर्नामेंट में पांच बार भिड़ते हुए अर्जेंटीना और नीदरलैंड ने दो-दो मुकाबले जीते हैं जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। संभवत: अपना आखिरी विश्व कप खेल रहे मेसी इतिहास को पीछे छोड़कर नीदरलैंड को शिकस्त देना चाहेंगे। सऊदी अरब के हाथों उलटफेर का शिकार होने के बाद मेसी ने टीम का बेहतरीन नेतृत्व किया है और पिच के बीच में रहते हुए फॉरवर्ड पंक्ति के लिये कई मौके बनाये हैं। मेसी के नाम इस विश्व कप में चार मैचों में तीन गोल हैं। इसके अलावा उन्होंने अर्जेंटीना के लिये अब तक 10 मौके भी बनाये हैं। नीदरलैंड हालांकि टूर्नामेंट की सबसे मजबूत रक्षण वाली टीमों में से एक है और मेसी को गोल करने के लिये विपक्षी टीम के पेनल्टी क्षेत्र में ज्यादा समय बिताना होगा।

बॉक्स में वैन डिज्क की उपस्थिति निश्चित ही मेसी की सबसे चुनौतीपूर्ण बाधाओं में से एक होगी। नीदरलैंड के खिलाफ अब तक टूर्नामेंट में सिर्फ दो गोल हुए हैं, जिसमें वैन डिज्क की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नीदरलैंड के बॉक्स में वैन डिज्क और मेसी के बीच दिलचस्प लड़ाई देखने को मिलेगी। शारीरिक क्षमता के मामले में 31 वर्षीय वैन डिज्क का पलड़ा 35 वर्षीय मेसी पर भारी है, लेकिन अर्जेंटीना को आगे लाने के लिये मेसी का बॉल को दिशा दिखाना ही काफी है।

कप्तानी को लेकर घमंड नहीं : हीली

नवी मुंबई, 8 दिसंबर। आस्ट्रेलिया की कार्यवाहक कप्तान एलिसा हीली भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में अपनी टीम की अगुवाई करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। हीली को भारतीय मैदान काफी रास आते हैं। उन्होंने चार साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक भारत में ही बनाया था।

बल्लेबाजी का आगाज करने वाली इस विकेटकीपर ने ऑस्ट्रेलिया के 2018 के दौरे के दौरान वड़ोदरा में तीसरे वनडे में 115 गेंदों पर 133 रन बनाकर अपनी टीम को 97 रन से जीत दिलाई थी। हीली ने पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच की पूर्व संध्या पर कहा,'' मुझे यहां का दौरा करना बहुत पसंद है। यहां से मेरी कई अच्छी यादें जुड़ी हैं जिनमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहला शतक जड़ना भी शामिल है। उन्होंने कहा,'' मैं वास्तव में एक अच्छी टीम के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हूं। हम लंबे समय बाद यहां एक दूसरे का सामना करेंगे। एक कप्तान के तौर पर यह मेरे लिए उत्साहजनक है।'' नियमित कप्तान मेग लैनिंग के निजी कारणों से अनिश्चित काल के लिए 'ब्रेक' लेने के कारण हीली को कप्तानी का जिम्मा सौंपा गया।

विश्व कप से पहले मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी भारत की परीक्षा

नवी मुंबई, 8 दिसंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिये श्रृंखला की तैयारियां इतनी आदर्श नहीं रही हैं लेकिन खिलाड़ी शुक्रवार से यहां मजबूत आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में मजबूत इरादे से मैदान पर उतरने के लिये प्रतिबद्ध होंगी।

दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप शुरू होने में अभी दो महीने का समय है जिससे इन पांच मैचों के बाद हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को अपनी स्थिति का अच्छी तरह अंदाजा हो जायेगा। श्रृंखला के शुरूआती मैच से तीन दिन पहले ही अचानक से मुख्य कोच रमेश पवार को बर्खास्त कर दिया गया और पूर्व भारतीय बल्लेबाज ऋषिकेश कानिटकर को बल्लेबाजी कोच के तौर पर सहयोगी स्टाफ की जिम्मेदारी सौंपी गयी। भारत ने अक्टूबर में एशिया कप जीतने में कामयाबी हासिल की, हालांकि टीम में ज्यादा ही प्रयोग किया गया जिसका खामियाजा उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ लीग मैच में मिली हार से उठाना पड़ा। हाल में भारत मजबूत आस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने में सफल रहा है लेकिन वह जीत तक नहीं पहुंच सका। ऐसा ही एक मुकाबला अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में हुई पिछली भिड़ंत रहा जिसमें उन्हें लक्ष्य का पीछा करते हुए हार मिली।

बल्लेबाजी क्रम स्थिर दिखता है जिसमें स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के काफी रन जुटाने की उम्मीद है। उनकी सलामी जोड़ीदार शेफाली वर्मा की शार्ट गेंद के खिलाफ कमजोरी को देखते हुए आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज उन्हें दबाव में ला सकती हैं। शेफाली को अगले महीने होने वाले अंडर-19 विश्व कप में टीम की अगुआई की जिम्मेदारी दी गयी है।

लिविंगस्टोन की जगह मार्क वुड दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल

मुल्तान, 8 दिसंबर। पाकिस्तान के मुल्तान की पिच को स्पिनरों के अनुकूल बनाने की कवायद को नजरअंदाज करते हुए इंग्लैंड ने शुक्रवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए तेज गेंदबाज मार्क वुड को अपनी टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड ने रावलपिंडी में खेले गए पहले टेस्ट मैच में 74 रन से जीत दर्ज करने वाली टीम में केवल एक बदलाव किया है। वुड ऑलराउंडर लियम लिविंगस्टोन की जगह लेंगे जो पहले टेस्ट के दौरान चोटिल होने के कारण स्वदेश लौट गए थे।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने वुड को टीम में शामिल करने के बारे में गुरुवार को कहा,'' एक ऐसा गेंदबाज जो कि 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी करता हो उसे किसी भी टीम में शामिल करना बोनस जैसा होगा।'' वुड ने इस साल मार्च से कोहनी की चोट के कारण कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है।

हॉकी विश्वकप से पहले भुवनेश्वर, राउरकेला में बिछी नयी पिचें

भुवनेश्वर, 8 दिसंबर। एफआईएच ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 से पहले यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम और राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में चार नयी पिचें बिछायी गयी हैं। हॉकी इंडिया ने यहां जारी विज्ञिप्त में कहा कि कलिंगा स्टेडियम में मुख्य पिच के साथ-साथ अभ्यास पिच को फिर से बिछाया गया है, जबकि राउरकेला में अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) द्वारा प्रमाणित बिल्कुल नयी पिचें बिछी हैं। पुरुष विश्व कप 2023 इस अत्यधिक प्रतिष्ठित आयोजन का 15वां संस्करण होगा। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले राउरकेला में नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम और भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले जायेंगे। अगले साल 13 से 29 जनवरी तक होने वाले प्रतिष्ठित कार्यक्रम में भारत सहित दुनिया भर की शीर्ष 16 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के लिये 16 टीमों को चार पूल में विभाजित किया गया है। भारत पूल-डी में इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप टिर्की ने कहा, मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि एफआईएच द्वारा प्रमाणित सभी नयी पिचें उपयोग के लिये तैयार हैं। कलिंगा हॉकी स्टेडियम और बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम दोनों भाग लेने वाली टीमों और दर्शकों के लिये विश्व स्तरीय सुविधायें प्रदान करेंगे। हम इसके लिये ओडिशा राज्य सरकार के आभारी हैं, जिन्होंने यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है कि विश्व कप का यह संस्करण हर किसी के लिये यादगार हो। गौरतलब है कि भारत इससे पहले 2010 और 2018 में भी पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी कर चुका है।

पारी की जीत से 8 विकेट दूर भारत-ए

सिलहट, 8 दिसंबर। भारत-ए ने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन गुरुवार को पहली पारी 562/9 के स्कोर पर घोषित करके बंगलादेश-ए पर 310 रन की विशाल बढ़त बना ली। दिन का खेल खत्म होने तक बंगलादेश-ए ने दो विकेट के नुकसान पर 49 रन बना लिये, जबकि उसे भारत-ए के सामने लक्ष्य रखने से पहले 261 रन और बनाने हैं। बंगलादेश-ए ने दूसरे दिन 72 रन से पिछड़ने के बाद तीसरे दिन की अच्छी शुरुआत की और छठे ओवर में भारतीय कप्तान अभिमन्यू ईश्वरन को 157 रन पर आउट कर दिया। अभिमन्यू ने अपनी 248 गेंदों की पारी में 14 चौके और दो छक्के जड़े। जयंत यादव और सौरभ कुमार ने इसके बाद सातवें विकेट के लिए 86 रन जोड़कर भारत-ए को 500 रन के करीब पहुंचाया। सौरभ ने आक्रामक क्रिकेट खेलते हुए 39 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों के साथ 55 रन बनाये। जयंत और 10वें नंबर के बल्लेबाज नवदीप सैनी ने भी अर्द्धशतक जमाकर बंगलादेश-ए के आक्रमण को कमजोर कर दिया।

राजस्थान पोलो ग्राउंड पर खेले जा रहे भावनगर पोलो ट्रॉफी में गुरुवार को पहले मुकाबले में रजनीगंधा अचीवर्स ने कृष्णा पोलो को 6-5 से हराया। दूसरे मुकाबले में बेदला चांदना पोलो ने केरीसिल पोलो को साढ़े चार के मुकाबले सात गोल से हराया।

विश्व कप से बाहर होने के बाद स्पेनिश कोच की छुट्टी

दोहा, 8 दिसंबर। स्पेनिश फुटबॉल महासंघ ने गुरूवार को कहा कि लुई एनरिक अब पुरूष राष्ट्रीय टीम के कोच नहीं रहेंगे और उनकी जगह लुई डि ला फुएंटे को कोच बनाने की घोषणा की। विश्व कप के राउंड 16 से बाहर होने के दो दिन बाद यह फैसला किया गया। मोरक्को ने नियमित और अतिरिक्त समय में गोलरहित स्कोर के बाद स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 3-0 से हारकर विश्व कप से बाहर कर दिया था। महासंघ ने कोच का धन्यवाद किया लेकिन कहा कि यह 'नयी योजना शुरू करने' का समय था ताकि हाल के वर्षों में कोच द्वारा हासिल की गयी कामयाबी को बरकरार रखा जाये। महासंघ ने कहा कि खेल अधिकारियों की सिफारिशों के बाद यह बदलाव किया गया।

सेविला और एथलेटिक बिलबाओ के पूर्व लेफ्ट बैक ला फुएंटे ने स्पेन की अंडर-19 टीम को 2015 में यूरोपीय चैम्पियनशिप दिलाने में मदद की थी। उन्होंने अंडर 21 टीम को यूरो 2019 में जीत दिलायी थी। वह स्पेन की उस टीम के भी कोच थे जिसने तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था। उन्होंने एक बार सीनियर टीम की कोचिंग भी की थी। स्पेन ने कतर में विश्व कप में अच्छी शुरूआत करते हुए कोस्टा रिका को 7-0 से हराया था लेकिन 'ला रोजा' की टीम अपने अंतिम तीन मैचों में जीत दर्ज नहीं कर सकी। उसने जर्मनी से 1-1 से ड्रा खेला और फिर उसे जापान से 1-2 से हार मिली।

पहले टेस्ट के लिये चोटिल तमीम की जगह जाकिर को तलब किया

मीरपुर, 8 दिसंबर। बंगलादेश ने भारत के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिये चोटग्रस्त तमीम इकबाल की गैरमौजूदगी में ज़ाकिर हसन को टीम में शामिल किया है। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

जाकिर को भारत-ए और बंगलादेश-ए के बीच खेली जा रही अनौपचारिक टेस्ट मैच सीरीज के प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय स्क्वाड में शामिल किया है। ज़ाकिर ने पहले अनौपचारिक टेस्ट की दूसरी पारी में 173 रन बनाये, जिसकी बदौलत मेजबान टीम ने ड्रॉ खेला। इसके बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ने दूसरे मैच की पहली पारी में भी 46 रन का योगदान दिया।

गौरतलब है कि तमीम कमर में चोट लगने के कारण टीम से बाहर हैं। वह इस चोट के कारण तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले सके हैं। इसी बीच, अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर रहने वाले तस्कीन अहमद को भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

भारत और बंगलादेश के बीच पहला टेस्ट 14 दिसंबर से चटोग्राम में, जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट 22 दिसंबर से ढाका में शुरू होगा। मेजबान टीम पहले ही वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुकी है। पहले टेस्ट के लिए बंगलादेश टीम : महमूदुल हसन जॉय, नजमुल हसन शान्तो, मोमिनुल हक, यासिर अली चौधरी, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, नुरुल हसन, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन, शोरफुल इस्लाम, जाकिर हसन, रेजौर रहमान राजा, अनामुल हक बिजॉय।

कानिटकर के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है हरमनप्रीत

मैंने हमेशा रमेश सर के साथ काम करने का आनंद लिया है। हम उनके अधीन एक टीम के रूप में विकसित हुए हैं और बहुत कुछ सीखा है। उन्हें बतौर स्पिन-गेंदबाजी कोच एनसीए में स्थानांतरित करना बीसीसीआई का फैसला है। ऋषि सर हमारे साथ हैं।

कानिटकर शांत हैं और हमें किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जो हमें मैदान पर शांति प्रदान कर सके। हमने अतीत में देखा है कि कभी-कभी महत्वपूर्ण स्थिति में, लड़कियों को किसी शांत व्यक्ति के समर्थन की आवश्यकता होती है जो उनके विचारों के माध्यम से उनका मार्गदर्शन कर सके। श्रीलंका में इसका अनुभव करने के बाद जब हमें पता चला कि वह ऑस्ट्रेलिया शृंखला के लिये टीम के साथ होंगे तो हमें काफी अच्छा महसूस हुआ

मुंबई, 8 दिसंबर। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नवनियुक्त बल्लेबाजी कोच ऋषिकेश कानिटकर की तारीफ करते हुए गुरुवार को कहा कि टीम को उनके साथ तालमेल बैठाने में कोई समस्या नहीं होगी। कानिटकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 शृंखला के दौरान टीम की देखरेख करेंगे। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने पुनर्गठन मॉड्यूल पर काम करते हुए पूर्व कोच रमेश पवार को बतौर स्पिन-गेंदबाजी कोच राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में स्थानांतरित कर दिया है। इसी के साथ महिला टीम के कोच के रूप में पवार का दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया। हरमनप्रीत ने पहले टी20 मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मैंने हमेशा रमेश सर के साथ काम करने का आनंद लिया है। हम उनके अधीन एक टीम के रूप में विकसित हुए हैं और बहुत कुछ सीखा है। उन्हें बतौर स्पिन-गेंदबाजी कोच एनसीए में स्थानांतरित करना बीसीसीआई का फैसला है। ऋषि सर हमारे साथ हैं। हम श्रीलंका में उनके साथ बहुत अच्छा अनुभव रहा। वह काफी अनुभव लेकर आये हैं और हम केवल आगे की ओर देख रहे हैं। हमारी टीम सही हाथों में हैं।

हरमनप्रीत ने कहा, कानिटकर शांत हैं और हमें किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जो हमें मैदान पर शांति प्रदान कर सके। हमने अतीत में देखा है कि कभी-कभी महत्वपूर्ण स्थिति में, लड़कियों को किसी शांत व्यक्ति के समर्थन की आवश्यकता होती है जो उनके विचारों के माध्यम से उनका मार्गदर्शन कर सके। श्रीलंका में इसका अनुभव करने के बाद जब हमें पता चला कि वह ऑस्ट्रेलिया शृंखला के लिये टीम के साथ होंगे तो हमें काफी अच्छा महसूस हुआ।

हाल ही में भारतीय पुरुष टीम के साथ न्यूजीलैंड दौरे पर गये कानिटकर ने श्रीलंका में बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में महिला टीम के साथ काम किया था। भारत ने उस दौरे पर टी20 शृंखला 2-1 से जीती, जबकि एकदिवसीय सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। तीसरे वनडे में 124 रन पर छह विकेट गंवाने के बावजूद भारत हरमनप्रीत और पूजा वस्त्राकर की 97 रन की साझेदारी के दम पर 255 रन बनाने में कामयाब रहा। हरमनप्रीत ने कहा, उन्होंने हमें बल्लेबाजी इकाई के रूप में अपने लक्ष्य हासिल करने में मदद की। श्रीलंका में कुछ मैच ऐसे थे जहां हमने शुरुआती विकेट खो दिये थे, लेकिन फिर भी हम 250 रन बनाने में सक्षम थे। जिस तरह से वह हमारे सामने चीजें पेश कर रहे थे, उससे हर कोई खुश था।

बीसीसीआई ने फिलहाल यह पुष्टि नहीं की है कि महिला टीम में पवार की जगह कौन लेगा, लेकिन हरमनप्रीत का मानना है कि टीम कानिटकर की निगरानी में दो महीने बाद होने वाले महिला विश्व कप के लिये अच्छी तैयारी कर रही है।

हरमनप्रीत ने कहा, नये कोच के साथ काम करना मुश्किल होता, लेकिन हम पहले ही ऋषि सर के साथ काम कर चुके हैं इसलिए मुझे नहीं लगता कि कोई समस्या होगी। एक नये कोच के साथ आपको यह बताना होगा कि हम कैसे काम कर रहे हैं और हम कैसे आगे बढ़ना चाहते हैं। ऋषि सर पहले से ही इसके बारे में जानते हैं और यह ज्यादा बदलने वाला नहीं है। हम पिछले तीन महीनों में जिस तरह से खेलते आये हैं, उसी तरह से खेलना जारी रखना चाहते हैं और मुझे नहीं लगता कि हम जिस तरह से खेलते हैं उसमें हम ज्यादा बदलाव करेंगे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया टी20 श्रृंखला के लिये अनुभवी ऑलराउंडर स्नेह राणा को साथ-साथ फिनिशर की भूमिका निभाने वाली दयालन हेमलता और किरण नवगिरे को टीम से बाहर रखा है। दूसरी ओर, सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाली वामहस्त तेज गेंदबाज अंजलि सरवानी को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। हरमनप्रीत ने कहा कि राणा के लिये टीम के दरवाजे बंद नहीं हुए हैं, लेकिन घरेलू कलाकारों को उनके प्रदर्शन के लिये पुरस्कृत किया गया है।

उन्होंने कहा, अगर आप अंजलि की बात करें तो उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लिये और अन्य खिलाड़ियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। चयन आपके प्रदर्शन पर निर्भर करता है और जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है वे टीम में हैं। स्नेह राणा और सभी अच्छे खिलाड़ी हैं। आने वाले टूर्नामेंट में जब भी वे अच्छा करेंगे तो टीम में वापस आयेंगे। हम उन पर नजर रख रहे हैं। ऐसा नहीं है कि अगर आज वो टीम में नहीं हैं तो हम उन्हें नज़रअंदाज़ कर रहे हैं। वे व्यवस्था का हिस्सा हैं और जब वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो वापसी करेंगे।

हरमनप्रीत ने यह भी पुष्टि की कि अगले महीने होने वाले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिये चुनी गयीं शेफाली वर्मा और ऋचा घोष ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलेंगी। दोनों खिलाड़ी अगले महीने दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के विरुद्ध होने वाली त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला में भी नहीं खेलेंगी।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 9 फरवरी से

मुंबई, 8 दिसंबर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की शृंखला नागपुर में नौ फरवरी से शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने भारत के घरेलू सत्र 2023 की घोषणा करते हुए बताया कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चार मैच नागपुर (9-13 फरवरी) के अलावा दिल्ली (17-21 फरवरी), धर्मशाला (1-5 मार्च) और अहमदाबाद (9-13 मार्च) में खेले जायेंगे। गौरतलब है कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया में आयोजित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2020-21 में मेज़बान टीम को 2-1 से हराया था। फरवरी में शुरू होने वाली शृंखला भारत की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों के लिये भी महत्वपूर्ण होगी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया तीन एकदिवसीय मैचों के साथ अपना भारत दौरा समाप्त करेगा। यह वनडे मुकाबले क्रमश: मुंबई (17 मार्च), विशाखापटनम (19 मार्च) और चेन्नई (22 मार्च) में आयोजित होंगे। इससे पहले भारत साल की शुरुआत में सीमित ओवर शृंखलाओं के लिये श्रीलंका और न्यूजीलैंड की मेजबानी भी करेगा। श्रीलंका के भारत दौरे की शुरुआत तीन जनवरी से तीन टी20 मैचों के साथ होगी, जिसके बाद दोनों टीमें तीन एकदिवसीय मैचों में एक दूसरे का सामना करेंगी।

भारत जोड़ो यात्रा के कोटा चरण में राहुल गांधी ने कोटा के कोचिंग छात्रों को संबोधित किया। इस दौरान मंच पर खड़े शांति धारीवाल को सुरक्षाकर्मी धक्का देकर पीछे ले जाते नज़र आए।

शांति धारीवाल को एहसास हो गया होगा कि, आलाकमान कौन होता है?

धारीवाल ने 25 सितम्बर के घटनाक्रम के बाद कहा था, कौन होता है आलाकमान, यहां जो कुछ है अशोक गहलोत हैं

- **कोटा में शक्ति प्रदर्शन के बावजूद धारीवाल को पहले तो राहुल गांधी के सुरक्षा घेरे से पकड़कर बाहर कर दिया गया, बाद में मंच से धक्का देकर सुरक्षाकर्मियों ने पीछे कर दिया, उनके बेटे का भी हाथ पकड़कर सुरक्षाकर्मियों ने बाहर निकला दिया।**
- **कहा जा रहा है कि, धारीवाल के जरिए एहसास करा दिया गया है कि, अनुशासनहीनता के मामले में कार्यवाही जल्द होने वाली है।**

जयपुर, 8 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने एक बार मीडिया के सवाल के जवाब में कहा था कि कौन होता है आलाकमान, राजस्थान में तो आलाकमान अशोक गहलोत ही है। लेकिन पिछले 2 दिनों से राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कोटा चरण में जितने भी घटनाक्रम हुए, उसमें शांति धारीवाल को इस बात का एहसास अवश्य हो गया होगा कि कांग्रेस में आलाकमान कौन है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जब कोटा में प्रवेश कर रही थी, तो बुधवार को लाडपुरा की सभा में राहुल गांधी ने शांति धारीवाल का नाम तक नहीं लिया, ना ही उनसे रूबरू हुए। इतना ही नहीं उनके गृह क्षेत्र में भी उन्हें सभा में माइक तक नहीं पकड़ने दिया।

आलाकमान की ताकत की झलक शांति धारीवाल को गुरुवार को कई बार मिली, जब भारत जोड़ो यात्रा कोटा शहर से निकल रही थी। एक बार सुबह जब शांति धारीवाल राहुल गांधी के आगे बनाई गई डी में चल रहे थे, तो सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़कर डी के रस्से से बाहर निकाल दिया। इसके बाद जब कोटा में स्टूडेंट के साथ राहुल गांधी मुलाकात करने गए , तो मंच पर शांति धारीवाल भी चढ़े। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़कर पीछे धकेल दिया। शांति धारीवाल को कभी यह उम्मीद नहीं रही होगी कि कोटा में किसी मंच पर उनके साथ ऐसा भी हो सकता है। जब यात्रा आगे बढ़ रही थी तो धारीवाल के पुत्र अमित धारीवाल भी राहुल गांधी के पीछे आ गए, तो सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़ा और एक तरफ धक्का मारते हुए बाहर निकाल दिया। जबकि धारीवाल इस यात्रा में अपने पुत्र के होर्डिंग लगाकर उसे राजनीतिक मंच पर लांच करने का प्रयास कर रहे थे।

यह कोई साधारण घटनाक्रम नहीं है, बल्कि ऐसी सच्चाई है जो सबके सामने नज़र आ रही है। दरअसल राजनीतिक चर्चाओं में बताया जा रहा है कि जिस तरह से 25 सितंबर का घटनाक्रम हुआ और उस घटनाक्रम में शांति धारीवाल का सरकारी आवास ही काम नहीं आया, बल्कि खुद धारीवाल ने खुलकर तत्कालीन प्रभारी अजय माकन पर आरोप भी लगाए। इसके बाद धारीवाल सहित महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस जारी हुए, लेकिन इन पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। यहां तक पिछले दिनों तत्कालीन प्रभारी अजय माकन ने राजस्थान का प्रभार तक छोड़ दिया और अपने पत्र में जोशी, धारीवाल, और राठौड़ पर कार्यवाही नहीं होने पर रोष जताया। उसके बाद लग रहा था कि इस मामले को लेकर आलाकमान कोई सख्त कदम उठाएगा। हालांकि उस समय तो ऐसा कुछ भी नज़र नहीं आया कि आलाकमान 25 सितंबर के घटनाक्रम और तत्कालीन प्रभारी अजय माकन की नाराजगी के बाद में इन नेताओं को लेकर किस तरह का रवैया अपना रहा है। लेकिन कोटा में शांति धारीवाल को आलाकमान ने अपनी ताकत का एहसास करा दिया है।

आलाकमान के मानस का संकेत तो तभी मिल गया था जब भारत जोड़ो यात्रा के संबंध में समिति बनाई गई, तो शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ को स्थान नहीं दिया गया और दूसरा संकेत तब मिला जब कोटा, जिसे धारीवाल का गढ़ कहा जाता है, राहुल गांधी ने धारीवाल को कोई तवज्जो नहीं दी, गहलोत के तमाम प्रयासो के बाद भी और धारीवाल शक्ति प्रदर्शित करके भी राहुल गांधी की नजरों में नहीं आ पाए।

गुजरात में शर्मनाक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जायेगा। मुख्यमंत्री की नियुक्ति में प्रियंका की चलने की संभावना है क्योंकि हिमाचल प्रदेश को वे ही संभाल रही थी। अगले चन्द दिन में इसका निर्णय होने की संभावना है क्योंकि गांधी परिवार इस समय रणथंभौर में है। गुजरात में भाजपा ने भारी बहुमत से अभूतपूर्व विजय हासिल की है। इस जीत का श्रेय आप पार्टी को भी मिलना चाहिये क्योंकि उसने कांग्रेस के वोटों में सैंध लगाकर भाजपा की मदद की है। उधर ओवेसी ने कांग्रेस के मुस्लिम वोट काटे हैं।

लेकिन ये सब कारण भी भाजपा की जबरदस्त जीत की सफाई नहीं माने जा सकते। दरअसल, कांग्रेस ने चुनाव में मेहनत ही नहीं की थी।

यह प्रश्न पूछा जा रहा है कि क्या अशोक गहलोत की गौतम अडानी से नजदीकी तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी मीटिंग भी कांग्रेस पार्टी के इस खराब प्रदर्शन का एक कारण थे।

जाहिर है, ये दिलचस्प प्रश्न अपना जवाब माँग रहे हैं।

बूंदी जिले के गुड़ली में 9 तारीख को विश्राम करेंगे भारत जोड़ो यात्री

भारत जोड़ो यात्रा के विश्राम के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट बयाना में एक सामुहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए

- **12 दिसम्बर को राहुल गांधी के साथ महिला यात्री पैदल चलेंगी, यात्रा के विश्राम के बाद पायलट पहुंचे बयाना, तो गहलोत लौटे जयपुर।**

जयपुर, 8 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के चौथे दिन राहुल गांधी, सचिन पायलट सहित अन्य कांग्रेस नेता 6 घंटे में 23 किमी चलकर गुडली तक पहुंचे। कोटा से शुरू हुई यह यात्रा बूंदी जिले में प्रवेश कर गई है और केशोरायपाटन विधानसभा क्षेत्र में पहुंच गई है। शाम को यात्रा को विराम दे दिया गया। यहां से राहुल गांधी हेलीकॉप्टर से रणथम्भौर पहुंच गए। वहां वे सोनिया गांधी से मिलेंगे। पूर्व कार्यक्रम के अनुसार 9 दिसंबर को यात्रा का विश्राम रहेगा। अब दस दिसंबर को बूंदी जिले के गुडली से यात्रा की शुरुआत होगी।

इससे पहले चौथे दिन शुरू हुई यात्रा में कोटा में भारी भीड़ के कारण कई बार भगदड़ की स्थिति नजर आई। कई बार लोग राहुल का सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए उनके पास पहुंच गए। यात्रा में राहुल गांधी कोचिंग जा रहे स्टूडेंट्स से भी मिले। उन्होंने बच्चों से कहा कि आप ही देश का भविष्य हो... लव यू।

गुरुवार सुबह करीब 6.15 बजे कोटा के सूर्यमुखी हनुमान मंदिर यात्रा की शुरुआत हुई है। कोटा जिले में यात्रा के कार्यक्रम में बदलाव करके छोटा कर दिया गया। अब बूंदी जिले के केशोरायपाटन में राहुल गांधी की यात्रा का कैंप बनाया गया है, जहां पर दो दिन नाइट स्टे होगा। इधर सोनिया गांधी भी आज सुबह जयपुर होते हुए सवाई माधोपुर पहुंच गई है जहां राहुल गांधी भी पहुंच गए हैं सोनिया अपने परिवार के साथ 9 दिसम्बर को अपना जन्मदिन मनाएंगी।

यात्रा के चौथे दिन विश्राम के बाद पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट बयाना विधानसभा क्षेत्र में एक सामूहिक विवाह सम्मेलन में हिस्सा लेने चले गए और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी कुछ ही देर बाद केशोरायपाटन होते हुए हेलीकॉप्टर से जयपुर आ गए, जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों की बैठक ली।

पहले 10 दिसंबर को महिलाओं को राहुल गांधी के साथ पैदल चलना था पर अब कार्यक्रम में बदलाव करके महिलाओं के लिए 12 दिसंबर रिज़र्व रखा गया है। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र से यह पैटर्न शुरू किया था कि यात्रा में हर प्रदेश में 1 दिन महिलाओं के लिए रिजर्व रखा जाएगा। मध्य प्रदेश में भी 1 दिन महिलाओं के लिए रखा गया था।

'कश्मीरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी से कोर्ट की निगरानी में जांच करवायी जाए और तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा एफ.आई.आर्स. पर कानूनी कार्रवाई ना करने के कारणों की पड़ताल के लिए एक जांच आयोग गठित किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने तत्कालीन चीफ जस्टिस जे.एस. खेहर और जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ से युक्त एक बैंच ने व्यवस्था दी थी कि हम भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस याचिका पर सुनवाई से सिर्फ एक कारण से इंकार करते हैं कि वर्तमान याचिका में संदर्भित घटनाओं का संबंध वर्ष 1989-90 से है और तब से लेकर अब तक 27 साल गुजर चुके हैं। कोई नतीजा नहीं निकलेगा क्योंकि इतने समय बाद साक्ष्य मिलने की संभावना नहीं है।

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी से ईस्टर्न राजस्थान नहर के मुद्दे पर चर्चा करती कांग्रेस नेता आरती मीना।

ठाकरे परिवार की सम्पत्ति की जांच करेगी मुंबई पुलिस

मुंबई, 8 दिसंबर (वार्ता)। बॉम्बे उच्च न्यायालय को गुरुवार को महाराष्ट्र सरकार ने सूचित किया कि मुंबई पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच शुरू की है।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) और प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) को इसकी जांच करने का निर्देश देने की मांग करने वाली एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान यह बयान दिया गया।

न्यायमूर्ति संजय गंगापुरवाला और न्यायमूर्ति आर.एम. लड्ढा की खंडपीठ के समक्ष लोक अभियोजक अरुणा पई ने बयान देते हुए कहा कि शहर पुलिस के आर्थिक कार्यालय विंग ने इस संबंध में प्रारंभिक जांच की है।

मुंबई निवासी गौरी भिडे की ओर से एक जनहित याचिका दायर की गई है जो एक व्यवहार और सॉफ्ट स्किल सलाहकार हैं तथा उनके पिता अभय दूसरे याचिकाकर्ता हैं। इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों, सी.बी.आई., ई.डी., उद्धव, उनकी पत्नी रश्मि और पुत्रों आदित्य तथा तेजस को प्रतिवादी बनाया गया है।

भारत जोड़ो यात्रा में शरदो गुर्जर पारम्परिक गुर्जर परिधान में शामिल हुईं

- **शरदो गुर्जर करौली कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष हैं।**

हिण्डौन सिटी, 8 दिसम्बर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की राजस्थान में होकर निकल रही भारत जोड़ो यात्रा में कोटा में गुरुवार को करौली महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष शरदो गुर्जर को शामिल होने का मौका मिला। जिलाध्यक्ष राजस्थानी संस्कृति के पारम्परिक गुर्जर परिधान लहंगा लुगड़ी पहने हुए शरदो गुर्जर सभी के आकर्षण का केन्द्र बनी रहीं।

शरदो गुर्जर ने राहुल गांधी एवं राजस्थान सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट से वार्ता की और कई बिंदुओं पर चर्चा की। हिंडौन देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता प्रमोद तिवाड़ी ने बताया कि राहुल गांधी की राजस्थान में 5 दिसंबर से झालावाड़ जिले से शुरू हुई यात्रा में 4 दिन से करौली जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे पूर्व विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, वरिष्ठ कांग्रेसी कन्हैया लाल शर्मा करौली, उधो सिंह एडवोकेट, भूपेंद्र भारद्वाज, बहादुर सिंह गुर्जर ताली सहित कई कार्यकर्ता कोटा पहुंचे। करौली जिले के ये कांग्रेसी कोटा की सड़कों पर राहुल गांधी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए नजर आए। पैदल यात्रा में गुरुवार को करौली महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष शरदो गुर्जर यात्रा में शामिल हुई और लोगों को कांग्रेस के पक्ष में एकजुट करते देखी गईं।

आरती मीना ने राहुल गांधी से मुलाकात की

- **भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होकर प्रदेश कांग्रेस सेवा दल की महासचिव आरती मीना ने पूर्वी राजस्थान नहर और चुनाव में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा भी की।**

करौली, 8 दिसम्बर (नि.स.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल महासचिव और पूर्व जिला परिषद सदस्य आरती मीना ने कोटा में यात्रा के दौरान कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की।

कांग्रेस नेता आरती मीना ने राहुल गांधी से चर्चा करते हुए भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का मुद्दा उठाया, साथ ही आने वाले समय में कांग्रेस संगठन एवं 2023 के विधानसभा चुनाव में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की। इसके बाद राहुल गांधी ने एक सभा मे पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का उल्लेख किया और इसे योजना को जल्दी लागू करने की जरूरत बताई। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान में दो बार पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना बनाने की बात कह चुके हैं लेकिन अब ऐसी घोषणा नही कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा में भाजपा कार्यकर्ता ने आत्मदाह का प्रयास किया

कोटा, 8 दिसम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया ,जब एक भाजपा कार्यकर्ता ने खुद को आग लगा ली। हालांकि, डीएसपी अंकित जैन ने अपनी शर्ट उतारकर आग बुझाकर हादसा होने से बचा लिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि, यह कार्यकर्ता चार-पांच दिन पहले से ही यात्रा को रोकने की योजना बना रहा था, लेकिन किसी ने साथ नहीं दिया तो अकेले ही यात्रा को रोकने पहुंच गया।

सूत्रों का कहना है कि, किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में प्राथमिक इलाज कराने के बाद खुफिया विभाग के अधिकारी उसे अपने साथ ले गए हैं।

- **कोटा में हुए इस घटनाक्रम ने एक बार अप्रिय हालात बना दिए। पर पुलिस ने तुरंत आग बुझाकर युवक पर काबू कर लिया।**

ज्ञातव्य है कि, यात्रा कोटा के झालावाड़ रोड से आ रही थी,तभी कोटा के बोरखेड़ा में रहने वाला कुलदीप शर्मा यात्रा में घुस गया। पहले तो वह यात्रा के दौरान खूब चिल्ला रहा था, कोई कुछ समझता, उससे पहले ही उसने खुद का आग लगा ली।

घटना की जानकारी मिलने पर कुलदीप शर्मा के बड़े भाई अभिलाष घटनास्थल पर पहुंचे।

अभिलाष ने बताया कि कुलदीप फार्मासिस्ट है और भाजपा से जुड़ा हुआ है। वह ए बी वी पी में रह चुका है। कहा जा रहा है कि, राहुल गांधी द्वारा बार-बार सावरकर पर टिप्पणी करने से कुलदीप नाराज था। कुलदीप का पैर झुलस गया है। इंटैलिजैंस से जुड़े अधिकारी कुलदीप से पूछताछ कर रहे हैं।

सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाने सवाई माधोपुर पहुंचा गांधी परिवार

- **9 दिसंबर को सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाने के लिए राहुल और प्रियंका भी सवाईमाधोपुर पहुंच गए हैं।**
- **सोनिया गांधी संभवतः थोड़ी देर के लिए भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगी।**

सवाई माधोपुर, 8 दिसम्बर (निस)। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी अपना जन्मदिन मनाने के लिए गुरुवार को हेलीकॉप्टर से सवाई माधोपुर पहुंची हैं।

सोनिया गांधी का हेलीकॉप्टर शेरपुर हेलीपैड पर लैण्ड हुआ, जहाँ कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए। हेलीपैड पर उतरने के बाद सोनिया गांधी भारी पुलिस लवाजमे के साथ रणथंभौर स्थित होटल शेर बाग के लिए रवाना हुईं । पूरा गांधी परिवार होटल शेरबाग में ही रुका हुआ है। यह भी कहा जा रहा है कि, कुछ देर के लिए सोनिया गांधी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो सकती हैं।

गौरतलब है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान के कोटा बूंदी क्षेत्र में चल रही है। सोनिया गांधी के सवाई माधोपुर पहुंचने के कुछ ही देर बाद कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी सड़क मार्ग से सवाई माधोपुर पहुंचीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी भारत जोड़ो यात्रा से विश्राम लेकर अपनी मां सोनिया गांधी का जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए हेलीकाप्टर से सवाई माधोपुर पहुंच चुके हैं।

ये कयास भी लगाए जा रहे हैं कि, होटल शेरबाग में जन्मदिन सेलिब्रेट करने के बाद गांधी परिवार रणथंभौर नेशनल पार्क का भ्रमण भी कर सकता है । गांधी परिवार की सुरक्षा को लेकर होटल शेरबाग को छावनी में तब्दील कर दिया गया है और चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात है ।

आप बनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में दो सीटें जीत ले और कम से कम चार राज्यों में उसे 6 प्रतिशत वोट मिल जाए तो उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल सकता है।

चुनावों में दिल्ली और पंजाब में आप की शानदार जीत के बाद भी इसे अभी भी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा नहीं मिला था। लेकिन अब आप को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल जाएगा और पार्टी 8 राष्ट्रीय दलों की जमात में शामिल हो जाएगी। हालांकि उनके पास संसाधन नहीं है और भाजपा व कांग्रेस जैसा नेटवर्क भी नहीं है इससे आप अभी तक राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा प्रभाव नहीं बना पाई है।

राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए आवश्यक मानदंड निम्न है:-

1. विधानसभा, लोकसभा चुनाव में चार या उससे ज्यादा राज्यों में 6 प्रतिशत वोट लेना और किसी भी राज्य या राज्यों में 4 लोकसभा सीटें जीतना।

2. लोकसभा आम चुनाव में दो प्रतिशत सीटें जीतना, वो भी कम से कम तीन राज्यों से।

कोलीजियम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सी.) एक्ट को निरस्त कर दिया गया था।

धनखड़ ने इसे संसद की संप्रभुता के साथ समझौता करने और जनादेश के अनादर की संज्ञा भी दी थी।

इस सप्ताह की शुरुआत में कोर्ट ने रिजिजू द्वारा शीर्ष अदालत की टिप्पणियों की आलोचना को गलत बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कोलीजियम द्वारा मंजूर जजों की नियुक्ति से संबंधित फाइलों को सरकार दबाकर बैठी है। जस्टिस एस.के. कौल ने कहा कि "ऐसा नहीं होना चाहिए। था।"

'मोदी के नेतृत्व में मिली गुजरात जीत भाजपा को ताकत देगी'

- **प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने गुजरात में भाजपा की जीत का श्रेय प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी की रणनीति और नेतृत्व को दिया।**

जयपुर, 8 दिसम्बर (का.सं.)। प्रदेश भाजपाध्यक्ष डा. सतीश पूनिया ने वक्तव्य जारी कर कहा कि, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में गुजरात में भाजपा की ऐतिहासिक जीत भारत के लिये एक शुभ संकेत है।" उन्होंने कहा, "जिस तरीके से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेन्स ने देश के बुनियादी विकास को ताकत दी, वैचारिक और बुनियादी मुद्दों का समाधान किया, उसी तरीके से गुजरात के जनमानस ने शांति, समृद्धि, विकास और सुरक्षा के मुद्दे पर मतदान किया और यही कारण है कि गुजरात आज राष्ट्रवाद के साथ मजबूती से खड़ा है। गुजरात में भाजपा की प्रचंड जीत के लिये गुजरात की देवतुल्य जनता का धन्यवाद।" डा. पूनिया ने वक्तव्य में आगे कहा, गुजरात का ऐतिहासिक मैंडेट 2023 में निश्चित रूप से राजस्थान में भाजपा को ताकत देगा, कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ायेगा, समर्थक और शुभचिंतकों को ऊर्जा और प्रेरणा देगा। राजस्थान के तमाम कार्यकर्ता, जिन्होंने गुजरात की 43 सीटों पर चुनाव प्रचार किया, उन सभी को और नेताओं को धन्यवाद और शुभकामनायें।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में गुजरात की जीत भाजपा के लिये पूरे देश में और नई ऊर्जा का काम करेगी, जो 2023 में राजस्थान का रास्ता खोलेगी और 2024 में फिर से हिन्दुस्तान का रास्ता खोलेगी।

छवला रेप-मर्डर पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को फांसी की सजा से बरी कर दिया गया था।

बैंच, जिसमें जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस जे.पी. पारदीवाला भी शामिल थे, ने रिव्यू यचिका को जल्दी लिस्ट करने के एक वकील के निवेदन पर गौर किया। वकील ने कोर्ट को बताया कि यह एक अत्यन्त महत्वपूर्ण केस है, जिसने जनता के विश्वास को हिलाकर रख दिया है।

सी.जे.आई. ने कहा कि "मैं याचिका का अध्ययन करने के बाद निर्णय लूंगा। रिव्यू के लिए हाल ही में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। इनमें सबसे ताजा याचिका युवती के पिता द्वारा दायर की गई है।"

अभियोजन के अनुसार, युवती उत्तराखण्ड की थी और गुड़गांव के सायबर सिटी क्षेत्र में काम करती थी। वह अपने ऑफिस से घर लौट रही थी कि घर के पास एक कार में आए तीन जनों ने उसका अपहरण कर लिया।

जब वह घर नहीं लौटी तो उसके अभिभावकों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी।

अभियोजन के अनुसार उसका क्षत विक्षत एवं सड़ा हुआ शव हरियाणा के रेवाड़ी के एक गांव में मिला। पुलिस को युवती के शरीर पर चोट के कई निशान मिले।

आगे की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है युवती पर कार के औजारों, कांच की बोतलों, घातु के सरियों व अन्य हथियारों से वार किए गए थे। यह भी बताया गया कि उसके साथ रेप भी किया गया।

पुलिस ने इस जुर्म में कथित रूप से शामिल तीन जनों को गिरफ्तार कर दावा किया था कि युवती ने जब उनमें से एक के गलत प्रस्ताव को ठुकरा दिया तो उसने उससे इस तरह से बदला लिया।

अजीनोमोतो फिल्म...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्माता का कहना था कि फिल्म का नाम उसके रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क "अजि-नो-मोतो" का उल्लंघन है। इस ट्रेडमार्क को मोनोसोडियम ग्लूटामेट के निर्माण के लिए प्रयुक्त किया जाता है, ग्लूटामेट का प्राय: खाने के स्वाद का जायका बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है। जस्टिस संजीव नरूला ने "अजिनोमोतो" के शीर्षक वाली फिल्म या इससे मिलते-जुलते नाम की किसी फिल्म को सिनेमाघरों, डीवीडी, वीसीडी या ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज करने से फिल्म के निर्देशक माधिराज इयामपेरूमल और दत्तात्रेय स्टूडियोज को प्रतिबंधित कर दिया।

अजिनोमोतो कं. आई.एन.सी. ने यह दावा करते हुए मुकदमा दायर किया कि उक्त फिल्म ना केवल उसके ट्रेडमार्क का उल्लंघन करती है बल्कि विभिन्न झूठे व अपमानजनक बयान भी देती है।उसकी याचिका में कहा गया है कि जापानी भाषा में अजिनोमोतो शब्द का अर्थ "जायके का सत्व" होता है। इस ट्रेडमार्क को जापान की भाषा में सबसे पहले 1909 में रजिस्टर कराया गया, फिर वर्ष, 1964 में "एसैन्स ऑफ टेस्ट" के अंग्रेजी नाम से रजिस्टर कराया गया। भारतीय बाजार में यह ट्रेडमार्क कम्पनी के एम.एस.जी. प्रोडक्ट के रूप में वर्ष 1956 में आया।

कम्पनी के अधिवक्ता ने आउटलुक मैगजीन के एक लेख का हवाला दिया, जिसमें फिल्म के निर्देशक ने कहा था "अजिनोमोतो जायका बढ़ाने वाला है, लेकिन वास्तव में यह एक ऐसा जहर है जो मनुष्यों को धीरे-धीरे मारता है। अजिनोमोतो की कहानी कुकिंग इन्ग्रेडियन्ट की परिकल्पना से ली गई है।

जस्टिस नरूला की एकल बैंच ने कहा कि "वादी ने यह केस प्रथम दृष्टया अपने पक्ष में कर लिया है, साक्षेप प्रमाण भी वादी के पक्ष में और प्रतिवादी के विरूद्ध है।"

चीन और सऊदी अरब के संबंधों में नई गर्मजोशी

दोहा, 8 दिसंबर (वार्ता)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सऊदी अरब यात्रा के तहत सऊदी और चीनी कंपनियों ने 34 निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं। सऊदी प्रेस एजेंसी (एस.पी.ए.) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

बुधवार को यह हस्ताक्षर समारोह हुआ। सौदों में हरित ऊर्जा, हाइड्रोजन उत्पादन, फोटोवोल्टिक ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और सेवाएं, परिवहन, रसद, चिकित्सा उद्योग तथा निर्माण शामिल हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908